@Qpatrika

@qaumipatrika hindi

instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

गुरुवार, 15 जनवरी 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 72 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

ऑपरेशन पवन में शामिल रहे शांति सैनिकों के योगदान को मान्यता : राजनाथ सिंह

● सैनिक के लिए रिटायरमेंट बस एक शब्द होता है। असल मायने में कोई सैनिक कभी रिटायर नहीं होता।

एजेंसी

नई दिल्ली। 'ऑपरेशन पवन' में भारतीय सेनाओं ने अद्भुत साहस, शौर्य और पराक्रम का परिचय दिया। कई सैनिकों ने कर्तव्य की राह पर चलते हुए वीरगति प्राप्त की। उनका साहस और बलिदान हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा होनी ही चाहिए। बुधवार को सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस के अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह बात कही। भारतीय सेना के कई वीर जवानों ने वर्ष 1987 से 1990 के बीच श्रीलंका में शांति, स्थिरता और क्षेत्रीय सद्भाव बनाए रखने के लिए चलाए गए 'ऑपरेशन पवन' में सर्वोच्च बलिदान दिया था। सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस के मौके पर राजनाथ सिंह ने कहा, ''आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार 'ऑपरेशन पवन' में भाग लेने वाले शांति सैनिकों के योगदान को न केवल खुले मन से स्वीकार कर रही है, बल्कि उनके योगदान को हर स्तर

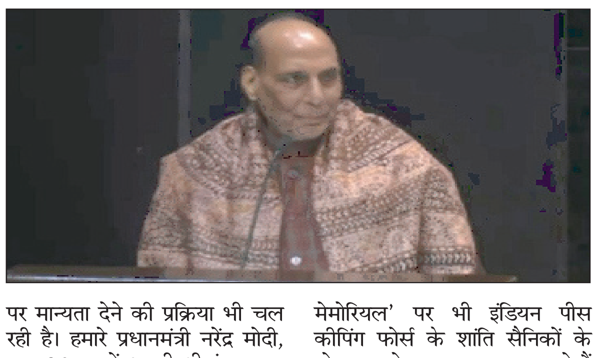

पर मान्यता देने की प्रक्रिया भी चल रही है। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जब 2015 में अपनी श्रीलंका यात्रा पर गए थे, तो उन्होंने इंडियन पीस कीपिंग फोर्स मेमोरियल पर अपनी तरफ से भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की थी। अब हम नई दिल्ली स्थित 'नेशनल वॉर मेमोरियल' पर भी इंडियन पीस कीपिंग फोर्स के शांति सैनिकों के योगदान को पहचान प्रदान कर रहे हैं और उन्हें पूरा सम्मान भी दे रहे हैं।''

राजनाथ सिंह ने कहा, 'मैं आज से लगभग 40 साल पहले इंडियन पीस कीपिंग फोर्स के रूप में श्रीलंका में शांति स्थापना के लिए चलाए गए सैन्य अभियान में भाग लेने वाले सभी पूर्व सैनिकों का भी स्मरण करना चाहता हूं। श्रीलंका में भारतीय सेनाओं को भेजने का जो निर्णय तत्कालीन सरकार ने लिया था, उस पर बहस की गुंजाइश है, मगर 'ऑपरेशन पवन' में भाग लेने वाले इंडियन पीस कीपिंग फोर्स के सैनिकों की जो उपेक्षा की गई, उसे किसी भी दृष्टि से उचित नहीं ठहराया जा सकता। भारतीय सेना ने जो बलिदान और संघर्ष उस दौरान किया, उसका सम्मान किया जाना चाहिए था।''

रक्षा मंत्री ने कहा कि किसी भी सैनिक के लिए रिटायरमेंट बस एक शब्द होता है। असल मायने में कोई सैनिक कभी रिटायर नहीं होता। आप सब, जब सर्विस से रिटायर हुए, तो क्या आपकी सेवा समाप्त हो गई? बिल्कुल नहीं। आपकी वर्दी का रंग बदल सकता है, आपके काम करने की जगह बदल सकती है, आपके आसपास रहने वाले लोग बदल सकते हैं, लेकिन आपके दिल में देशभक्ति और सेवा की भावना वैसी की वैसी ही बनी रहती है। रक्षा मंत्री ने कहा, ''पूरा देश हर क्षेत्र में आपके योगदान को देख रहा है, महसूस कर रहा है। हमारी सरकार का भी यह मानना है कि हमारे सैनिक और पूर्व सैनिक देश के मजबूत स्तंभ हैं। उनकी देखभाल करना, हमारा नैतिक और भावनात्मक कर्तव्य है। हमारी सरकार ने भी अपने पूर्व सैनिकों के लिए, बीते वर्षों में कई ठोस फैसले लिए हैं और आने वाले समय में भी यह सिलसिला रुकेगा नहीं।

माघ मेला प्रयागराज में मकर संक्रांति पर उमड़ा आस्था का सैलाब

● 2 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने संगम में किया स्नान

एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में माघ मेला इस बार भी अपने रंग में रंगा हुआ है। मकर संक्रांति और षटतिला एकादशी के शुभ संयोग की वजह से संगम पर श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। बुधवार सुबह 8 बजे तक ही करीब 15 लाख श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान कर आस्था का अनुभव लिया। इस दौरान युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक हर कोई संगम में डुबकी लगाता हुआ नजर आया। इस कड़ाके की ठंड में संगम तट पर श्रद्धालुओं की संख्या देखकर साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि ये सिर्फ स्नान का अवसर नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत और सनातन परंपरा का जश्न भी है। वहीं, इस बार मकर संक्रांति स्नान पर्व पर अनुमान है कि 2 करोड़ से ज्यादा लोग संगम में डुबकी लगाई। ऐसे में सुरक्षा-व्यवस्था भी बहुत सख्त है। पुलिस और सुरक्षा बल हर जगह तैनात हैं। मेला प्रशासन ने 13 जनवरी से ही चार पहिया वाहनों की एंट्री बैन कर दी है, ताकि जगह-जगह भीड़ नियंत्रण में रहे। पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार ने बताया कि संगम तट पर घुड़सवार पुलिस, फुट पेट्रोलिंग, जल पुलिस और आरएएफ जवान पूरे एहतियात के साथ काम कर रहे हैं। साथ ही बाडराज कंपनी भी लगी हुई है, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। उन्होंने बताया कि भीड़ को सुगमता से संगम तक लाने और वहां से वापस उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए विशेष डायवर्जन प्लान बनाया गया है। कमिश्नर

ने कहा कि अभी भीड़ अच्छी है और सभी लोग सुरक्षित हैं। हालांकि यदि भविष्य में भीड़ और बढ़ती है, तो आपातकालीन योजनाएं तैयार हैं। एआई कैमरों के जरिए भीड़ की लगातार मॉनिटर की जा रही है और उसी के आधार पर प्रशासन आवश्यक कदम उठा रहा है। गौरतलब है कि 23 साल बाद मकर संक्रांति पर एकादशी का दुर्लभ संयोग बना है, जिस वजह से इस दिन स्नान का महत्व कई गुना बढ़ गया है। इस मौके पर लोग सिर्फ प्रयागराज ही नहीं, बल्कि वाराणसी, अयोध्या और मथुरा जैसे धार्मिक शहरों से भी अपने-अपने घाटों पर पहुंच रहे हैं। हर जगह श्रद्धालुओं का हुजूम आस्था की गूंज और भक्तिभाव का प्रतीक बनता दिख रहा है।

मकर संक्रांति पर दिल्ली को बड़ी सौगात

● सीएम रेखा गुप्ता ने 81 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का किया उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। मकर संक्रांति के अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राष्ट्रीय राजधानी के लोगों को बड़ी सौगात दी है। बुधवार को उन्होंने दिल्ली भर में 81 नए आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन नए केंद्रों के शुरू होने से दिल्ली के नागरिकों को उनके घर के पास ही बेहतर, सुलभ और सम्मानजनक स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। उद्घाटन के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि इससे पहले दिल्ली में 238 आयुष्मान आरोग्य मंदिर पहले से ही काम कर रहे थे। अब 81 नए केंद्र जुड़ने के बाद राजधानी में कुल 319 आयुष्मान आरोग्य मंदिर हो जाएंगे। उन्होंने कहा, 'आज मकर संक्रांति के दिन 81 नए आरोग्य मंदिर शुरू किए गए हैं। इसके साथ ही दिल्ली के लोगों को अधिक आरामदायक और आसानी

से उपलब्ध होने वाली स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। ' मुख्यमंत्री ने बताया कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की तरह काम करते हैं और दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि ये केंद्र बड़े अस्पतालों पर बढ़ते दबाव को कम करेंगे और आम लोगों की रोजमर्रा की स्वास्थ्य जरूरतों को समय पर पूरा करने में मदद करेंगे। अब नागरिकों को छोटी-छोटी बीमारियों के इलाज के लिए दूर बड़े अस्पतालों में नहीं जाना पड़ेगा। रेखा गुप्ता ने यह भी बताया कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य पूरे शहर में कुल 1,100 आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित करने का है और इस दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। आने वाले महीनों में और भी केंद्र शुरू किए जाएंगे। इस मौके पर भाजपा विधायक सतीश उपाध्याय ने कहा कि जिस तरह से आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का निर्माण किया जा रहा है, वह सराहनीय है। उन्होंने बताया कि भीम नगर और मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र में यह आठवां आरोग्य मंदिर है और यहां दो और आरोग्य मंदिर बनाए जाने हैं। एक दिन पहले दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह ने भी इस योजना को लेकर अहम जानकारी दी थी।

प्रयागराज में चार बच्चों की तालाब में डूबने से मौत

एजेंसी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में बुधवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जिससे पूरे इलाके में कोहराम मच गया। पुरामुफ्ती थाना क्षेत्र के कुसुआ गांव में स्थित एक तालाब में डूबने से चार किशोरों की मौत हो गई। हादसे की खबर फैलते ही गांव में कोहराम मच गया और मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। पुरामुफ्ती थाने के अधीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि गांव से एक किलोमीटर की दूरी पर तालाब पर नहाने आए थे। इस दौरान वे चारों डूब गए। सभी के शव निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं। इनमें तीन नाबालिग बच्चे और एक युवक शामिल थे। पूरे मामले की जांच की जा रही है। गांव के लोगों ने आशंका जताई है कि खेलते-खेलते वे तालाब के गहरे हिस्से में चले गए और एक के बाद एक डूबते चले गए। तालाब के किनारे बच्चों के कपड़े और चप्पल मिलने से इस बात को बल मिला है कि वे वहीं आसपास मौजूद थे। काफी देर तक जब बच्चे घर नहीं लौटे तो परिजनों ने तलाश शुरू की, जिसके बाद तालाब में उतराकर खोजबीन की गई और चारों के शव बरामद हुए। उधर, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही पुरामुफ्ती थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला तालाब में डूबने का प्रतीत हो रहा है, हालांकि सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है।

तीन देशों के राजदूतों ने राष्ट्रपति को अपने परिचय पत्र सौंपे

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में तीन देशों के राजदूतों की तरफ से दिए गए उनके परिचय पत्र स्वीकार किए। राष्ट्रपति भवन के अनुसार, परिचय पत्र सौंपने वालों में त्रिनिदाद और टोबैगो के उच्चायुक्त चंद्रदथ सिंह, ऑस्ट्रिया के राजदूत डॉ. रॉबर्ट ज़्शिग और अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर शामिल थे। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने सभी राजदूतों का स्वागत किया और उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

दो राजमार्गों पर एनएचएआई ने लॉन्च की तात्कालिक सुरक्षा चेतावनी पहल, आवारा पशुओं की आवाजाही को लेकर करेगा सतर्क

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने बुधवार को जयपुर-आगरा और जयपुर-रेवाड़ी राष्ट्रीय राजमार्ग मार्गों पर आवारा पशुओं की आवाजाही से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए तात्कालिक (रीयल-टाइम) सुरक्षा चेतावनी की पायलट परियोजना लॉन्च की। इसे आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत चल रहे सड़क सुरक्षा माह 2026 पर दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के साथ मिलकर लांच किया गया।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की तरफ से बताया गया कि यह परियोजना उन क्षेत्रों में लागू की जा रही है जिन्हें आवारा पशुओं की आवाजाही के लिए संवेदनशील माना गया है। इस परियोजना के तहत वाहन चालकों को लगभग 10 किलोमीटर पहले ही चेतावनी संदेश भेजा जाएगा ताकि वे सावधानी बरत सकें और दुर्घटनाओं से बचा जा सके। मंत्रालय के अनुसार, यात्रियों को सुरक्षा परामर्श फ्लैश संदेश और ध्वनि चेतावनी के माध्यम से दिया जाएगा। हिंदी में जारी संदेश होगा- 'आगे आवारा पशु ग्रस्त क्षेत्र है। कृपया धीरे और सावधानी से चलें।' इसके बाद ध्वनि चेतावनी भी यही संदेश प्रसारित करेगी। अलर्ट थकान से बचाने के लिए एक ही उपयोगकर्ता को 30 मिनट के भीतर दोबारा संदेश नहीं भेजा जाएगा। मंत्रालय ने बताया कि इस पहल में दूरसंचार तकनीक का उपयोग कर समय पर और लक्षित परामर्श उपलब्ध कराया जाएगा। चेतावनी उन क्षेत्रों में जारी होगी जिन्हें दुर्घटना आंकड़ों और मैदानी जानकारी के आधार पर पशु-बाहुल्य क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया गया है।

'झूठ बोलना ममता बनर्जी की पुरानी आदत'

● महिलाएं ही करेंगी उनके खिलाफ मतदानः सुकांत मजूमदार

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के हालिया बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री और पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने दावा किया कि इस बार राज्य की महिलाएं ममता बनर्जी के खिलाफ वोट करेंगी। सुकांत मजूमदार ने कहा कि ममता बनर्जी को झूठ बोलने की आदत बहुत पहले से है। किसी भी तरह से महिलाओं को निशाना बनाने का सवाल ही नहीं है। महिलाएं ही इस बार ममता बनर्जी के खिलाफ वोट करने जा रही हैं। राज्य की महिलाएं मौजूदा हालात से चिंतित हैं और बदलाव चाहती हैं। भाजपा नेता ने आगे कहा कि महिलाओं को इस बात का डर है कि कहीं पश्चिम बंगाल की स्थिति बांग्लादेश जैसी न हो जाए। उन्होंने दावा किया कि इसी आशंका के चलते महिलाओं ने मन बना लिया है

कि वे ममता बनर्जी के खिलाफ मतदान करेंगी। राज्य की जनता, खासकर महिलाएं, अब सच्चाई को समझ रही हैं। सुकांत मजूमदार ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि अनाप-शनाप बोलना ममता बनर्जी की आदत बन चुकी है। इस बार पश्चिम बंगाल की जनता ममता बनर्जी को सबक सिखाने वाली है। लोग अब मौजूदा सरकार से परेशान हो चुके हैं और बदलाव की दिशा में कदम उठाएंगे। दरअसल, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने दावा किया था कि चुनाव आयोग ने एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स का इस्तेमाल कर मतदाता सूची से नाम काटे हैं। इस आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुए सुकांत मजूमदार ने कहा कि एआई का इस्तेमाल करना कोई अपराध नहीं है। अगर उन्हें एआई नहीं आता, तो वे इसका इस्तेमाल न करें। आज हर जगह एआई का उपयोग हो रहा है।

लोकसभा अध्यक्ष की केन्या, मालदीव, त्रिनिदाद-टोबैगो और सेशेल्स के संसदीय प्रतिनिधियों से मुलाकात

● **उल्लेखनीय है कि राष्ट्रमंडल देशों के लोकसभा अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन का उद्घाटन यहां गुरुवार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे।**

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल देशों के लोकसभा अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन से पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने केन्या, मालदीव, त्रिनिदाद और टोबैगो तथा सेशेल्स के संसदीय प्रतिनिधियों से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों और संसदीय सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने सोशल मीडिया पर इन मुलाकातों की जानकारी साझा करते हुए भारत के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और लोकतांत्रिक जुड़ाव को बताते हुए भविष्य में इन देशों के साथ सहयोग

बढ़ाने पर प्रतिबद्धता जताई। ओम बिड़ला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर केन्या की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष डॉ. मोसेस मसिका वेटांगुला से मुलाकात की जानकारी देते हुए कहा कि उनके साथ गर्मजोशी पूर्ण चर्चा हुई। उन्होंने भारत और केन्या के साझा ऐतिहासिक संबंधों का जिक्र करते हुए महात्मा गांधी के अफ्रीका प्रवास और केन्या में गुजराती समुदाय के योगदान पर चर्चा के बारे में बताया। बिड़ला ने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध अब बहुआयामी साझेदारी में बदल चुके हैं, जिसमें उच्चस्तरीय यात्राएं, व्यापार-निवेश और जनसंपर्क शामिल हैं। बिड़ला ने एक अन्य पोस्ट में मालदीव की पीपुल्स मजलिस के अध्यक्ष अब्दुल रहीम अब्दुल्ला से मुलाकात में भारत-मालदीव के लंबे समय से चले आ रहे संबंधों को साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और आपसी सम्मान पर आधारित बताया।

उन्होंने कहा कि अब्दुल्ला से रक्षा, सुरक्षा, आधारभूत संरचना और सामुदायिक विकास के क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की। भारत संसद अपने एआई-सक्षम नवाचारों, बहुभाषी वास्तविक समय अनुवाद प्रणाली और डिजिटल संसदीय प्रक्रियाओं का अनुभव मालदीव के साथ साझा करने को तैयार है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 16 जनवरी को एक दिवसीय दौरे पर राजस्थान आएंगी

जयपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 16 जनवरी को एक दिवसीय दौरे पर राजस्थान आ रही हैं। राष्ट्रपति दोपहर

1:40 बजे जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचेंगी, जहां से वे सड़क मार्ग से दोपहर 2:10 बजे लोक भवन पहुंचेंगी। राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार राष्ट्रपति दोपहर 3:50 बजे लोक भवन से प्रस्थान करेंगी और 4:20 बजे नींदड़ हाउसिंग स्कीम हरमाड़ा पहुंचेंगी, जहां वे रामानंद मिशन की ओर से आयोजित 1008 कुंडीय हनुमान महायज्ञ में भाग लेंगी। इसके पश्चात राष्ट्रपति शाम 5:50 बजे जयपुर एयरपोर्ट से वापस दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगी।

मकर संक्रांति का सूर्य जरूरतमंद लोगों की मदद करने का संदेश देता है: नितिन नबीन

● 'दिल्ली में भाजपा की जीत का एक सूत्रधार पूर्वांचल समाज भी है'

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने बुधवार को कहा कि मकर संक्रांति का सूर्य नई रोशनी, नई उमंग, नया उत्साह देने के साथ ही हमें जरूरतमंद लोगों की मदद करने का संदेश देता है। नितिन नबीन यहां दिल्ली प्रदेश भाजपा कार्यालय परिसर में मकर संक्रांति के अवसर पर पूर्वांचल मोर्चा द्वारा आयोजित सहभोज कार्यक्रम को सबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और पूर्वांचल मोर्चा के अध्यक्ष संतोष ओझा समेत कई प्रमुख नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। सचदेवा ने कहा कि पूर्वांचल समाज द्वारा मकर संक्रांति पर किए गए भव्य आयोजन ने उनकी सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक एकता और उत्साह को दर्शाया है। मकर संक्रांति का आयोजन केवल उत्सव नहीं, बल्कि पूर्वांचल समाज की संगठनात्मक शक्ति और

सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है। उन्होंने सभी आयोजकों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा पूर्वांचल समाज के विकास, सम्मान और अधिकारों के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करती रहेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में भाजपा की जीत का एक सूत्रधार पूर्वांचल समाज भी है जिन्होंने 27 साल के बाद भाजपा को सत्ता में लाने में प्रमुख भूमिका निभाई है।

हिन्दू समाज में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिएः नरेन्द्र ठाकुर

● **त्रयंबकेश्वर महादेव मंदिर के प्रांगण में हुआ हिन्दू सम्मेलनजाति को नहीं मानता संघ का स्वयंसेवकः नरेन्द्र ठाकुर**

एजेंसी

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख ने नरेन्द्र ठाकुर कहा कि हिन्दू समाज में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। संघ भेदभाव नहीं मानता, लेकिन समाज में है। समाज के अंदर के भेदभाव, जातिगत भेदभाव, छुआछूत, भाषा व क्षेत्र के भेद से ऊपर उठकर हमें एक साथ खड़ा होना होगा तभी हम संगठित हो सकते हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख ठाकुर बुधवार को यहां वृन्दावन योजना स्थित त्रयंबकेश्वर महादेव मंदिर के प्रांगण में हिन्दू सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। नरेन्द्र ठाकुर ने कहा कि हमारे धर्म ग्रन्थों में जाति के नाम पर छुआछूत का उल्लेख नहीं है।

छुआछूत गुलामी के काल में आयी हुई कुरीति है। इसलिए संघ के अंदर किसी प्रकार की जाति नहीं मानी जाती है। संघ का स्वयंसेवक जाति को नहीं मानता। ठाकुर ने कहा कि संघ के दूसरे सरसंघचालक माधव राव सदाशिवराम गोलवलकर श्रीगुरूजी ने सभी संतों को एक मंच पर लाने का प्रयास किया। संतों के माध्यम से हिन्दवः सोदरा सर्वे का उदघोष कराया। सभी हिन्दू सहोदर हैं। हिन्दू पतित नहीं हो सकता। सब समान हैं। समाज में आयी बुराई को दूर करने के लिए संघ ने प्रयत्न किया। समाज की कुरीतियों को दूर करना होगा तब हमारा समाज एक हो सकता है। साथ चलना है, संगठित होना है तो जातिगत भेदभाव छुआछूत,भाषा के भेद से ऊपर उठना होगा।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पूर्व सैनिकों की भूमिका पर गर्व महसूस कर रहे : जनरल द्विवेदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेना प्रमुख (सीओएएस) जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बुधवार को 10वें पूर्व सैनिक दिवस के मौके पर शुभकामनाएं दीं और पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को श्रद्धांजलि अर्पित कर राष्ट्र के प्रति उनके निरंतर योगदान को रेखांकित किया। राजस्थान की राजधानी जयपुर में आयोजित पूर्व सैनिक दिवस 2026 समारोह में सीओएएस जनरल द्विवेदी ने कहा कि 10वें पूर्व सैनिक दिवस के मौके पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। सर्वप्रथम, मैं हमारे सभी पूर्व सैनिकों के प्रति अपना सम्मान व्यक्त करता हूं। मैं हमारी बहादुर महिला सैनिकों के परिवारों को सलाम करता हूं। हर सैनिक एक दिन पूर्व सैनिक बनेगा, हम सभी एक ही पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा हैं। उन्होंने देश की जरूरत के समय पूर्व सैनिकों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया, विशेष रूप से ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उनके प्रयासों की सराहना की। जनरल द्विवेदी ने कहा मुझे यह कहकर गर्व हो रहा है कि हमें उम्मीद से कहीं अधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आप सभी ने अमूल्य सहयोग प्रदान किया और राष्ट्र आपके साहस को सलाम करता है। इस मौके पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने निजी सुरक्षा और राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) में पूर्व सैनिकों की बढ़ती भागीदारी के बारे में भी बात की और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर जोर दिया। एक ओर हमारे पूर्व सैनिक निजी सुरक्षा प्रदान कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर वे एनसीसी में भी अपनी विशिष्ट पहचान बना रहे हैं।

आंतकी संगठनों से संबंध, 5 सरकारी कर्मचारियों को निकाला... गुस्से से लाल हुई महबूबा

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के आंतकी संगठनों से कथित संबंधों के आरोप में 5 सरकारी कर्मचारियों की सेवा समाप्त करने के फैसले की आलोचना कर फैसले को मनमाना और अन्यायपूर्ण बताया। महबूबा ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में इस तरह की कार्रवाइयों को खतरनाक रूप से सामान्य मान लिया गया है। महबूबा ने लिखा कि यह सिर्फ सरकारी कर्मचारी का मामला नहीं है। हर बर्खास्तगी के पीछे परिवार है, जिसे इस फैसले ने अंधकार में धकेल दिया है और यह एक तरह की सामूहिक सजा है, जिसमें भारत सरकार की कठोर नीतियों के कारण पूरे परिवार रातोंरात बर्बाद होते हैं। उन्होंने कहा कि अन्याय को सामान्य मानना बंद होना चाहिए। उनकी ये टिप्पणियां उपराज्यपाल द्वारा प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों से सक्रिय संबंध रखने के आरोपी पांच कर्मचारियों को बर्खास्त करने के आदेश के एक दिन बाद आईं। सूत्रों के अनुसार, बर्खास्त किए कर्मचारी में एक सरकारी स्कूल शिक्षक, एक प्रयोगशाला तकनीशियन, एक सहायक लाइनमैन, वन विभाग का कर्मचारी और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में कार्यरत एक ड्राइवर शामिल हैं। खबरों के मुताबिक, ड्राइवर, जो फिलहाल श्रीनगर की केंद्रीय जेल में बंद है, की पहचान हिजबुल मुजाहिदीन के एक सूचीबद्ध ओवरग्राउंड वर्कर के रूप में हुई है।

राहुल गांधी भारतीय राजनीति में अलगाववाद का सटीक उदाहरण : गुरु प्रकाश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गुरु प्रकाश ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला कर उन्हें भारतीय राजनीति में अलगाववाद का सटीक उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का राजनीतिक दृष्टिकोण राज्य-दर-राज्य बदलता रहता है और चुनावी लाभ के अनुसार उनकी रणनीति भी बदलती रहती है। बीजेपी नेता गुरु प्रकाश ने आरोप लगाया कि राहुल बिहार में जातिवाद, तमिलनाडु में भाषाई पहचान के नाम पर नकारात्मक राजनीति करते हैं और यह राष्ट्रीय एकता, शांति और स्थिरता के लिए खतरा पैदा करते है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस बार-बार क्षेत्रवाद, जातिवाद और भाषाई कट्टरता का सहारा लेते हैं, इससे उनकी राजनीति विभाजनकारी बन रही है। उन्होंने राहुल गांधी को चेतावनी दी कि उन्हें इस तरह की भाषा का प्रयोग करने से बचना चाहिए और किसी को तमिल मुद्दों या तमिल सभ्यता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण पत्र देने का अधिकार नहीं है। बीजेपी नेता गुरु प्रकाश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की तमिल संस्कृति, भाषा और पहचान के प्रति संवेदनशीलता और योगदान को भी उजागर किया। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार ने न केवल भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी तमिल पहचान और संस्कृति का सम्मान किया है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि राहुल गांधी का आरोप निराधार है और भाजपा तमिल मुद्दों के प्रति हमेशा प्रतिबद्ध रही है। उन्होंने जोर दिया कि प्रधानमंत्री मोदी ने तमिल सभ्यता और भाषा को भारतीय सांस्कृतिक धरोहर के अभिन्न अंग के रूप में लगातार महत्व दिया है। गुरु प्रकाश ने यह निष्कर्ष निकाला कि राहुल गांधी भारतीय राजनीति में अलगाववाद का जीता-जागता सबूत हैं और उन्हें विभाजनकारी राजनीति से दूर रहना चाहिए।

मुंबई एटीएस ने अवैध रुप से रह रही 30 साल की बांग्लादेशी महिला को गिरफ्तार किया

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई एंटी टेररिज्म स्क्वॉड (एटीएस) ने एक बांग्लादेशी महिला को अवैध रूप से मुंबई में रह रही होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। महिला की पहचान 30 वर्षीय बिलकिस बेगम सिरमिया अख्तर के रूप में हुई है। कफ परेड इलाके में एटीएस और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के दौरान हिरासत में लिया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, एटीएस को खुफिया जानकारी मिली थी कि एक विदेशी नागरिक बिना वैध दस्तावेजों के भारत में रह रहा है। सूचना के आधार पर कफ परेड इलाके में छापेमारी की गई, जहां एक महिला संदिग्ध हालत में मिली। एक मुखबिर की मदद से उसकी पहचान की पुष्टि की गई, जिसके बाद उसे हिरासत में ले लिया गया। पूछताछ के दौरान महिला ने पहले पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर महिला ने स्वीकार किया कि वह बांग्लादेश की नागरिक है। महिला ने कबूल किया कि उस अगस्त 2025 में क्राइम ब्रांच द्वारा भारत में अवैध रूप से रहने के कारण डिपोर्ट किया था। इसके बावजूद वह दोबारा अवैध तरीके से सीमा पार कर भारत में घुस आई और कफ परेड इलाके में किराए के कमरे में रह रही थी। पुलिस ने तलाशी के दौरान उसके पास से इंफिनिक्स कंपनी का एक मोबाइल फोन बरामद किया, जिसमें उसका बांग्लादेशी नेशनल आईडी नंबर और उससे जुड़ी तस्वीरें मिलीं। इन डिजिटल सबूतों को सुरक्षित कर लिया गया है।

तमिलनाडु की महिलाएं पढ़ी लिखी, उत्तर भारत की रसोई व बच्चे संभालने तक सीमित

डीएमके सांसद ने दिया विवादित बयान, बीजेपी बोली– उनमें कॉमन सेंस नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु में सत्ताधारी पार्टी डीएमके सासंद ने महिलाओं को लेकर विवादित बयान दिया है जिसे लेकर बवाल मच गया है। उन्होंने उत्तर भारत की महिलाओं की तुलना तमिलनाडु की महिलाओं से की है उनका कहना है कि उत्तर भारत में महिलाओं का काम रसोई और बच्चे संभालने तक सीमित है, लेकिन तमिलनाडु की महिलाओं को पढ़ाई और नौकरी करने की पूरी छूट है। चेन्नई सेंट्रल से चौथी बार सांसद बने डीएमके सांसद दयानिधि मारन के इस बयान पर विवाद खड़ा हो गया है। कई लोगों ने दयानिधि के बयान को गलत बताया है।

मीडिया रिपोर्ट में दयानिधि मारन के मुताबिक तमिलनाडु राज्य की लड़कियां आत्मविश्वास के साथ हाथ में लैपटॉप लेकर चलती हैं। वो पोस्ट ग्रेजुएशन से लेकर इंटरव्यू तक देती नजर आती हैं। तमिलनाडु की लड़कियों में आत्मविश्वास है, क्योंकि हम उन्हें पढ़ाते हैं लेकिन उत्तर भारत में क्या हाल है? वहां महिलाएं बाहर काम करने नहीं जाती हैं। वो घर, रसोई और बच्चों को संभालती हैं। यही उनका काम होता है।

ये तमिलनाडु है एक द्रविड़ियन राज्य, कलाईनार अन्ना और एम के स्टालिन का राज्य है। यहां आम लोगों की तरक्की मतलब राज्य की तरक्की। यही वजह है कि दुनियाभर से कई कंपनियां चेन्नई आ रही हैं, क्योंकि यहां सभी पढ़े-लिखे हैं। यहां लोगों को तमिल के साथ-साथ अंग्रेजी भी आती है। महिलाओं की तरक्की में सरकार ने भी अहम भूमिका निभाई है। मारन ने यह बयान एक कार्यक्रम में दिया।

इस कार्यक्रम में सीएम स्टालिन के बेटे और राज्य के उपमुख्यमंत्री उदयानिधि स्टालिन भी मौजूद थे। उन्होंने छात्राओं को लैपटॉप बांटे। उदयानिधि ने कहा कि आज आप सभी को लैपटॉप देकर मैं बहुत खुश हूं। मैं सभी को नए साल और पोंगल की शुभकामनाएं देता हूं। हमें छात्राओं पर गर्व है। 1974 में करुणानिधि ने इस कॉलेज का नामकरण करते हुए इसे महिलाओं को समर्पित किया था।

दयानिधि मारन के बयान पर राजनीतिक बहस छिड़ गई है। बीजेपी के प्रवक्ता नारायणन तिरुपति ने कहा कि दयानिधि मारन ने एक बार फिर उत्तर भारत के लोगों को गाली दी है। मुझे लग रहा है इन्हें ऐसे बयान देने की अनुमति क्यों मिलती है? डीएमके में ये आम बात हो गई है। मुझे नहीं लगता कि दयानिधि मारन में कॉमन सेंस है।

बीजेपी नेता अनिला सिंह ने मारन के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि मारन भूल रहे हैं कि वो भारत में रहते हैं और भारत शक्ति की पूजा करता है। अगर उन्हें लगता है कि वो शक्ति को उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम में बांट सकते हैं, तो वो इस देश की संस्कृति को नहीं समझ पाए हैं। सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और हमारी राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु के बारे में उनकी क्या राय है? इस देश में ये बंटवारे की राजनीति नहीं चलेगी।

डीएमके ने मारन के बयान का समर्थन करते हुए सफाई दी है। पार्टी के प्रवक्ता टीकेएस ईलनगोवन ने कहा कि महिलाओं का विकास इस बात पर निर्भर करता है कि किस राज्य में किसकी सरकार है। कांग्रेस शासित राज्यों में महिला सशक्त हैं। वह महिलाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण के लिए काम कर रही है। तमिलनाडु में भी महिलाओं को अच्छी शिक्षा देने पर फोकस किया जाता है लेकिन उत्तर भारत में महिलाओं के हक के लिए लड़ने वाला कोई नहीं है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद के दिल्ली स्थित आवास पर लगी आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के अति-सुरक्षित लुटियंस जोन से एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद के सरकारी आवास पर बुधवार सुबह अचानक आग लग गई। यह घटना 21 मदर टेरेसा क्रिसेंट रोड स्थित उनके निवास स्थान पर हुई। सुबह करीब 8:05 बजे लगी इस आग के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और तुरंत दमकल विभाग को इसकी सूचना दी गई। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई भी घायल नहीं हुआ है और समय रहते स्थिति पर नियंत्रण पा लिया गया। घटनाक्रम के अनुसार, दमकल विभाग को शुरुआती सूचना कोठी नंबर 2 में आग लगने की मिली थी। हालांकि, जब दमकल की टीमें मौके पर पहुंचीं और जांच की गई, तो पता चला कि आग कोठी नंबर 21 में लगी है, जो रविशंकर प्रसाद का आधिकारिक निवास है। आग घर के एक कमरे में रखे बेड में लगी थी, जिसकी लपटें उठते देख वहां तैनात कर्मचारियों और परिजनों ने तुरंत इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर रवाना की गईं और कुछ ही समय की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया। जांच में सामने आया है कि आग का केंद्र कमरे में रखा बेड ही था। गनीमत यह रही कि जिस समय आग लगी, उस कमरे में कोई भी व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया। एड्रेस को लेकर शुरुआती असमंजस के बावजूद दमकल कर्मियों ने फुर्ती दिखाते हुए सही लोकेशन पर पहुंचकर आग बुझाई। वर्तमान में दमकल विभाग और दिल्ली पुलिस की टीमें इस बात की बारीकी से जांच कर रही हैं कि आग लगने की असली वजह क्या थी। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि आग बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण लगी या इसके पीछे कोई अन्य तकनीकी वजह रही है। अधिकारियों का कहना है कि पूरी जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

भारत धर्मनिरपेक्ष देश है, किसी एक धर्म को शक के दायरे में डालना खतरनाक

–कश्मीर में मस्जिद के इमामों से निजी और वित्तीय जानकारी मांगने पर भड़का विपक्ष

जम्मू (एजेंसी)। कश्मीर घाटी में मस्जिदों, मदरसों से जुड़े लोगों का पुलिस द्वारा सर्वे किए जाने को लेकर जम्मू-कश्मीर की राजनीति में बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। पीडीपी, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस ने मस्जिदों और मुस्लिम धार्मिक संस्थानों की इस तरह की प्रोफाइलिंग की कड़ी निंदा की है।

पुलिस ने घाटी में मस्जिदों और मदरसों का संचालन करने वाले लोगों और इमामों को एक चार पन्नों का प्रोफॉर्मा दिया है। इस प्रोफॉर्मा में उनसे निजी जानकारी मांगी गई है जिसमें फोन नंबर, आर्थिक विवरण, परिवार से जुड़ी जानकारी, पासपोर्ट और यात्रा से संबंधित विवरण शामिल हैं।

मीडिया रिपोर्टे के मुताबिक पीडीपी नेता इल्तिजा मुफ्ती ने इसे कश्मीरी मुसलमानों को सजा देने और अपमानित करने की कार्रवाई बताया है। वहीं, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के नेता सज्जाद लोन ने कहा है कि इस तरह की कार्रवाई से मुसलमानों को दीवार से लगाया जा रहा है। ये मामला अब घाटी में धार्मिक आजादी, भरोसे और सुरक्षा नीति को लेकर एक बड़े राजनीतिक बहस का रूप ले चुका है। संवेदनशील जानकारियां मांगने को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि आखिर ऐसा सर्वे किस कानून के तहत किया जा रहा है।

सज्जाद लोन ने कहा कि मस्जिदों और इमामों की प्रोफाइलिंग कम से कम कहें तो बेहद चौंकाने वाली है। ये दंडात्मक अति का एक और उदाहरण है। भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और किसी एक धर्म को सामूहिक रूप से शक के दायरे में डालना खतरनाक है। सुरक्षा से जुड़े मुद्दे हो सकते हैं, लेकिन भारत की मूल अवधारणा से बड़ा कोई सुरक्षा खतरा नहीं हो सकता। मुसलमानों को दीवार से लगाना, उन्हें संदिग्ध बनाना अपने आप में एक सुरक्षा जोखिम है।

उन्होंने कहा कि संयोग से जम्मू-कश्मीर पुलिस में हिंदू और मुसलमान दोनों काम करते हैं। फिर भी आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में जिन लोगों ने सबसे ज्यादा कुर्बानी दी और देश के लिए अपनी जान दी, उनमें से 95 फीसदी मुसलमान ही थे। क्या कोई उनकी कब्रों पर जाकर उनके कानों में फुसफुसाएगा कि जिन मस्जिदों में वे नमाज पढ़ने जाते थे, आज उन्हीं मस्जिदों की प्रोफाइलिंग की जा रही है?

कलकत्तान हाईकोर्ट ने मानी ईडी की बात, ममता की याचिका पर अब नहीं होगी सुनवाई

आज मामले की सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई

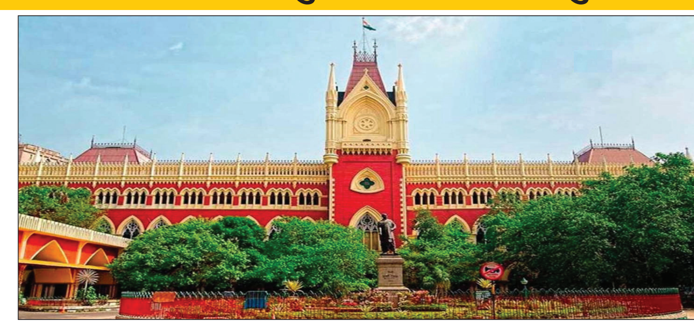

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में आईपैक दफ्तर में ईडी छापेमारी पर कलकत्ताज हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही है। ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस और प्रवर्तन निदेशालय ने अलग-अलग याचिकाएं दाखिल कीं है। सीएम ममता का दावा है कि ईडी के अफसरों ने आईपैक दफ्तर से सामान चोरी किया है। जबकि ईडी का कहना है कि सामान हम लोगों ने नहीं, ममता बनर्जी अपने साथ लेकर गई हैं। ईडी ने कहा, सुनवाई तब तक टाल दी जाए, जब तक सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई नहीं होती। यह देखकर जस्टिस शुभ्रा घोष ने कहा, सुप्रीम कोर्ट में ईडी की प्रार्थनाएं लगभग समान हैं।

बात दें कि कोलकाता में हुए आईपैक कंपनी से जुड़े सर्च ऑपरेशन के मामले में सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को अहम सुनवाई होनी है। ईडी की ओर से याचिका दायर की गई है। इस पर जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच सुनवाई करेगी। ईडी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग कर आरोप लगाया है कि जब उनकी कार्रवाई चल रही थी, तब सीएम ममता बनर्जी ने हस्तलक्षेप कर जरूरी डॉक्यूमेंट लेकर चली गईं। ईडी ने अपनी याचिका में आरोप है कि उन्होंने आई-पैक छापे के दौरान जांच में बाधा डाली, सबूतों से छेड़छाड़ की और सामग्री को नष्ट किया। इसके साथ ही बंगाल के डीजीपी राजीव कुमार और कोलकाता के पुलिस आयुक्त मनोज कुमार के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज करने की मांग भी है। इसके पहले ममता सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दायर की थी।

इसके पहले घंटे भर लंबी सुनवाई के बाद कलकत्तो हाईकोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस की ओर से दायर याचिका को रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति शुभ्रा घोष ने एसएसजी की ओर से दी गई दलील को रिकॉर्ड में लेकर मामले का निस्तारण किया। न्यायमूर्ति शुभ्रा घोष ने हाईकोर्ट में ईडी की ओर से दायर मामले पर भी रोक लगा दी।

सुनवाई के दौरान ईडी ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने कहा है कि मेरे बयान के आधार पर उनका मामला वापस ले लिया जाए। तब टीएमसी की वकील गुरुस्वामी ने कहा कि कृपया यह दर्ज करें कि उन्होंने कहा कि कुछ भी जब्त नहीं किया गया था और इस निपटा दिया जाए। टीएमसी की वकील मेनका गुरुस्वामी कोर्ट में दलील देकर कहा कि जब किसी राजनीतिक दल को अपने निजी डेटा के जब्त होने का डर हो, तब दल को डराना-धमकाना शोभनीय नहीं है। टीएमसी को आंशका हैं कि चुनाव से पहले हमारे राजनीतिक रणनीतिक कार्यालय को निशाना बनाया जा रहा है। यह हमारी निजाता का सवाल है। हमारे डेटा का संरक्षण होना चाहिए। इस पर ईडी की ओर से कहा गया कि वे कागजात संवेदनशील हैं और उस पर अवैध रूप से ममता का कब्जाी है। सुनवाई के दौरान ईडी ने दो तर्क दिया कि क्याअ ईडी को डॉक्यीमेंट जब्तओ करने का अधिकार है या नहीं। दूसरा, क्यान संवेदनशील डॉक्यूजमेंट कोई और लेकर भाग सकता है। ईडी ने कहा, दोनों ही सवाल सुप्रीम कोर्ट के सामने हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि टीएमसी ने केवल कथित राजनीतिक डेटा के संरक्षण की मांग की है। सुनवाई के दौरान एएसजी एसवी राजू ने कहा कि मैं केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं। मैं अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) हूं। मेरी बहस अभी समाप्त नहीं हुई है, खेदजनक स्थिति है। हर सेकंड मेरा माइक म्यूट किया जा रहा है। ईडी की ओर से एएसजी एसवी राजू ने कहा कि माइक में कोई गड़बड़ी कर रहा है। हाई कोर्ट ने कहा कि एडिशनल सॉलिसिटर जनरल न्यायालय में वकील सुनवाई की वैधता पर सवाल उठा रहे हैं, मुझे उनकी बात सुनने दीजिए।

ईडी ने सुनवाई में कहा कि आईपैक दफ्तर पर हुई रेड का तृणमूल कांग्रेस से कोई संबंध नहीं है। जिस व्यक्ति के परिसर में रेड की गई है, वह शख्स अदालत नहीं आया। हाई कोर्ट ने ईडी से कहा कि पूरी याचिका मत पढ़िए। ईडी ने कहा कि उन्हें जानकारी कैसे मिलती है, फुसफुसाहट भी नहीं होती।

बारिश का अलर्ट: उत्तर भारत में मौसम की दोहरी मार, कोहरे और शीत लहर का कहर

नई दिल्ली(एजेंसी)। उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए आने वाले दिन और भी चुनौतीपूर्ण होने वाले हैं। उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा समेत कई राज्यों पर अब मौसम की दोहरी मार पड़ने की आशंका है। भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी ताजा पूर्वानुमान के मुताबिक, इन क्षेत्रों में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे के बीच अब बारिश की भी संभावना जताई गई है। राजधानी दिल्ली में भी तापमान का गिरना जारी है और मंगलवार का दिन इस जनवरी का सबसे ठंडा दिन दर्ज किया गया। दिल्लीवासियों को फिलहाल कोहरे की मोटी चादर से राहत मिलती नजर नहीं आ रही है।

मौसम विभाग के अनुसार, 16 से 19 जनवरी के बीच पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण जम्मू-कश्मीर, गिलगिट-बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में छिटपुट बारिश और बर्फबारी हो सकती है। इस मौसमी बदलाव का असर मैदानी इलाकों में भी दिखेगा, जहां 18 और 19 जनवरी को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और पश्चिम उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार हैं। बारिश के चलते गलन और बढ़ने की उम्मीद है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो सकता है। कोहरे की स्थिति को लेकर विभाग ने चेतावनी दी है कि 20 जनवरी तक हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में सुबह के समय घना कोहरा छाया रहेगा। विशेष रूप से 15 जनवरी तक बेहद घना कोहरा होने की संभावना है, जिससे विजिबिलिटी कम हो सकती है और सड़क व रेल यातायात पर असर पड़ सकता है। इसी तरह पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भी अगले कुछ दिनों तक सुबह के समय घने कोहरे का पूर्वानुमान है। असम और मेघालय में भी 16 जनवरी तक दृश्यता कम रहने की उम्मीद है।

ठंड का प्रकोप केवल कोहरे और बारिश तक सीमित नहीं है। मौसम विभाग ने पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान में 15 जनवरी तक तीव्र शीत लहर चलने की संभावना जताई है। उत्तराखंड में भी 14 जनवरी को कोल्ड डे के हालात बने रहेंगे। इसके अलावा झारखंड और ओडिशा में भी 16 जनवरी तक ठंडी हवाएं चलने का अनुमान है। प्रशासन ने लोगों को ठंड से बचाव के पुख्ता इंतजाम करने और कोहरे के दौरान वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है।

कोहरे का असर दिल्ली आने वाली 20 से अधिक ट्रेनों पर दिखा, हुईं घंटों लेट; यात्रियों की बढ़ी परेशानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में घने कोहरे का असर रेल यातायात पर लगातार बना हुआ है। हालांकि लंबी दूरी की देरी से चलने वाली ट्रेनों की संख्या में कुछ कमी आई है, लेकिन बुधवार को भी दिल्ली आने वाली 20 से अधिक ट्रेनें घंटों विलंब से पहुंचीं। कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से ट्रेनों की रफ्तार प्रभावित हुई, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

कोहरे के कारण ट्रेनों की लेट-लतीफी मामले में सबसे अधिक दरभंगा-आनंद विहार टर्मिनल अमृत भारत एक्सप्रेस में दर्ज की गई। दरअसल यह ट्रेन मंगलवार दोपहर 12:45 बजे पहुंचने वाली थी, लेकिन करीब 20 घंटे 35 मिनट की देरी से बुधवार सुबह 9:15 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुंची। इस देरी का असर आगे की ट्रेनों पर भी पड़ा। इसी कारण मंगलवार अपराह्न 3:10 बजे रवाना होने वाली दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस अब बुधवार सुबह 10 बजे प्रस्थान करेगी। रेलवे प्रशासन ने इसके चलते कई अन्य ट्रेनों के प्रस्थान समय में भी बदलाव किया है।

कोहरे का असर केवल लंबी दूरी की ट्रेनों तक सीमित नहीं रहा। लोकल और उपनगरीय ट्रेनें भी देरी से चलती रहीं। सहारनपुर-पुरानी दिल्ली एमईएमयू लगभग दो घंटे देरी से चली, जबकि बुलंदशहर-तिलक ब्रिज एमईएमयू डेढ़ घंटे विलंबित रही। पानीपत-गाजियाबाद ईएमयू, पानीपत-पुरानी दिल्ली ईएमयू, पानीपत-नई दिल्ली महिला विशेष ईएमयू, हाथरस किला-पुरानी दिल्ली एमईएमयू और जाखल-पुरानी दिल्ली पैसेंजर करीब एक घंटे देरी से रवाना हुईं। वहीं कुरुक्षेत्र-पुरानी दिल्ली ईएमयू लगभग 45 मिनट और शामली-पुरानी दिल्ली तथा मथुरा-गाजियाबाद ईएमयू करीब आधे घंटे की देरी से चलीं।

दिल्ली से देरी से रवाना होने वाली प्रमुख ट्रेनें इस प्रकार रहीं

आनंद विहार टर्मिनल से दरभंगा जाने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस करीब 18 घंटे 50 मिनट देरी से चली। नई दिल्ली-लोहिया खास सरबत दा भला एक्सप्रेस सवा तीन घंटे, नई दिल्ली-दरभंगा हमसफर विशेष पौने दो घंटे, नई दिल्ली-राजगीर श्रमजीवी एक्सप्रेस एक घंटे और पुरानी दिल्ली-जैसलमेर रुणिचा एक्सप्रेस डेढ़ घंटे देरी से रवाना हुई। इसके अलावा हजरत निजामुद्दीन-दुर्ग हमसफर एक्सप्रेस भी लगभग एक घंटे विलंब से चली।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार कोहरे के कारण सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ट्रेनों की गति कम रखी जा रही है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति की जानकारी अवश्य लें, ताकि असुविधा से बचा जा सके।

पाकिस्तान की नापाक हरकतों पर भारत की कड़ी नजर, कश्मीर से राजस्थान तक दिखे ड्रोन

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर में करारी शिकस्त झेलने के बावजूद पाकिस्तान अपनी भारत विरोधी गतिविधियों से बाज आता नहीं दिख रहा है। नए साल 2026 की शुरुआत के साथ ही पाकिस्तानी सेना ने जम्मू-कश्मीर से लेकर राजस्थान और गुजरात की सीमाओं तक अपनी उत्तेजक कार्रवाइयां तेज कर दी हैं। सीमा पार से जारी इन चुनौतियों के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने स्पष्ट कर दिया है कि भारत किसी भी दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। वर्तमान स्थितियां जनरल आसिम मुनीर के नेतृत्व वाली पाकिस्तानी सेना की उस रणनीति को उजागर करती हैं, जिसमें वे आतंकवाद और ड्रोन के माध्यम से भारत को अस्थिर करने का प्रयास कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर और राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों में हाल के दिनों में पाकिस्तानी ड्रोन की गतिविधियों में भारी इजाफा देखा गया है। सांबा, राजौरी और पुंछ जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में भारतीय सेना ने मुस्तैदी दिखाते हुए कई घुसपैठिए ड्रोन को मार गिराया है। केवल कश्मीर ही नहीं, बल्कि राजस्थान के जैसलमेर स्थित रामगढ़ गैस थर्मल पावर प्लांट जैसे प्रतिबंधित क्षेत्र में भी ड्रोन मंडराते देखे गए हैं, जिसने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया है। आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने खुलासा किया है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास छह और अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार दो आतंकी कैंप अब भी सक्रिय हैं।

सीमा के दूसरी ओर, पाकिस्तान ने गुजरात के कच्छ से सटे विवादित सरक्रीक क्षेत्र में अपनी सैन्य उपस्थिति को अभूतपूर्व स्तर तक बढ़ा दिया है। खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान ने इस दलदली क्षेत्र को पूरी तरह से सैन्य छावनी में तब्दील कर दिया है। सिंध रेजिमेंट की क्रीक बटालियनों की संख्या दो से बढ़ाकर छह कर दी गई है और अर्धसैनिक बलों के स्थान पर पाकिस्तानी सेना की नियमित बटालियनों को तैनात किया गया है। सुजावल, घारो और बदिन के साथ-साथ अब जाती और केती बंदर में भी नई टुकड़ियों की तैनाती की गई है। नौसैनिक मोर्चे पर भी पाकिस्तान ने बंधा धोरा और हरामी धोरो के बीच छह नई मरीन सुरक्षा चौकियां स्थापित की हैं। चीन की तकनीकी मदद से इस क्षेत्र में आधुनिक रडार सिस्टम और अवाक्स तैनात किए गए हैं, जबकि भोलारी फॉरवर्ड एयरबेस पर जेएफ-17 और जे-10सी लड़ाकू विमानों की तैनाती की गई है।

पाकिस्तान की इन बढ़ती गतिविधियों के जवाब में भारत ने भी अपनी सुरक्षा अभेद्य कर ली है। हाल ही में भारतीय तीनों सेनाओं ने सरक्रीक से लेकर जैसलमेर तक एक व्यापक ट्राई सर्विस युद्ध अभ्यास किया, जिसमें एआई ट्रैकिंग और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों का परीक्षण किया गया। गुजरात तट पर कोस्ट गार्ड की रडार क्षमता बढ़ाई गई है और भुज सैन्य बेस पर आधुनिक एल-70 एयर डिफेंस गन तैनात की गई हैं। विवाद की जड़ सरक्रीक का 96 किलोमीटर लंबा दलदली मुहाना है। पाकिस्तान 1914 के एक पुराने मानचित्र के आधार पर पूरे क्रीक पर अपना दावा ठोकता है, जबकि भारत अंतरराष्ट्रीय थलवेग सिद्धांत के तहत जलमार्ग के बिल्कुल मध्य से सीमा रेखा तय करने की बात करता है।

शूटर जुबैर, यासिर और फहद के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय परिसर में शिक्षक राव दानिश हत्याकांड में शामिल हिस्ट्रीशीटर शूटर भाइयों जुबैर, यासिर व फहद के खिलाफ पुलिस ने गैर जमानती वारंट भी ले लिए हैं। इसके पीछे मकसद दिल्ली के जामिया व बाटला इलाके में उन्हें पकड़ने के लिए दिल्ली पुलिस की मदद लेना है। वहीं तीनों पर इनामी राशि 50 हजार से बढ़ाकर एक-एक लाख रुपये करने के लिए भी रिपोर्ट एडीजी को भेजी जा रही है। अमीर निशा सिविल लाइंस के राव दानिश अली की 24 दिसंबर की देर शाम एएमयू लाइब्रेरी कैंटीन परिसर में ताबड़तोड़ गोलियां बरसा कर हत्या की गई थी। इस हत्या के खुलासे में दिल्ली के ओखला इलाके में रह रहे मूल रूप से बरला नौशा के हिस्ट्रीशीटर शूटर भाइयों यासिर, फहद व जुबैर की भूमिका सामने आई। जांच में उजागर हुआ कि वर्ष 2018 में शाहजेब नाम के युवक की हत्या के बाद जुबैर को दानिश पर मुखबिरी का शक था। सात वर्ष जेल रहने के बाद पिछले वर्ष जुलाई में ही जुबैर जेल से बाहर आया है। इसी खुन्नस में उसने साजिश रचकर अपने भाइयों यासिर व फहद से ये हत्या कराई। पुलिस ने उन दोनों के मददगार दानिश के पड़ोसी मित्र सलमान कुर्ते वाला को जेल भेजा है। इसके बाद पुलिस तीनों भाइयों की धरपकड़ के प्रयास में लगी है। इसी क्रम में सर्विलांस के जरिये उनकी लोकेशन दिल्ली के जामिया व बटला इलाके में आ रही है। तीनों पर पिछले दिनों एसएसपी व डीआईजी स्तर से 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया। इसके बाद अब एसएसपी द्वारा तीनों पर इनाम एक-एक लाख रुपये करने के लिए एडीजी जोन को रिपोर्ट भेजी जा रही है एसएसपी नीरज जादौन बताते हैं कि हमारी टीमें लगातार प्रयासरत हैं। दिल्ली में टीमें का डेरा है। हमने अदालत से वारंट ले लिए हैं। वहीं इनाम बढ़ाने के लिए रिपोर्ट दी जा रही है।

संगठित अपराध से जुड़े बदमाशों के खिलाफ अभियान

नई दिल्ली। पुलिस ने संगठित अपराध करने वाले बदमाशों पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया। 48 घंटे तक चलाए गए अभियान के तहत पुलिस ने 72 अपराधी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से पिस्टल, चाकू, गांजा, शराब और अन्य सामान बरामद किए हैं। जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि पुलिस ने नशीले पदार्थों से संबंधित अवैध गतिविधियों, अवैध हथियारों और जुए के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। पुलिस ने 48 घंटे तक अभियान चलाकर कई जगहों पर छापेमारी की। पुलिस ने मादक द्रव्यों की तस्करी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर 628 ग्राम स्मैक की बरामदगी की। तस्करी करने वाले 8 तस्करों को गिरफ्तार किया।

जूता कंपनी में खाता खोलने के लिए लिया आधार और पैन कार्ड, 15 हजार की सैलरी... कर ली 48 करोड़ की हेराफेरी

नई दिल्ली। दिल्ली में 15 हजार रुपये की डाटा एंट्री की नौकरी करने वाले युवक के नाम पर फर्जी कंपनी बनाकर 48 करोड़ रुपये की हेराफेरी करने का मामला सामने आया है। उत्तरी दिल्ली के इंद्रलोक में जूता कंपनी में खाता खोलने के लिए पीड़ित ने आधार और पैन कार्ड दिया था। उसके आधार पर करंट अकाउंट खोलकर धोखाधड़ी की गई है। बिहार के सिवान का रहने वाला युवक नौकरी की तलाश में अप्रैल 2019 में दिल्ली आया। एक दोस्त के जरिए उसे इंद्रलोक की एक जूता कंपनी में डाटा एंट्री ऑपरेटर की नौकरी भी मिल गई। कुछ माह नौकरी करने के बाद वह वापस बिहार लौट गया। बिहार में पीड़ित युवक ने अपना काम शुरू कर दिया। इस बीच 31 जनवरी 2023 को कर्नाटक इनकम टैक्स ऑफिस से पीड़ित करन कुमार राम (40) को एक नोटिस मिला। करन को बताया गया कि उनके नाम से एक कंपनी बनी हुई है और उसका जीएसटी नंबर भी लिया हुआ है।

कंपनी के खाते से 2020-21 में 48 करोड़ की लेनदेन कर हेराफेरी की गई है। इसके अलावा 2019-2020 में 35 लाख से अधिक की लेनदेन हुई है। नोटिस देखते ही करन के होश उड़ गए। पीड़ित ने नोटिस के खिलाफ सिवान की जिला अदालत में एप्लीकेशन दी और खुद को निर्दोष बताया। इसके बाद दिसंबर 2023 में गुरुग्राम और कुछ ही दिनों बाद सिवान इनकम टैक्स दफ्तर से भी इसी तरह का नोटिस आया। इनकम टैक्स विभाग से मिले नोटिस में पीड़ित से कहा गया कि उसने अपने खाते में इतनी बड़ी रकम कैसे खर्च की। पीड़ित ने बताया कि उसने इतनी बड़ी रकम कभी देखी भी नहीं, वह बस किसी तरह गुजारा करने वाला व्यक्ति है। पीड़ित ने मामले की शिकायत 24 दिसंबर 2025 को दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा से की। जांच के बाद ईओडब्ल्यू ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी अपनी शिकायत में पीड़ित करन कुमार राम ने बताया कि दिल्ली आने के बाद दोस्त अरविंद तिवारी ने उसकी मुलाकात जानकार सौरभ द्विवेदी से करवाई। सौरभ ने इंद्रलोक की जूता कंपनी में डाटा एंट्री ऑपरेटर की नौकरी पर पीड़ित को रखने का आश्वासन दिया। इसके बाद उसे 15 हजार रुपये सैलरी पर रख लिया गया। सैलरी कैश देने के बावजूद सौरभ ने पीड़ित से सैलरी अकाउंट खोलने के नाम पर पैन कार्ड और आधार की मांग की। आरोपी ने कुछ तकलीफ बताकर पीड़ित के आधार कार्ड का पता भी बदलवा दिया। नवंबर 2019 में करन दिवाली पर घर चला गया। इसके बाद सौरभ द्विवेदी ने करन से दिल्ली वापस न आने के लिए कहा। करन ने भी बिहार में अपना काम शुरू कर दिया। अब उसे ठगी का पता चला है।

दो होटलों में पकड़ा देह व्यापार, सात युवतियों समेत 15 लोग दबोचे

अलीगढ़। पुलिस ने अलीगढ़ शहर के दो होटलों में चल रहे अनैतिक देह व्यापार का पकड़ा है। दोनों होटलों से 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। होटल में आपत्तिजनक सामग्री भारी मात्रा में मिली है। अलीगढ़ की थाना बन्नादेवी टीम ने चौहान कॉम्पलैक्स स्थित स्काईबे होटल व मैराकी होटल में छापा मारा। वहां से सात युवती और आठ युवक आपत्तिजनक हालत में पकड़े गए। दोनों होटलों के कमरों से भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की गई है। पुलिस ने अनैतिक देह व्यापार अधिनियम अंतर्गत रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

EWS के लिए मुफ्त इलाज की आय सीमा बढ़ी, अब पांच लाख तक वालों को मिलेगी राहत

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए अस्पतालों में मुफ्त इलाज की सुविधा प्राप्त करने हेतु वार्षिक आय सीमा को बढ़ाकर पांच लाख रुपये करने के दिल्ली सरकार के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। इस फैसले से उन लाखों लोगों को बड़ी राहत मिलेगी जो पहले इस श्रेणी में नहीं आते थे, लेकिन अब नई आय सीमा के दायरे में आ जाएंगे। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह और न्यायमूर्ति मनमीत पीएस अरोरा की पीठ ने इस मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि यह सुविधा दिल्ली के सभी सरकारी अस्पतालों और रियायती दरों पर आवंटित भूमि पर बने निजी अस्पतालों में उपलब्ध होगी। यह आदेश आठ जनवरी को पारित किया गया, जब दिल्ली सरकार ने सूचित किया कि सक्षम प्राधिकारी ने ईडब्लूएस के लिए आय मानदंड को मौजूदा 2.20 लाख रुपये वार्षिक से बढ़ाकर पांच लाख रुपये वार्षिक करने को मंजूरी दे दी है। अदालत ने कहा कि दिल्ली में स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाने के इच्छुक सभी व्यक्ति अब आवश्यक पूर्व-शर्तों को पूरा करने पर पांच लाख रुपये के ईडब्ल्यू मानदंड के तहत लाभ लेने के हकदार होंगे। यह वृद्धि दिल्ली के सभी सरकारी अस्पतालों और रियायती दरों पर आवंटित भूमि पर बने सभी चिन्हित निजी अस्पतालों पर लागू होगी, जहां ईडब्ल्यूएस मानदंड लागू होते हैं। यह कदम स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को बेहतर बनाने और जरूरतमंदों को राहत प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सरकार ने अधिकारियों को इस वृद्धि के बारे में पर्याप्त प्रचार करने का निर्देश दिया है ताकि नागरिक इसका लाभ उठा सकें। दो जनवरी को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय द्वारा पारित एक आदेश के माध्यम से श्ब्ङ्ग्स आय मानदंड को 2.20 लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये किया गया था, जो अदालत के पूर्व निर्देशों के अनुपालन में था। यह मामला 2017 में शुरू हुआ एक स्वतः संज्ञान मामला था, जो दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में गंभीर देखभाल की कमी के आरोपों से संबंधित था।

दिल्लीवासियों को प्रदूषण से राहत नहीं, बेहद खराब श्रेणी में बरकरार हवा, 350 पार पहुंचा

नई दिल्ली। राजधानी में हवा की दिशा बदलने और गति सुस्त पड़ने के चलते फिजा शुक्रवार को एक बार फिर से खराब से बेहद खराब की श्रेणी में पहुंच गई। जो अभी भी उसकी श्रेणी में बरकरार है। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 350 पार जा पहुंचा है। एयर क्वालिटी अर्ली वार्निंग सिस्टम फॉर दिल्ली द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, शनिवार सुबह दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 358 दर्ज किया गया है, जो %बेहद खराब% श्रेणी में आता है। राजधानी के विभिन्न इलाकों में एक्यूआई की स्थिति पर नजर डालें तो केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली के अलीपुर में 309, आनंद विहार में 425, अशोक विहार में 369, आया नगर में 338, बवाना में 354, बुराड़ी में 316, और चांदनी चौक इलाके में 408 एक्यूआई दर्ज किया गया है। वहीं, डीटीयू इलाके में 339, द्वारका सेक्टर-8 में 401, आईजीआई एयरपोर्ट टी3 में 323, आईटीओ में 365, जहांगीरपुरी में 386, लोधी रोड में 336, मुंडका में 376, नजफगढ़ में 333, नरेला में 343, पंजाबी बाग में 373, आरकेपुरम में 392, रोहिणी में 380, सोनिया विहार में 349, विवेक विहार में 414, और वजीरपुर में 383 एक्यूआई दर्ज किया गया है।

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, PRIYANKA KHANDELWAL alias PRIYANKA ASHIT KHANDELWAL alias PRIYANKA JINDAL D/O SURINDER KUMAR JINDAL and ex-wife of ASHIT KAILASH KHANDELWAL R/O 1-A, Third Floor, Gautam Nagar, New Delhi, Gautam Nagar, PO: Andrewsganj, Dist: South Delhi, Delhi-110049, declare that I got divorce from my husband vide court decree No. P.A.No.1099/2024, Judgement, dated 26-03-2025. Further, I have changed my name and shall hereafter be known as PRIYANKA JINDAL.

NAME CHANGE

I, BABU is a real father of No. 2807270L Rank SEP Name CHAVAN DNYANDEV BABU presently residing at VILL.BADYACHIWADI, POST.BADYACHIWADI, TEH.GADHINGLAJ, DIST-KOLHAPUR, STATE-MAHARASHTRA, PIN NO-416502, have changed my name from BABU to BABU APPA CHAVAN and date of birth from 17/04/1960 to 26/01/1960 for all future purposes. Vide affidavit dated 13.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, RAM AVTAR S/O BABU RAM SAINI, R/O HOUSE NO-RZ-241-A(H-88), RAJ NAGAR PART-2, PALAM COLONY, PALAM VILLAGE, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110045, have changed my name from RAM AVTAR S/O BABU RAM SAINI, to RAM AVATAR SAINI S/O BABU RAM SAINI for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SHIVAJI PRATAP SINGH S/O RANVEER SINGH R/O Flat No-1786, Aster Tower, Gh-05 C, Gaur Saundaryam, TECHZONE-4, Greater Noida, West Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh-201308, have changed the name of my minor son AKSHAJ PRATAP SINGH aged 13 Years and he shall hereafter be known as ANIRUDH SINGH.

NAME CHANGE

I, NIRMALA PANCHAL W/O BRAHAMA NAND PANCHAL R/o H NO 1433, GOYAT PANA, WARD NO 14, MAHAM, ROHTAK HARYANA-124112 I HAVE CHANGED MY NAME TO NIRMLA PANCHAL FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, ANITABAI is legally mother of No. 2821707Y Rank- SEP Name-RAJEJADHAV HARSHAVARDHAN SANJAY Presently resident of VILL-MEHUNA RAJA POST-MEHUNA RAJA TEH-DEULGAON RAJA DIST-BULDHANA (MAHARASHTRA)-443206, have changed my name from ANITABAI to ANITA SANJAY RAJEJADHAV and date of birth from 15/08/1972 to 01/01/1972 for all future purposes. Vide affidavit dated 08.01.2026 before Public Notary Delhi.

Public Notice

It is for general information that I Sneha D/O: Ranjit Sharma, R/O H.No-2693, Street No-1, Chhuriya Mohalla Tughalakabad Village, JaitPur, PO: Jaitpur, DIST: South Delhi, Delhi-110044, declare that name of my mother has been wrongly written as Sarita devi in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of my mother is Sangeeta Sharma, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I hitherto known as SHREE RAM KASHYAP S/O SHOBHA RAM KASHYAP R/O L-91, Vijay Nagar, Sector-9, PO: Ghaziabad City, District Ghaziabad, Uttar Pradesh-201009, have changed my name and shall hereafter be known as SHRI RAM KASHYAP.

सार्वजनिक सूचना

मैं, देवेन्द्र कुमार, पुत्र श्री सत्यवीर, R/O 326, पंचायत घर वाली गली, औचंदी, नॉर्थ वेस्ट दिल्ली, दिल्ली -110039, यह बताता हूँ कि मेरे नाबालिग बेटे यश, उम्र 17 साल, के 10th क्लास के एजुकेशनल डॉक्यूमेंट्स में मेरा नाम गलती से देवेंद्र लिख दिया गया है, जबकि मेरा असली नाम देवेन्द्र कुमार है।

NAME CHANGE

I, NAVPREET KAUR BHATIA W/o Amanpreet Singh R/o B-88, Sham Nagar, West Delhi-110018, have changed my name to NAVPREET KAUR permanently.

NAME CHANGE

I, Mohammad Akram S/o Sageer Ahmad R/o D-937, F/F, Jaitpur Ext-II, Badarpur, Delhi-110044 have changed my name to Mohd Akram.

NAME CHANGE

I, AMANPREET SINGH BHATIA S/o Jagjit Singh R/o B-88, Sham Nagar, West Delhi-110018, have changed my name to AMANPREET SINGH permanently.

NAME CHANGE

I,Neelam Devi gupta W/O Ajay Kumar Gupta R/O X/1222, Satsang marg, Chand Mohalla Gandhi nagar East Delhi 110031, changed my name to Neelam gupta.

NAME CHANGE

I,Zulfiqar nadeem S/O Mohd Zaheer R/O H.no 288 first floor matia mahal gali garhiya jama masjid, Delhi GPO north delhi 110006, changed my name to Zulfiquar Nadeem

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the general public that Sh. Ranjay Kumar, S/o Sh. Rajender Singh, resident of Plot No. 96, B-Vikash Vihar, Vikash Nagar, Uttam Nagar, West Delhi-110059, along with his wife Smt. Rika Devi, has disowned, debarred and severed all relations with their son Sh. Rakesh Kumar and daughter-in-law Smt. Sonal Kumari due to irreconcilable differences and misconduct, and the said persons shall have no right, title, interest or claim whatsoever in any of their movable or immovable properties, present or future, and the undersigned shall not be responsible or liable for any acts, debts, liabilities, transactions or legal proceedings of the said persons, all concerned are hereby cautioned.

A K Singh Advocate
Phone 9717385055

PUBLIC NOTICE

It is informed to the general public that my client namely MD. ASRAF ANSARI S/O ABDUL GAFFAR ANSARI RO HOUSE NO A-234D, GALI NO.1, MAHAVIR ENCLAVE PART-2, UTTAM NAGAR, WEST, DELHI-110059, has disowned, debarred his daughter namely NAZIYA PARVEEN D/O MD. ASRAF ANSARI R/O A-234D, GALI NO.1, PART-2, MAHAVIR ENCLAVE, DIST. WEST DELHI, DELHI-110059, from all his moveable and immoveable properties because she is out of control of my client. My client has severed all relations with her. Anyone dealing with her may do so at his/her own risks, costs and consequences.

J. P. SINGH, Advocate
Ch. No. 534
Lawyers Chamber Complex
District Courts, Dwarka, Sector 10
New Delhi-110075

PUBLIC NOTICE

This is to inform general public at large that who have approached **Mrs. Saroj Rani** W/o Mr. Dinesh Kumar Raiour client,**RAM FINCORP (R.K. Bansal Finance Pvt Ltd).,**for Loan against property of the Plot of Land Area Measuring 40 Sq. Yds., out of 138.88 Sq. Yds., Kila/ Khasra No. 13 (8-0), Situated at, Waka Mauza Nangla Gujran, Tehsil Badkhal & Distt. Faridabad,Haryana.

Regd. GPA Dated 27.07.2015 executed by **Mr. S. P. Singh** S/o Mr. Bhawar Singh in favour of **Mr. Naresh Rawat** S/o Mr. Budan Singh in respect of Land Area Measuring 138.88 sq yards out 2 kanal 2 marla,Khasra No 7, Killa No 13 (8-0), Situated at Waka Mauza Nangla Gujran, Tehsil & Distt. Faridabad, Haryana.(Regd. As Doc No 211, Volume No 56, Pages 143-154, Book No 1, SR – Jewar Gautam Budh Nagar).

ATS & Will Dated 27.07.2015 executed by **Mr. S. P. Singh** S/o Mr. Bhawar Singh in favour of **Mr. Naresh Rawat** S/o Mr. Budan Singh in respect of Land Area Measuring 138.88 sq yards out 2 kanal 2 marla,Khasra No 7, Killa No 13 (8-0), Situated at Waka Mauza Nangla Gujran, Tehsil & Distt. Faridabad, Haryana.

Reg. Sale Deed Doc. 2520 Dated 24.10.2017 executed by **Mr. Naresh Rawat** S/o Mr. Budan Singh in favour of **Mrs. Geeta Devi**W/o Mr. Satpal Singh in respect of said property.

It is to mention that the abovementioned Documentsare lost.

And the said property is going to be mortgagedin **RAM FINCORP (R.K. Bansal Finance Pvt Ltd).,Address: -5A/13 B.P. NIT-5 Railway Road Nearby SSB Museum, Faridabad Haryana, 121001.** All persons, if any, including bank, financial institutions, or any party/ies having any claim (Objection to Khasra Number), demand, right, interest in respect of or against the said property or any part thereof by way of inheritance, assignment, mortgage, charge, possession, lien or otherwise, are hereby required to make the same known in writing within 7 days with the documentary evidence from the date of publication, falling which the said claim of the person/s, if any will be considered waived and settled.

Ms. Rani Shilpee (Advocate)
Office Add: H. No. T/181, UGF, Shukar Bazaar, Uttam Nagar, New Delhi-110059

NAME CHANGE

I RAKESH KUMAR S/O SANT KUMAR R/O L-1 7/381 SANGAM VIHAR, DELHI-110062 have changed my name to RAKESH KUMAR OJHA for all future purpose.

NAME CHANGE

I Prabha Kumari Jain W/0 Vipin Sharma Add.1/4457,A , Ram Nagar Extn.Shahdara Delhi 110032 Changed my name to Prabha Sharma

NAME CHANGE

I Mohammad Sattar S/0 Fayyad Ali Add. 30/346 Second Floor Block -30 Trilok Puri Delhi 110091 Changed my name to Mohd Sattar

NAME CHANGE

I, MUTHAL KONDAJI TUKARAM, is legally father of No. 2810056N, Rank – L Hav, Name – MUTHAL KAILAS KONDAJI, At – Wadgoan Pingla, Post – Wadgoan Pingla, Teh – Sinnar, Dist – Nashik, State – Maharashtra, Pin – 422502, have changed my name from MUTHAL KONDAJI TUKARAM to KONDAJI TUKARAM MUTHAL for all future purposes. Vide affidavit dated 14/01/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE

I, MANISHA, is legally mother of No. 2822073A, Rank – Sep, Name – SHINDE SWAPNIL MAHENDRA, R/o At/Post – Mangharun, Tal – Mahad, Dist – Raigarh, State – Maharashtra, Pin – 402301, have changed my name from MANISHA to MANISHA MAHENDRA SHINDE for all future purposes. Vide affidavit dated 14/01/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE

I, MALUBAI BABU is a real mother of No. 2807270L Rank SEP Name CHAVAN DNYANDEV BABU presently residing VILL.BADYACHIWADI, POST.BADYACHIWADI, THE-GADHINGLAJ, DIST-KOLHAPUR, STATE-MAHARASHTRA, PIN-416502, have changed my name from MALUBAI BABU to MALUBAI BABU CHAVAN and date of birth from 15/03/1965 to 01/01/1967 for all future purposes. Vide affidavit dated 13.01.2026 before Public Notary Delhi

PUBLIC NOTICE

I, Ajay, S/O Ramatvar, R/O Village Bahadurpur, Post Morta, Ghaziabad, Uttar Pradesh – 201003, have lost my High School Marksheet vide Roll No 0434476 with the Year of 2017. Finder Please contact above said Mobile No. +916398638551

NAME CHANGE

I MOHD ISAK S/O REHMAT R/O VILLAGE PACHANKA HATHIN PALWAL HARYANA 121103 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD ISHAK

NAME CHANGE

I MANINDRA SINGH S/O CHANDRA R/O H NO-1/4261 STREET NO-6 RAM NAGAR EXTENSION MANDOLI ROAD SHAHDARA DELHI-110032 HAVE CHANGED MY NAME TO MANINDER SINGH

NAME CHANGE

I, PATIL GUNDU APPAJI, is legally father of No. 2809595X, Rank – Hav, Name – PATIL VITTAL GUNDU, At – Hajgoli, Post – Hajgoli, Teh – Chandgad, Dist – Kolhapur, State – Maharashtra, Pin – 416507, have changed my name from PATIL GUNDU APPAJI to GUNDU APPAJI PATIL and corrected my date of birth from 12/03/1967 to 04/06/1964 for all future purposes. Vide affidavit dated 14/01/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE

I, PATIL ANANDI GUNDU, is legally mother of No. 2809595X, Rank – Hav, Name – PATIL VITTAL GUNDU, At – Hajgoli, Post – Hajgoli, Teh – Chandgad, Dist – Kolhapur, State – Maharashtra, Pin – 416507, have changed my name from PATIL ANANDI GUNDU to ANANDIBAI GUNDU PATIL and corrected my date of birth from 01/05/1973 to 01/01/1969 for all future purposes. Vide affidavit dated 14/01/2026 before Public Notary, Delhi.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given on behalf of Mr. Arun Kumar to inform to the public at large that Mrs. Bindu Devi W/o Mr. Arun Kumar is purchasing the Residential First Floor, without roof rights, measuring 73 Sq. Yards, Khasra No.62/12, of Property No. J-93, Situated at Gali No.5, Block-J, Laxmi Nagar, Village Khureji Khas, Illaqa Shahdara, Delhi-110092 from Mrs. Ruchi Gulati & Mrs. Kulvinder Kaur who owned the said property vide Sale Deed Dated 17.11.2025 (Document No.2025/5/I/10140) executed by Mr. Rahul Mehra and same to be financed & mortgaged by Hinduja Housing Finance Ltd., Branch-Loni. That, Surviving Member Certificate of Late Mrs. Mala Mehra W/o Late Mr. Ravi Mehra is not available. Further, as per the Sale Deed dated 17.11.2025, Mr. Rahul Mehra S/o Mr. Ravi Mehra is the only Legal Heir of Late Mrs. Mala Mehra. So, to comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any Person having any type of claim/right/title/interest/creating mortgage over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within 7 days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.

Advocate Abhishek Singh
B-82, Ground Floor,
DLF Dilshad Extn.-II,
Bhopura, Ghaziabad, U.P.-201005
Mobile: 7706007066, 9310370510
Email: advabhisingh1993@gmail.com

NAME CHANGE

I, NAJMA w/o Amiruddin R/o HNo.369, Gali No.18, A-Block, Brijpuri, Delhi-110094,have changed my name to NAZMA for all future purpose

NAME CHANGE

I, hitherto known as HASRAT JAHAN alias NUSRAT JAHAN D/O MOHD UMAR DARAJ W/O MOHD MOAZZAM R/O 848, DARYA GANJ CHANDNI MAHAL DARYA GANJ, Darya Ganj, DIST: Central Delhi, Delhi-110002, have changed my name and shall hereafter be known as NUSRAT JAHAN.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that, I, VIKASH CHAURASIA S/o SHEO NATH CHAURASIA, R/o D-25B, 2nd Floor, Gali No.8, Dashrath Puri, Near Shani Mandir, Dabri, Palam Village, South West Delhi, Delhi-110045, declare that name of mine and my father has been wrongly written as VIKASH and S N CHAURASIA in my driving License NO.P0903 2006387181. Name of mine has been wrongly written as VIKASH in my Passport No.J0039206 and 10th certificate.The actual name of mine and my father are VIKASH CHAURASIA and SHEO NATH CHAURASIA, respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

I, Ajay, S/O Ramatvar, R/O Village Bahadurpur, Post Morta, Ghaziabad, Uttar Pradesh – 201003, have lost my High School Marksheet vide Roll No 0434476 with the Year of 2017. Finder Please contact above said Mobile No. +916398638551 Ajay Date: 12.01.2026 Place: Ghaziabad (U.P.)

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Muskan Saifi D/o Mohd Naved R/o House No-369, Gali No 03, Naipura, Near Gyan Ganga School, Loni Dehat, Loni, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201102 declare that name of my father has been wrongly written as Nabid in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my father is Mohd Naved.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Abid S/o Mohd Naved R/o House No-369, Gali No 03, Naipura, Near Gyan Ganga School, Loni Dehat, Loni, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201102 declare that name of my father has been wrongly written as Nabid in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my father is Mohd Naved.

PUBLIC NOTICE

Mrs. Sudha Sinha and Mr. Bipin Bihari Swaroopa Owner of the Residential Unit no 106, 1st floor,Tower- B6 , having a total super area 915 sq. ft., in the "PANCHSHEEL GREENS -II" built on Plot No. GH-01A, situated at Sector-16, Greater Noida, Distt. Gautam Budh Nagar, U.P. Mrs. Sudha Sinha and Mr. Bipin Bihari Swaroopa have lost Original Allotment Letter dated 06.11.2013 and BBA issued by M/s Panchsheel Builtech Pvt. Ltd in in favour of Mrs. Sudha Sinha and Mr. Bipin Bihari Swaroopa, for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumargupta281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off.: 43B, Third Floor,
Patpargang Village, Mayur Vihar
Phase-I, Delhi-1
M-NO- 7252922875

NAME CHANGE

I Vijay Kumar S/O Ram Chander R/O X/2451- Gali No-9 Raghubar pura no.2- Gandhi nagar, shahdara Delhi 110032, changed my name to Vijay Saini

NAME CHANGE

I, Parkash s/o Ramfal R/o E-57, Dakshin Puri,Dr Ambedkar Nagar, Delhi-110062 have changed my name to Prakash for all future purposes

NAME CHANGE

I, SARFARAJ MOHD S/o JAN MOHD, R/o GAJARPUR(166), GHASERA, MEWAT NUH, HARYANA-122103 have changed my name to MOHAMMAD SARFARAJ for all future purposes.

NAME CHANGE

I, BAFEENA W/o JAAN MOHD, R/o GAJARPUR(166), GHASERA, MEWAT NUH, HARYANA-122103 have changed my name to BAFINA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, ABIDA NASEEM W/o NASEEM AHMED, R/o HOUSE NO-876, C-BLOCK, 20 FEET ROAD, NEAR HAMZA, MASJID, S G M NAGAR, FARIDABAD, HARYANA- 121001 have changed my name to AABIDA NASEEM for all future purposes.

NAME CHANGE

I, NISHA GAHLOT wife of Shri Sudhir Singh, resident of H.No. 41A, Village Pochapur, Sector-23, Dwarka, New Delhi-110077, declare that my name “NISHA GAHLOT” was wrongly mentioned in my son’s (Samrat Singh Sehrawat) birth certificate bearing no.MCDOLIR-0114-006168832 as “NISHA”. But my real and correct name is “NISHA GAHLOT”. That “NISHA GAHLOT” and “NISHA” is the same and one same person.

NAME CHANGE

I, SUNITA SEHRAWAT W/o VED PRAKASH SEHRAWAT R/O HOUSE NO. 1138A NEAR DADA BAHIYA, BAWANA, DELHI-110039 have changed my name to SUNITA DEVI for all future purpose.

NAME CHANGE

It is for general information that I, PUSHPA RANI W/O MUKESH KUMAR R/O J-2/90, J J Colony, Wazirpur, Ashok Vihar, PO: Ashok Vihar, Dist: North West Delhi, Delhi-110052 declare that the name of mine and my husband has been wrongly written as PUSHPA and DR MUKESH KUMAR in my minor son namely DHRUVESH KUMAR aged 16 Years in his 10th Class Educational Documents. The actual name of mine and my husband are PUSHPA RANI and MUKESH KUMAR respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I,Ravi Kant Yadav S/O Ran Singh R/O B-112gf, Omicron-1, Greater Noida, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh -201306, Have Changed My Name to Ravi Kant for All Future Purposes.

PUBLIC NOTICE

Mr. Ranjit Kumar Sinha and Mrs. Rupam Sinha Owner of the Residential Dwelling Unit bearing no. 36, on Second floor, AWHO, Arun vihar Sec 28 , Noida, , District Gautam Budh Nagar, U.P. Mr. Ranjit Kumar Sinha and Mrs. Rupam Sinha have lost Original Allotment Letter executed by Army Welfare Housing Organization (AWHO) in favour of Mr. Prakash Nath, for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumargupta281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off.: 43B, Third Floor,
Patpargang Village, Mayur Vihar
Phase-I, Delhi-1
M-NO- 7252922875

NAME CHANGE

I, NO 3403343XHAVALDAR JAGDISH S/O MOHAN SINGH R/O VILLAGE SOVRA, POST-OFFICE-VIRA, TEHSIL-THALLSIN, DISTRICT-POURI GARWHAL, UTTRAKHAND-246285, hereby declare that in my service record the name of my father SHRI MOHAN SINGH has been wrongly written as 07.06.1959 and correct Date of Birth of is 01.01.1949.

I, NO 3403343XHAVALDAR JAGDISH S/O MOHAN SINGH R/O VILLAGE SOVRA, POST-OFFICE-VIRA, TEHSIL-THALLSIN, DISTRICT-POURI GARWHAL, UTTRAKHAND-246285, hereby declare that in my service record the name of my mother RAMASORI DEVI has been wrongly written as 07.08.1961 and correct name my mother is RAM PAYARI DEVI and Date of Birth of is 01.01.1965.

I, NO 3403343XHAVALDAR JAGDISH S/O MOHAN SINGH R/O VILLAGE SOVRA, POST-OFFICE-VIRA, TEHSIL-THALLSIN, DISTRICT-POURI GARWHAL, UTTRAKHAND-246285, hereby declare that in my service record the name of my son has been wrongly written as DEPENDER BHANDARI and correct name IS DEPENDER SINGH BHANDARI.

I, NO 3403343XHAVALDAR JAGDISH S/O MOHAN SINGH R/O VILLAGE SOVRA, POST-OFFICE-VIRA, TEHSIL-THALLSIN, DISTRICT-POURI GARWHAL, UTTRAKHAND-246285, hereby declare that in my service record the name of my daughter has been wrongly written as DEEPTI and correct name DEEPTI BHANDARI.

सूचना

आम जनता को इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि मेरी क्लाइंट श्रीमती मेघा पत्नी श्री तरुण कुमार, प्रॉपर्टी नंबर 204, (दक्षिण तरफ का हिस्सा) जिसका क्षेत्रफल 85 वर्ग गज है, खसरा नंबर 117/2 में स्थित, गांव नाहरपुर, सेक्टर-7, रोहिणी, दिल्ली-110085 की मालिक हैं। यह सेल डीड 09.04.2024 को श्रीमती कांता देवी पत्नी श्री महेंद्र कुमार द्वारा श्रीमती मेघा पत्नी श्री तरुण कुमार के पक्ष में प्रॉपर्टी नंबर 204, (दक्षिण तरफ का हिस्सा) जिसका क्षेत्रफल 85 वर्ग गज है, खसरा नंबर 117/2 के संबंध में निष्पादित की गई थी, जो 09.04.2024 को SR-नॉर्थ वेस्ट रोहिणी में बुक नंबर I, वॉल्यूम नंबर 11532 में पेज 121 से 144 पर डॉक्यूमेंट नंबर 2024/13/1/1530 के रूप में विधिवत रजिस्टर्ड है। शुरू में, राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार, श्री अवतार सिंह उक्त प्रॉपर्टी के रिकॉर्डेड मालिक थे, जिन्होंने 17.01.1990 को उक्त प्रॉपर्टी के संबंध में श्री फूल वती के पक्ष में नोटरीकृत GPA, ATS और वसीयत निष्पादित की थी। बाद में श्रीमती फूल वती का 21.04.2018 को निधन हो गया, और उन्होंने उक्त प्रॉपर्टी के संबंध में श्रीमती कांता देवी पत्नी श्री महेंद्र कुमार के पक्ष में 07.04.2018 की अंतिम रजिस्टर्ड वसीयत छोड़ी। जिन्होंने 19.10.2022 को उक्त प्रॉपर्टी के दक्षिण तरफ के हिस्से के संबंध में श्रीमती मेघा पत्नी श्री तरुण कुमार के पक्ष में नोटरी GPA निष्पादित किया। अंत में हमारे ऊपर बताए गए क्लाइंट्स के पक्ष में 09.04.2024 की सेल डीड एग्जीक्यूट की है, जो अपनी सही ज़रूरतों के लिए उस अचल संपत्ति को महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज़ लिमिटेड के पास गिरवी रखना चाहते हैं। जिस किसी को भी इस गिरवी पर कोई आपत्ति है या संपत्ति में किसी का कोई दावा या अधिकार है, वह 07 दिनों के अंदर अपनी आपत्ति के साथ नीचे साइन करने वाले व्यक्ति से संपर्क करे, ऐसा न करने पर यह मान लिया जाएगा कि उस संपत्ति पर कोई आपत्ति, कोई मुकदमा या कोई विवाद नहीं है।

नई दिल्ली
दिनांक: 14/1/2026

प्रज्ञा भूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय: L-27,GF, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली-48 Mob: 9968006418

NAME CHANGE

I hitherto known as Bharat Bhushan Tyagi S/o Shivraj Singh R/o G-110, S G-110, Behind Police Choki, Shastri Nagar, Ghaziabad, Kavi Nagar, DIST:Ghaziabad, Utter Pradesh-201002 have changed my name and shall hereafter be known as Bharat Bhushan.

NAME CHANGE

I hitherto known as Kusum Lata W/o Indrajeet Arora R/o G-3-C F/F, Swaroop Park Lajpat Nagar, Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005 have changed my name and shall hereafter be known as Kusum.

NAME CHANGE

I hitherto known as DIVYA VERMA alias DIVYA SAXENA D/o G R S Verma W/o Rajesh Saxena R/o B-3/93, Aravali Apartment Sector-34, Noida Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh-201301 have changed my name and shall hereafte be known as DIVYA SAXENA.

NAME CHANGE

I hitherto known as Sompal S/o Birju R/o House No 20, Gali No 1, Vijay Nagar, Shanti Nagar Biharipura, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001 have changed my name and shall hereafter be known as Vijay Singh.

NAME CHANGE

I SANJEEV SAINI S/O SUBHASH CHAND SAINI R/O H.NO 3695 MAMAN STREET, PAHARI DHIRAJ DELHI -110006, I have changed my name to SANJEEV KUMAR SAINI Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I SUBASH CHAND SAINI S/O RAMSINGH SAINI R/O H.NO- 3695 GALI NO JAMADAR , PAHARI DHIRAJ SADAR BAZAR DELHI-110006, I have changed my name to SUBHASH CHAND SAINI Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I SANJEEV KUMAR SURYAN S/O RAM NIWAS R/O , T-12 PREM NAGAR-2 KIRARI SULEMAN NAGAR DELHI-110086, I have changed my name to SANJEEV KUMAR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I NASEEM AHMED S/O ABDUL MALIK R/O 165 MASJID TEHWAR KHAN NAYA BANS DELHI-110006 , I have changed my name to MOHD NASIM Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, Neeraj s/o Kunwar Pal R/o H. No.9/4788, Gali No.8, Old Seelampur, Gandhi Nagar, Delhi, East Delhi-110031 have changed my name to Neeraj Kumar for all future purposes

NAME CHANGE

I, praveen Kumar S/O: Shivcharan, R/O MANPUR, Manipur, Aligarh, Gidauli, Uttar Pradesh, 202124, have changed the name of my minor daughter Lavniya aged 8 years and she shall hereafter be known as Lavi Sharma.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

पूरे सैनिक सम्मान के साथ दी गई हवलदार दीपक गोयत को अंतिम विदाई

एजेंसी

हिसार। हांसी जिले के नारनौंद क्षेत्र के गांव कापड़ो निवासी 29 वर्षीय हवलदार दीपक गोयत को पूरे सैनिक सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। ब्लड कैंसर से पीड़ित सैनिक दीपक ने दिल्ली स्थित आर्मी हॉस्पिटल रिसर्च एंड रिफेरल (आरआर) अस्पताल में अंतिम सांस ली। वे 21 ग्रेनेडियर बटालियन में तैनात थे। सेना के वाहन से जब शहीद का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव कापड़ो पहुंचा तो पूरा इलाका 'भारत माता की जय' और 'दीपक गोयत अमर रहें' के नारों से गूंज उठा। गांव के प्रवेश द्वार से लेकर शहीद के घर तक सैकड़ों वाहनों का काफिला उमड़ पड़ा। हर आंख नम थी। जैसे ही पार्थिव शरीर घर पहुंचा, माहौल गमगीन हो गया। मां, पिता और पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल था। शहीद के अंतिम दर्शन के लिए ग्रामीणों और रिश्तेदारों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। दीपक अपने माता-पिता के इकलौते बेटे थे। उनके पिता बलवान सिंह भी भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हैं। परिवार में उनकी पत्नी और तीन साल की दो नन्हीं जुड़वा बेटियां हैं, जिनके सिर से पिता का साया उठ गया। दीपक गोयत वर्ष 2016 में स्पोर्ट्स कोटा के तहत कुश्ती खेल के माध्यम से भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। खेल के प्रति उनका जुनून और अनुशासन ही उन्हें सेना तक ले गया। उनकी ड्यूटी जम्मू-कश्मीर के गूगलपुर, कुपवाड़ा क्षेत्र में रही, जहां उन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए कर्तव्य निभाया।

एचपीएससी ने रद्द की सात भर्ती परीक्षाएं

चंडीगढ़। हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) ने जनवरी महीने में प्रस्तावित सात भर्ती परीक्षाओं को स्थगित कर दिया है। आयोग ने जारी नोटिस में इन परीक्षाओं को स्थगित करने की जानकारी दी है। परीक्षाओं को स्थगित करने के पीछे कोई ठोस कारण नहीं बताया गया है और आगामी कार्यक्रम अभी जारी नहीं किया गया है। आयोग की ओर से जारी नोटिस के अनुसार सिविल इंजीनियरिंग (लेक्चरर) तथा कंप्यूटर इंजीनियरिंग (लेक्चरर) के लिए 19 जनवरी को होने वाली परीक्षा, मैकेनिकल इंजीनियरिंग (लेक्चरर), फोरमैन इंस्ट्रक्टर के लिए 20 जनवरी की परीक्षा, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (लेक्चरर), फार्मेसी लेक्चरर के लिए 21 जनवरी को होने वाली परीक्षा, ट्रेजरी अफसर एवं सहायक ट्रेजरी अफसर के लिए 25 जनवरी को होने वाली परीक्षा को स्थगित कर दिया गया है।

हरियाणा ने गैंगस्टरों के महिमा मंडन पर अब तक 67 गीतों को किया बैन

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने कहा कि गैंगस्टर कल्चर और हथियारों की हिंसक छवि को बढ़ावा देने वाले गीतों पर स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और साइबर यूनिट ने कार्रवाई करते हुए अब तक 67 गीतों को बैन कर दिया है। आने वाले दिनों में यह कार्रवाई और तेज की जाएगी। हरियाणा पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने बताया कि एसटीएफ और साइबर टीमों द्वारा की गई गहन जांच में पाया गया कि ऐसे बहुत गीत हैं, जो युवाओं को प्रभावित करते हैं, गैंगस्टरों की दिखावटी चमक-दमक को महिमामंडित करते हैं और अपराध की ओर आकर्षित करते हैं। इस रुझान को रोकते हुए हरियाणा पुलिस ने यूट्यूब, स्पॉटिफाई, अमेजन म्यूजिक, गाना और जियोसावन जैसे प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध 67 आपत्तिजनक गीतों डिजीटल कन्टेंट हटाया गया या ब्लॉक कर दिया है। पुलिस के महानिदेशक ने इस कार्रवाई को युवाओं और समाज के हित में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि अपराध संस्कृति को बढ़ावा देने वाले गाने अपराधियों को एक आदर्श के रूप में प्रस्तुत करते हैं और उनकी जिंदगी में ऐशो-आराम की छवि दर्शाते हैं जबकि सच्चाई बिल्कुल इससे विपरित है। उन्होंने कहा कि हरियाणा पुलिस अब ऐसे गीतों को लगातार मॉनिटर कर रही है। आने वाले समय में इस दिशा में और भी सख्ती देखने को मिलेगी। एसटीएफ के आईजी सतीश बालन ने बताया कि हरियाणा पुलिस द्वारा कलाकारों और गीतकारों के साथ नियमित बैठकें भी आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर अपराधियों की पोस्ट को लाइक व शेयर करने वाले लोगों पर भी एसटीएफ व साइबर की टीम द्वारा कड़ी नजर रखी जा रही है। ऐसे प्लेटफार्म का इस्तेमाल करके गैंगस्टर युवाओं को अपने गैंग में शामिल करते हैं।

कैथल में गणतंत्र दिवस की तैयारियां शुरू,एडीसी ने किया निरीक्षण

कैथल। आगामी 26 जनवरी को आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर एडीसी डॉ. सुशील कुमार ने कार्यक्रम स्थल पुलिस लाइन का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उनके साथ सीटीएम गुरविंद्र सिंह सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। एडीसी ने निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई और साज-सज्जा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पर्व की गरिमा के अनुरूप सभी तैयारियां समयबद्ध और सुव्यवस्थित ढंग से पूरी की जाएं। स्टेज की रंगाई-पुताई, पुलिस लाइन परिसर की स्वच्छता तथा सजावट की जिम्मेदारी नगर निगम और संबंधित विभागों को सौंपी गई है। परेड की तैयारियों को लेकर एडीसी ने पुलिस अधिकारियों से चर्चा की और टुकड़ियों के अभ्यास व अनुशासन को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं, स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियों के लिए बच्चों को समुचित अभ्यास कराया जाए, ताकि कार्यक्रम आकर्षक और प्रभावशाली बन सके। उन्होंने मुख्य अतिथि, गणमान्य व्यक्तियों और आम नागरिकों के लिए पर्याप्त टेंट, बैठक व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

पलवल से प्रयागराज के लिए चली स्पेशल बस, खेल मंत्री ने किया रवाना

एजेंसी

पलवल। श्रद्धालुओं की सुविधा और आस्था को ध्यान में रखते हुए हरियाणा सरकार में खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने पलवल बस स्टैंड से प्रयागराज के लिए स्पेशल बस सेवा का शुभारंभ किया। उन्होंने नारियल फोड़कर और हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना किया। यह बस उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 15 फरवरी तक आयोजित होने वाले माघ मेला के दौरान प्रतिदिन संचालित की जाएगी।

इस अवसर पर मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि प्रयागराज माघ मेला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि श्रद्धा, आस्था और सामाजिक समरसता का ऐतिहासिक केंद्र है। सदियों से यह मेला सनातन संस्कृति की पहचान रहा है। पलवल से प्रयागराज तक सीधी बस सेवा शुरू

होने से जिले के श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी और वे बिना किसी परेशानी के संगम स्नान और माघ मेला दर्शन कर सकेंगे। हरियाणा राज्य परिवहन पलवल के महाप्रबंधक जितेंद्र सिंह यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि यह स्पेशल बस प्रतिदिन सुबह 8 बजे पलवल बस स्टैंड से रवाना होगी और मथुरा, आगरा, इटावा, कानपुर और फतेहपुर होते हुए लगभग 645 किलोमीटर की दूरी तय कर रात करीब 8 बजे प्रयागराज पहुंचेगी। बस का किराया 900 रुपये प्रति यात्री निर्धारित किया गया है। प्रयागराज से वापसी के लिए बस सायं 5 बजे चलेगी और अगली सुबह लगभग 5 बजे पलवल पहुंचेगी। कार्यक्रम में लेखाकार राजकुमार, प्रधान विरेंद्र कुमार गौतम, यार्ड मास्टर कुलबीर देशवाल, ऑडिटर बीर सिंह देशवाल, कैशियर नरेंद्र कुमार, ट्रैफिक मैनेजर सतेंद्र सिंह सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

कंपनी में लगी भीषण आग से करोड़ों के उपकरण जले

एजेंसी

गुरुग्राम। यहां गोल्फ कोर्स रोड के पास सेक्टर 42 स्थित अमेया दी वन कंपनी में टाइमलेस एस्थेटिक्स (फेशियल एस्थेटिक्स एकेडमी) और टी एंड टी रियल्टी सर्विसेज कंपनी के कार्यालय में भीषण आग लग गई। आग से पूरा फ्लोर जलकर राख हो गया। फायर ब्रिगेड की टीम ने करीब दो घंटे की मेहनत के बाद आग पर काबू पाया। आग से करोड़ों के उपकरण जलकर राख हो गए। जानकारी अनुसार यहां गोल्फ कोर्स रोड के नजदीक मंगवार की देर शाम सेक्टर 42 स्थित अमेया दी वन बिल्डिंग के दूसरे फ्लोर पर टाइमलेस एस्थेटिक्स (फेशियल एस्थेटिक्स एकेडमी) और टी एंड टी रियल्टी सर्विसेज कंपनी के कार्यालय हैं। जिसमें अचानक आग लग गई। यह आग इतनी तेजी से फैली कि पूरा फ्लोर जलकर राख हो गया। आग की जानकारी सबसे पहले सिक्योरिटी गार्ड को लगी। धुआं निकलता देख गार्ड ने कंपनी के एक कर्मचारी को सूचना दी। सूचना के बाद पार्टनर गुरप्रीत सिंह रात्रा और आशीष थापर मौके पर पहुंचे और फायर ब्रिगेड बुलाई। फायर ब्रिगेड की टीम ने करीब दो घंटे की मेहनत के बाद आग पर काबू पाया। पार्टनर आशीष थापर ने बताया कि कार्यालय में मौजूद महंगे उपकरण, फर्नीचर, कंप्यूटर और अन्य सामग्री पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इस आग से लगभग साढ़े तीन करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। जब वे मौके पर पहुंचे तो आग फैली हुई थी।

उनका कहना है कि यह आग किसी ने लगाई है या फिर शॉर्ट सर्किट से लगी है, उन्हें नहीं पता। सीसीटीवी का डीवीआर और दूसरे उपकरण भी जल गए हैं। फायर ब्रिगेड और पुलिस आग लगने के कारणों की गहनता से जांच करें, ताकि पता चल सके कि यह आग कैसे लगी। आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन कारणों की जांच जारी है। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को मुख्य संभावित कारण माना जा रहा है।

अंगीठी की गैस से पति-पत्नी व बच्चे की मौत

एजेंसी

फरीदाबाद। सरूरपुर इलाके में कमरे में अलाव जलाकर सोने से एक दंपति व उनके पांच साल के बच्चे की मौत हो गई। इस घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। परिवार रात के समय ठंड से बचने के लिए कमरे के अंदर अलाव जलाकर सो गया था। बंद कमरे में अलाव का धुआं भरने से तीनों का दम घुट गया और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मंगलवार सुबह से लेकर पूरे दिन तक जब परिवार के सदस्य कमरे से बाहर नहीं निकले तो पड़ोसियों को अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही मुजेसर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा खोलकर देखा तो अंदर तीनों के शव पड़े मिले। पुलिस ने शवों

को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

सीवर कचरे की अवैध डंपिंग की तो टैंकर संचालकों पर होगी एफआइआर

एजेंसी

गुरुग्राम। प्रदूषण नियंत्रण और राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) द्वारा कचरा प्रबंधन को लेकर दिए निर्देशों की अनुपालना में बंधवाड़ी लीगेसी कचरे के निस्तारण की प्रगति को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के चेयरमैन विनीत गर्ग ने महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में गुरुग्राम की बादशाहपुर की लेग एक, दो और तीन तथा झज्जर जिले की ड्रेन संख्या-8 एवं मुंगेशपुर ड्रेन को प्रदूषण से मुक्त करने के उद्देश्य से तैयार किए गए एक्शन प्लान की भी विस्तृत समीक्षा की गई।

यहां पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में यमुना एक्शन प्लान के अंतर्गत इस बैठक में फरीदाबाद के डिवीजनल कमिश्नर संजय जून, गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) के सीईओ पी.सी. मीणा, डीसी अजय कुमार, नगर निगम मानेसर के आयुक्त प्रदीप सिंह, हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव योगेश कुमार, एडीसी सोनू भट्ट सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के चेयरमैन विनीत गर्ग ने कहा कि ड्रेनों के टैपिंग, एसटीपी और सीईटीपी की स्थापना, कचरा प्रबंधन और निगरानी तंत्र को मजबूत करने से यमुना के जल की गुणवत्ता में निश्चित रूप से सुधार आएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए

कि सभी परियोजनाओं की नियमित समीक्षा सुनिश्चित की जाए, ताकि यमुना संरक्षण अभियान को ठोस और स्थायी परिणाम मिल सकें। उन्होंने बताया कि गुरुग्राम के निगम क्षेत्र में कुछ टैंकर संचालक अवैध रूप से सीवर का कचरा खुले स्थानों और नालों में डाल रहे हैं। यह न केवल पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि प्रदूषण नियंत्रण कानूनों का खुला उल्लंघन भी है। इस स्थिति पर कड़ा रुख अपनाते हुए उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे मामलों में किसी भी तरह की ढिलाई न बरती जाए। दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए, मौके पर ही चालान काटे जाएं और गंभीर मामलों में एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाए। बैठक में यमुना की स्वच्छता, सीवर प्रबंधन, अवैध डंपिंग, एसटीपी के संचालन तथा सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

ग्रामीण स्तर पर ही समस्याओं के समाधान को लेकर सतर्क रहें अधिकारी व कर्मचारी: अपराजिता

एजेंसी

कैथल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के विजन 'प्रशासन गांव की ओर' को धरातल पर उतारते हुए जिला प्रशासन कैथल द्वारा सोमवार को गांव सोलू माजरा में रात्रि प्रवास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान उपायुक्त अपराजिता ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही त्वरित समाधान के निर्देश दिए। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक उपासना भी मौजूद रहीं, जिन्होंने ग्रामीणों से कानून-व्यवस्था और नशा मुक्ति को लेकर संवाद किया।राजकीय प्राथमिक विद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखीं। ग्रामीणों ने गांव की फिरनी को पक्का करवाने, नई स्ट्रीट लाइटें लगाने, चौकीदार की नियुक्ति, घरों के ऊपर से गुजर रही 33 केवी लाइन हटाने, नाले का निर्माण, शस्त्र लाइसेंस ट्रांसफर, दिव्यांग पेंशन की गार्जियनशिप, निशानदेही, स्पीड ब्रेकर संकेतक, कॉलोनी में जल निकासी, प्रधानमंत्री आवास योजना

का लाभ और श्मशान घाट की सफाई जैसी मांगें रखीं। डीसी अपराजिता ने एक-एक शिकायत पर संबंधित विभागों से फीडबैक लिया और कई मामलों में मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने एक बुजुर्ग की दिव्यांग पेंशन तुरंत बनाने के आदेश दिए। वहीं, नशे से जुड़ी शिकायत पर डिप्टी सीएमओ को निर्देश दिए कि संबंधित युवकों को नशा मुक्ति केंद्र में दाखिल कराया जाए। डीसी ने कहा कि जो समस्याएं जिला स्तर पर हल हो सकती हैं, उनका तुरंत समाधान किया जाए, जबकि मुख्यालय स्तर की मांगों के लिए संबंधित विभागों को पत्र भेजे जाएं। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए डीसी ने कहा कि प्रशासन का प्रयास है कि लोगों को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए जिला कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। पहले गांव, तहसील और उपमंडल स्तर पर समाधान किया जाए।

जिला स्तर पर मामला तभी पहुंचे जब निचले स्तर पर समाधान संभव न हो। उन्होंने ग्रामीणों से सरकारी योजनाओं का लाभ लेने, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना तथा एग्री स्टैक योजना के तहत यूनिक फार्मर आईडी बनवाने का आह्वान किया। एसपी उपासना ने नशा मुक्त समाज के लिए ग्रामीणों से सहयोग की अपील की और नशा तस्करों की सूचना पुलिस को देने को कहा। साथ ही उन्होंने कोहरे के मौसम में यातायात नियमों का पालन करने और साइबर ठगी की स्थिति में तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर सूचना देने का आग्रह किया।

रेलवे ने हाइड्रोजन प्लांट के लिए सर्टिफिकेशन लेने की प्रक्रिया को किया शुरूआत

एजेंसी

जींद। रेलवे जंक्शन के पास खड़ी हाइड्रोजन प्लांट में हाइड्रोजन ट्रेन चलाने के लिए रेलवे तैयारी में जुटा है। आशा थी कि जनवरी के दूसरे सप्ताह तक हाइड्रोजन ट्रेन का ट्रायल हो जाएगा, लेकिन अभी ट्रेन में कुछ दिक्कतें हैं। जिन्हें दूर करने में रेलवे विभाग जुटा है। वहीं हाइड्रोजन प्लाट में बनी नमी को सुखाने के लिए विशेष हीटर लगाए जाएंगे। हाइड्रोजन गैस अत्यंत ज्वलनशील व संवेदनशील है, ऐसे में किसी भी प्रकार की सुरक्षा को लेकर कोई कमी रेलवे नहीं छोड़ रहा है। इसके लिए हर प्रकार के सर्टिफिकेशन लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जल्द ही सभी प्रकार की प्रक्रिया पूरी करके जींद-सोनीपत रेलवे लाइन पर हाइड्रोजन ट्रेन की ट्रायल ली जाएगी। खास तौर पर हाइड्रोजन गैस के भंडारण और उपयोग को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरती जा रही है। हाइड्रोजन गैस में मौजूद नमी ट्रेन के इंजन और फ्यूल सेल सिस्टम पर असर डाल सकती है। इसी समस्या को दूर करने के लिए हाइड्रोजन प्लांट में विशेष हीटर लगाए जाएंगे ताकि गैस में मौजूद नमी को पूरी तरह सुखाया जा सके। रेलवे प्रबंधन इस मामले में किसी भी तरह की जल्दबाजी नहीं करना चाहता। सुरक्षा के सभी मानकों पर खरा उतरने

के बाद ही ट्रायल को अंतिम रूप दिया जाएगा। ऐसे में जनवरी महीने के अंतिम सप्ताह तक ट्रायल होने की संभावना है। हाइड्रोजन ट्रेन के संचालन से पहले केवल ट्रैक की जांच ही नहींए बल्कि ट्रेन की कार्यक्षमताए सुरक्षा मानकों और ईंधन आपूर्ति प्रणाली का भी बारीकी से परीक्षण किया जाना है। इसके लिए हर प्रकार की सावधानी बरती जा रही है।

गौमाता का संरक्षण,राष्ट्र की रक्षा का संकल्प : सुभाष बराला

एजेंसी

जींद। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि वर्ष 2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में एक ऐसी सरकार कार्य कर रही है, जिसने भारत की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक आस्थाओं और गौसेवा को पुनः प्रतिष्ठित किया है। गौमाता का संरक्षण केवल धार्मिक कर्तव्य नहीं बल्कि पर्यावरण संतुलन, प्राकृतिक संरक्षण और सामाजिक समरसता से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला नंदीशाला समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम को बतौर मुख्यअतिथि संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने नंदीशाला के विकास एवं गौसंरक्षण कार्यों के लिए अपने स्वैच्छिक कोष से 25 लाख रुपये देने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार चहुंमुखी विकास के साथ-साथ गौमाता के संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इसी दृष्टिकोण के तहत राज्य सरकार द्वारा गौसेवा आयोग का गठन किया गया है तथा प्रदेश की गौशालाओं को नियमित वित्तीय सहायता प्रदान की

जा रही है। राज्यसभा सांसद ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा गौशालाओं के लिए लिए गए निर्णय ऐतिहासिक हैं। नंदी के लिए 25 रुपये, गौमाता के लिए 20 रुपये और बछड़े के लिए 10 रुपये प्रतिदिन की सहायता राशि प्रदान कर सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि गौसेवा केवल घोषणा नहीं बल्कि धरातल पर लागू की जाने वाली नीति है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने केवल दिखावे की राजनीति की, जबकि वर्तमान सरकार ने हर योजना को जमीन पर उतारने का कार्य किया है। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश में नई शिक्षा नीति लागू कर शिक्षा को भारतीय संस्कृति और मूल्यों से जोड़ा है, जिससे आने वाली पीढ़ी राष्ट्र निर्माण में और अधिक सक्षम होगी।

सांसद नवीन जिन्दल ने किया राष्ट्रीय ध्वज जागरूकता अभियान 2026 का शुभारंभ

एजेंसी

कैथल। सांसद एवं फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष नवीन जिन्दल की पहल और मार्गदर्शन में फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा राष्ट्रीय ध्वज जागरूकता अभियान 2026 की औपचारिक शुरुआत की गई। इस अभियान का शुभारंभ स्वयं सांसद एवं फ्लैग फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया के अध्यक्ष नवीन जिन्दल ने करते हुए कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि देश की अस्मिता, गौरव और एकता का प्रतीक है, जिसका सम्मान हर नागरिक का कर्तव्य है। अभियान का उद्देश्य देशवासियों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और उसके सही उपयोग के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र से शुरुआत करते हुए हरियाणा और उसके बाद पूरे देश में पुराने, क्षतिग्रस्त और खंडित हो चुके राष्ट्रीय ध्वज एकत्र किए जाएंगे। इन तिरंगों को विधिसम्मत, सम्मानजनक और पर्यावरण के अनुकूल प्रक्रिया के माध्यम से नए स्वरूप में बदला जाएगा, ताकि राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा हर स्तर पर बनी रहे। सांसद नवीन जिन्दल ने कहा कि फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया ने देश में पहली बार यह अभिनव पहल शुरू की है, जिसके माध्यम से पुराने तिरंगों को सम्मानपूर्वक नवीन स्वरूप दिया जाएगा। यह अभियान न केवल तिरंगे के प्रति सम्मान को बढ़ाएगा, बल्कि नागरिकों में जिम्मेदारी और राष्ट्रीय गौरव की भावना को भी सुदृढ़ करेगा।

सड़क सुरक्षा माह-2026 में यातायात पुलिस ने किया जागरुक

एजेंसी

गुरुग्राम। स्थानीय यातायात पुलिस की ओर से शहर में सड़क सुरक्षा माह-2026 के तहत लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरुक किया गया। पुलिस उपायुक्त यातायात डॉ. राजेश मोहन के निर्देशन में व सहायक पुलिस आयुक्त यातायात मुख्यालय/हाईवे सत्यपाल यादव की देखरेख में यह अभियान चलाया गया।

यातायात निरीक्षक हाईवे महावीर, जोनल अधिकारी शंकर चौक सहायक उप-निरीक्षक कृष्ण तथा उनकी टीम ने लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरुक किया।यातायात पुलिस द्वारा एट्रियम प्लेस प्रोजेक्ट, हाइन्स प्रोजेक्ट, उद्योग विहार फेज-5, शंकर चौक पर सड़क सुरक्षा अभियान चलाया गया, जिसमें हाइन्स प्रोजेक्ट की टीम एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। इस दौरान लगभग 250 लोगों की उपस्थिति रही। नागरिकों को सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी दी गई तथा दुपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने, चार पहिया वाहन चालकों

को सीट बेल्ट का प्रयोग करने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने तथा नशे की अवस्था में वाहन न चलाने के लिए जागरूक किया गया। इसके साथ ही आपात स्थिति में डायल-112 के महत्व एवं साइबर सुरक्षा से संबंधित आवश्यक सावधानियों की भी जानकारी दी गई। यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-जनवरी 2026 के अंतर्गत भविष्य में भी इस प्रकार के सड़क सुरक्षा कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

डीसी ने जिला वासियों को दी अनाधिकृत कॉलोनियों में प्लॉट न खरीदने की सलाह

एजेंसी

झज्जर। उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने नागरिकों को जिले की किसी भी अनधिकृत कॉलोनी में प्लॉट न खरीदने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि ऐसी किसी भी कॉलोनी में प्लॉट खरीदने से खरीदार को बड़ा नुकसान हो सकता है। उन्होंने बताया कि संबंधित सरकारी विभाग ने बहादुरगढ़ के उन खसरा नंबरों को अधिसूचित किया है, इस जिनमें भूखंड खरीदना कानूनी रूप से नुकसानदायक हो सकता है। उपायुक्त पाटिल ने बताया कि बहादुरगढ़ क्षेत्र में बिना लाइसेंस, सीएलयू, एनओसी प्राप्त किए अवैध रूप से कॉलोनी को विकसित करने की रिपोर्ट प्रशासन के संज्ञान में आई

है। जिला में अवैध कालोनियों को नहीं पनपने दिया जाएगा। बहादुरगढ़ क्षेत्र के कुछ कीला, खसरा नंबरों में अवैध निर्माण की सूचना प्राप्त हुई है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नवीनतम राजस्व अभिलेख- जमाबंदी, इंतकाल आदि उपलब्ध कराएं और साथ ही इन खसरा नंबरों में किसी भी प्रकार की बिक्री, एग्रीमेंट टू सेल, फुल पेमेंट एग्रीमेंट या पावर ऑफ अटॉर्नी का पंजीकरण या क्रियान्वयन न करें। डीसी ने स्पष्ट किया कि बिना अनुमति के विकसित की जा रही किसी भी कॉलोनी को ढहा दिया जाएगा। ऐसे मामलों में शहरी क्षेत्र नियोजन विभाग द्वारा नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने आमजन का आह्वान किया कि अवैध कॉलोनी में जमीन या प्लॉट की खरीद फरोख्त न करें। प्लॉट खरीदने से पहले राजस्व, डीटीपी, शहरी निकाय सहित संबंधित विभाग से पूरी जानकारी अवश्य प्राप्त करें।

भारत कोकिंग कोल का आईपीओ 143 गुना सब्सक्राइब, निवेशकों को अलॉटमेंट का इन्तजार

नई दिल्ली, ।

कोल इंडिया की सब्सिडायरी कंपनी भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के 1,078.68 करोड़ रुपए का आईपीओ का अलॉटमेंट बुधवार को फाइनल हो सकता है। इश्यू अप्लाई करने के लिए 9 जनवरी को खुला था और 13 नवंबर को बंद हो गया था। बोली लगाने के आखिरी दिन यह आईपीओ 143 गुना सब्सक्राइब हुआ। सब्सक्रिप्शन का प्रोसेस पूरा होने के बाद अब निवेशक अलॉटमेंट का इन्तजार कर रहे हैं। अलॉटमेंट 14 नवंबर को फाइनल होने की संभावना है। भारत कोकिंग आईपीओ को निवेशकों से तगड़ा रिस्पांस मिला है। आईपीओ को कुल 143 गुना सब्सक्राइब किया गया। एनएसई आंकड़ों के मुताबिक इश्यू को 34,69,46,500 शेयरों की पेशकश के मुकाबले 49,90,71,10,200 शेयरों के लिए बोलियां मिली। सबसे ज्यादा बोलियां क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल निवेशकों की तरफ से देखने को मिली जिन्होंने इश्यू को कुल 310.81 गुना अप्लाई किया। इसके अलावा नॉन इंस्टीट्यूशनल निवेशकों ने 240.49 गुना और क्वालिफाइड निवेशकों ने 49.37 गुना अप्लाई किया। भारत कोकिंग आईपीओ के शेयर ग्रे मार्केट में मजबूत प्रीमियम के साथ कारोबार कर रहे हैं। ग्रे मार्केट में भारत कोकिंग कोल के शेयर बुधवार को 36.4 रुपए के भाव पर ट्रेड कर रहे थे। यह अपर प्राइस बैंड 23 रुपए से 13.4 रुपए या करीब 58.26 फीसदी ज्यादा है। इससे शेयर की लिस्टिंग को लेकर बाजार में अच्छी उम्मीदें दिखती हैं।

इलेक्ट्रिक एसयूवी ईएक्स 60 को ग्लोबल स्तर पर होगी लॉन्च

नई दिल्ली ।

वोल्वो कंपनी आगामी 21 जनवरी को अपनी नई मिड-साइज इलेक्ट्रिक एसयूवी ईएक्स 60 को ग्लोबल स्तर पर लॉन्च करेगी । कंपनी के मुताबिक, इएक्स60 को नए इलेक्ट्रिक-फोकस्ड आर्किटेक्चर और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी के साथ तैयार किया गया है। यह गाड़ी मौजूदा एक्ससी60 की जगह लेगी और वोल्वो के पूरी तरह इलेक्ट्रिक ब्रांड बनने की रणनीति का अहम हिस्सा होगी। वोल्वो इएक्स60 में 800-वोल्ट का हाई-वोल्टेज इलेक्ट्रिकल सिस्टम दिया गया है, जो मौजूदा 400-वोल्ट सिस्टम की तुलना में ज्यादा एफिशिएंट माना जाता है। इस तकनीक से चार्जिंग के दौरान गर्मी कम पैदा होती है और ऊर्जा की बचत होती है। ऑल-व्हील-ड्राइव वेरिएंट में यह एसयूवी यूरोपियन डब्ल्यूएलटीपी टेस्ट साइकिल के अनुसार सिंगल चार्ज पर करीब 810 किलोमीटर तक की रेंज दे सकती है। वहीं, नॉर्थ अमेरिकन मार्केट में ईपीए स्टैंडर्ड के तहत इसकी अनुमानित रेंज करीब 644 किलोमीटर बताई जा रही है। चार्जिंग स्पीड ईएक्स60 की बड़ी खासियत मानी जा रही है। कंपनी के अनुसार, 400 केडब्ल्यू डीसी फास्ट चार्जर से कनेक्ट होने पर यह इलेक्ट्रिक एसयूवी सिर्फ 10 मिनट में करीब 340 किलोमीटर तक की रेंज जोड़ सकती है। इसमें सेल-टू-बॉडी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है, जिससे बैटरी सीधे चेसिस का हिस्सा बन जाती है। इससे गाड़ी की मजबूती, सेफ्टी और हैंडलिंग में सुधार होता है। इसके अलावा, वोल्वो पहली बार मेगा-कास्टिंग तकनीक का इस्तेमाल कर रही है, जिससे वजन कम होगा और मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस ज्यादा सरल बनेगा। वोल्वो ने इस हाई-परफॉर्मेंस बैटरी सिस्टम के लिए 10 साल की बैटरी वारंटी देने की भी घोषणा की है। ईएक्स60 नए एसपीए3 प्लेटफॉर्म पर आधारित पहली कार होगी, जिसे खासतौर पर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए डिजाइन किया गया है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव आया है। घरेलू बाजार में कच्चे चे तेल की कीमतों में तेजी आने लगी है।

इससे बुधवार सुबह घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में बदलाव आया है। कच्चा तेल महंगा होने से आज कई शहरों में तेल की कीमतों में तेजी रही है जबकि कुछ जगह गिरावट आयी है। नोएडा में पेट्रोल 94.90 रुपये और डीजल 88.01 रुपये प्रति लीटर हो गया है.

वहीं उत्तराखंड में भी तेल की कीमतों में कमी आई है। राजधानी देहरादून में पेट्रोल 26 पैसे नीचे आकर 93.43 रुपये प्रति लीटर और डीजल 31 पैसे सस्ता होकर 88.33 रुपये लीटर बिक रहा है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 35 पैसे उछलकर 105.58 रुपये लीटर हो गया जबकि डीजल 33 पैसे ऊपर आकर 91.82 रुपये लीटर पहुंच गया।

चारों महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें पहले की तरह ही हैं। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर जबकि मुंबई में पेट्रोल 103.44

रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर। वहीं चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर पर है। कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर पर बना हुआ है।

इन शहरों में बदल गए रेट

- देहरादून में पेट्रोल 93.43 रुपये और डीजल 88.33 रुपये प्रति लीटर हो गया है.
- पटना में पेट्रोल 105.58 रुपये और डीजल 91.82 रुपये प्रति लीटर हो गया है.

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 6 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.30 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 90.24 पर बंद हुआ था। अमेरिकी डॉलर की मजबूती, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी निवेशकों की लगातार पूंजी निकासी के कारण भी रुपया नीचे आया। गत दिवस अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 90.24 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सत्र में इसमें हल्की मजबूती जरूर देखने को मिली, लेकिन यह 90.22 के स्तर तक ही सीमित रही, जो पिछले बंद भाव की तुलना में पांच पैसे की गिरावट को दिखाता है। इससे पहले सोमवार को रुपया 90.17 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख वैश्विक मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 फीसदी की बढ़त के साथ 98.73 पर बना रहा।

सोने और चांदी की कीमतों में भारी उछाल

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने ओर चांदी की तेज शुरुआत हुई। आज सुबह एमसीएक्स पर सोना 1,43,088 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए स्तर पर पहुंच गया है। वहीं चांदी 4.15 फीसदी बढ़कर 2,86,600 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंची है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी दोनों की कीमतों में उछाल आया है। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में चांदी की कीमतें 6,000 रुपए ऊपर आकर 2,71,000 रुपए प्रति किलोग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गईं जबकि सोना 1,45,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के अपने शीर्ष स्तर पर जा पहुंच गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने कहा कि चांदी की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही है। इसकी कीमतें 6,000 रुपए यानी 2.3 प्रतिशत उछलकर 2,71,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई हैं। वहीं सोमवार को चांदी 15,000 रुपए यानी छह प्रतिशत की जबर्दस्त उछाल के साथ ही 2,65,000 रुपए प्रति किग्रा के शीर्ष स्तर पर पहुंच गई थी। वहीं यह शुक्रवार को 2,50,000 रुपए प्रति किग्रा पर बंद हुई थी। चांदी पिछले तीन कारोबारी सत्रों में कुल 21,000 रुपए यानी 8.4 फीसदी ऊपर आयी हैं। साल 2026 में अब तक चांदी कुल 32,000 रुपए करीब 13.4 फीसदी की तेज बढ़त दर्ज की है। यह 31 दिसंबर, 2025 को 2,39,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर रही थी।

एनपीएस वात्सल्य योजना के नियमों में बदलाव, अब 80 फीसदी निकाल सकेंगे रकम

अब खाताधारकों को निकासी-एग्जिट के मामले में मिलेगा ज्यादा लचीलापन

नई दिल्ली, ।

पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने नाबालिगों के लिए शुरू की गई एनपीएस वात्सल्य योजना के नियमों में बदलाव किया है। इन संशोधनों का उद्देश्य योजना को और सरल और आकर्षक बनाना है, ताकि अभिभावक अपने बच्चों के नाम पर इस योजना के तहत निवेश करने के लिए आगे आएं। नए नियमों के मुताबिक अब खाताधारकों को निकासी और एग्जिट के मामले में पहले की तुलना में ज्यादा लचीलापन मिलेगा।

संशोधित प्रावधानों के तहत एनपीएस वात्सल्य खाते से खाता खोलने के तीन साल बाद आंशिक निकासी की अनुमति दी गई है। शिक्षा, चिकित्सा उपचार और निर्धारित विकलांगता जैसी जरूरतों के लिए स्वयं के योगदान का अधिकतम 25 फीसदी तक निकाला जा सकेगा। वित्त मंत्रालय के मुताबिक यह आंशिक निकासी 18 साल की आयु से पहले दो बार और 18 से 21 वर्ष की आयु के बीच दो बार की जा सकती है, जो तय शर्तों के अधीन होगी। पहले नियमों में 18 वर्ष की उम्र तक अधिकतम तीन बार ही आंशिक निकासी की अनुमति थी।

एग्जिट नियमों में किए गए बदलाव अहम माने जा रहे हैं। अब खाताधारकों के पास यह विकल्प होगा कि वे अपनी पूरी राशि एनपीएस टियर-1 खाते में ट्रांसफर करें या कुल जमा राशि का 80 फीसदी तक एकमुश्त निकाल लें। शेष न्यूनतम 20 फीसदी राशि से पेंशन के लिए एन्युटी खरीदना अनिवार्य रहेगा। इसके अलावा यदि खाते में कुल जमा राशि आठ लाख रुपए या उससे कम है, तो पूरी राशि निकालने की अनुमति दी गई है। पहले के नियमों में कम से कम 80 फीसदी रकम से एन्युटी खरीदना जरूरी था और केवल शेष राशि ही एकमुश्त मिलती थी।

एनपीएस वात्सल्य योजना की शुरुआत सितंबर 2024 में की गई थी। यह योजना एनपीएस का ही एक हिस्सा है, लेकिन इसमें खाता केवल 18 साल से कम उम्र के बच्चों के नाम पर खोला जाता है। खाते का संचालन माता-पिता या अभिभावक करते हैं, जबकि लाभार्थी केवल बच्चा होता है। इस योजना का मकसद बच्चों के लिए लंबे समय में रिटायरमेंट फंड तैयार करना है, ताकि कंपाउंडिंग का लाभ मिल सके और छोटी बचत भी बड़े फंड में बदल सके।

इस योजना में न्यूनतम 1000 रुपए से निवेश शुरू किया जा सकता है और अधिकतम निवेश की कोई सीमा नहीं है। एनआरआई भी अपने बच्चों के नाम पर यह खाता खुलवा सकते हैं। खाता एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, पोस्ट ऑफिस या एनपीएस के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए खोला जा सकता है।

ताइवान ने क्यों जारी किया वनप्लस कंपनी के सीईओ के खिलाफ अरेस्ट वारंट

ताइवान ।

मोबाइल कंपनी वनप्लस इनदिनों बड़ी परेशानी में है। रिपोर्ट के अनुसार कंपनी के सीईओ पीट लाउ के खिलाफ ताइवान ने अरेस्ट वारंट जारी किया है। लाउ पर आरोप है कि उन्होंने स्थानीय कानूनों का उल्लंघन कर ताइवान के मजदूरों को अवैध रूप से नौकरी पर रखा है। रिपोर्ट के अनुसार शिलिन डिस्ट्रिक्ट प्रोसिक्यूटर ऑफिस ने इस बात की पुष्टि की हैं कि 70 से अधिक ताइवानी इंजीनियरों की अवैध भर्ती के आरोपों की पूरी जांच के लिए वनप्लस सीईओ लाउ की तलाश हो रही है। प्रोसिक्यूटर्स (अभियोजकों) के अनुसार भर्ती प्रक्रिया में लाउ की कथित रूप से सहायता करने वाले दो ताइवानी नागरिकों पर पहले ही आरोप तय किए जा चुके हैं। मामला ताइवान के क्रॉस-स्ट्रेट एक्ट को अनदेखा करने का कथित प्रयास है, जो ताइवान और मेनलैंड चीन के बीच इकोनॉमिक और कारोबारी संबंधों को नियंत्रित करता है। इस अधिनियम के तहत चीनी कंपनियों को स्थानीय वर्कर्स को काम पर रखने या ताइवान में कुछ व्यावसायिक गतिविधियां करने से पहले ताइवानी सरकार से जरूरी अप्रूवल लेना अनिवार्य है।

अभियोजकों का दावा है कि वनप्लस ने हॉन्गकॉन्ग में एक अलग नाम से एक फर्जी कंपनी शुरू की, जिसका इस्तेमाल 2015 में ताइवान में एक अनधिकृत शाखा स्थापित करने के लिए किया गया। आरोप है कि यह इकाई बिना नियामक की मंजूरी के ऑपरेट हुई और वनप्लस स्मार्टफोन के लिए रिसर्च और डिवेलपमेंट का काम करती थी। जांचकर्ता ताइवानी अधिकारियों का तर्क है कि यह तामझाम जानबूझकर कंपनी के मेनलैंड चाइना ओनरशिप को छिपाने और कानूनी जांच से बचने के लिए हुआ था।

अलग तरह का डिवाइस पेश करने की तैयारी में ऐपल

नई दिल्ली ।

टेक दिग्गज कंपनी ऐपल किसी पारंपरिक फोल्डेबल स्मार्टफोन की बजाय एक अलग तरह का डिवाइस पेश करने की तैयारी में है। आईफोन फोल्ड फोन से ज्यादा फोल्ड होने वाले आईपेड जैसा अनुभव दे सकता है। अब तक बाजार में मौजूद फोल्डेबल स्मार्टफोन, जैसे सैमसंग गैलेक्सी झेड फोल्ड और गूगल पिक्सल फोल्ड, बंद होने पर सामान्य फोन जैसे दिखते हैं और खोलने पर बड़ी स्क्रीन वाले फोन में बदल जाते हैं। हालांकि, आईफोन फोल्ड को लेकर दावा है कि इसका डिजाइन इससे काफी अलग होगा। लीक के मुताबिक, यह डिवाइस फोल्ड होने पर लंबा नहीं बल्कि चौड़ा और कॉम्पैक्ट होगा। जब आईफोन फोल्ड को पूरी तरह खोला जाएगा, तो इसका आकार और स्क्रीन अनुपात आईपेड मिनी के काफी करीब हो सकता है। इसी वजह से टेक एक्सपर्ट इसे ÷फोन जो खुलता है÷ के बजाय ÷आईपेड जो फोल्ड होकर बंद होता है÷ के रूप में देख रहे हैं। इस चर्चा को तब और मजबूती मिली, जब टेक एक्सपर्ट स्टीफन हैकेट ने लीक के आधार पर इसका 3डी-प्रिंटेड मॉडल तैयार किया। इस मॉडल को देखकर कई विशेषज्ञों ने सवाल उठाया कि यह डिवाइस फोन की कैटेगरी में आएगा या टैबलेट की। अगर ये लीक सही साबित होती हैं, तो ऐपल स्मार्टफोन और टैबलेट के बीच की सीमाओं को काफी हद तक खत्म कर सकता है।

स्वास्थ्य सुरक्षा को कर्ज से जोड़ना दान नहीं, वित्तीय विकास का तरीका है नागेश्वरन

नई दिल्ली, ।

मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि कर्जदाताओं व कर्ज लेने वालों दोनों की रक्षा के लिए समावेशी फाइनैंस और स्वास्थ्य देखभाल बीमा व सामाजिक सुरक्षा के एक व्यापक इकोसिस्टम में शामिल किए जाने की जरूरत है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि स्वास्थ्य सुरक्षा को कर्ज से जोड़ना दान नहीं है, बल्कि वित्तीय विकास का तरीका है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीईए ने कहा कि लोगों के पुनर्भुगतान में पिछड़ने का एक मुख्य कारण आलस्य या गैर जिम्मेदारी नहीं, बल्कि स्वास्थ्य संबंधी झटकों जैसी अप्रत्याशित घटनाएं हैं। उन्होंने कहा कि अच्छी तरह से डिजाइन की गई ऋण व्यवस्था भी अपने दम पर कुछ नहीं कर सकती। जब बीमारी हमला करती है तो उभरता कारोबार भी लड़खड़ा जाता है। नागेश्वरन ने मुख्यधारा के बैंकों से अर्थव्यवस्था के औपचारिकीकरण की प्रक्रिया का दर्शक बनने के बजाय बल्कि नए उधारकर्ताओं के नए तरीकों को सक्रिय रूप से अपने मूल पोर्टफोलियो में शामिल करने की जरूरत है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि गली में सड़क पर सामान बेचने वाले भी अनुशासित हो सकते हैं और बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि अब सवाल यह है कि क्या औपचारिक बैंकिंग प्रणाली वास्तविकता को पहचानने और उन्हें ओवरड्राफ्ट, बीमा और कार्यशील पूंजी की सुविधा प्रदान करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति को हमेशा के लिए सूक्ष्म उधारकर्ता नहीं रहना चाहिए और उसका व्यवसाय बढ़ने पर उसके पास ज्यादा वित्तीय विकल्प होने चाहिए।

52 सप्ताह के हाई पर निजी बैंक का शेयर..........ब्रोकरेज फर्म ने खरीदी की सलाह दी

मुंबई ।

निजी सेक्टर बैंक एक्सिस बैंक के शेयर बुधवार (14 जनवरी) को इंट्रा-डे में चार प्रतिशत के करीब चढ़कर 1,308.40 रुपये के 52 सप्ताह के हाई पर पहुंच गए। बैंक के शेयरों में यह तेजी वित्त वर्ष 2025-26 के दूसरे हिस्से में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदों से आई है। बैंक के शेयर अब अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर 1,339.55 रुपये के करीब पहुंच गए हैं, जो 12 जुलाई 2024 को बना था। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने एक्सिस बैंक पर खरीदारी की सलाह को बरकरार रखकर टारगेट प्राइस बढ़ाकर 1,420 रुपये किया है। यह स्टॉक के पिछले बंद भाव से 12 प्रतिशत ज्यादा है। एक्सिस बैंक के शेयर मंगलवार को 1261 रुपये पर बंद हुए। ब्रोकरेज ने रिपोर्ट में कहा कि कारोबार में लगातार मजबूती, मुनाफे पर सीमित दबाव और एक बार के प्रावधानों का सामान्य होने जैसे कारणों से वित्त वर्ष 2026 के दूसरे हिस्से में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। ब्रोकरेज ने कहा कि बैंक को उम्मीद है कि मुनाफे का दबाव अक्टूबर से दिसंबर 2025 की तिमाही में सबसे निचले स्तर पर आएगा। ऐसा इसलिए क्योंकि आगे ब्याज दरों में कटौती की संभावना नहीं है। कैश रिजर्व रेश्यो

से राहत और जमा लागत के सामान्य होने से भी मदद मिलेगी। सितंबर 2025 की तिमाही में बैंक की ऋण लागत तिमाही आधार पर 65 आधार अंक घटकर 73 आधार अंक रह गई। इससे संकेत मिलता है कि पहली तिमाही में किए गए तकनीकी प्रावधानों का असर अब पूरी तरह खत्म हो चुका है।

एक्सिस बैंक के शेयर का प्रदर्शन एक माह में करीब सपाट रहा है। तीन और छह महीने में शेयर 10 प्रतिशत चढ़ा है। एक साल में स्टॉक ने 23 प्रतिशत, दो साल में 15 फीसदी और तीन साल में 38.72 फीसदी का रिटर्न दिया है।

भारत का पूर्वी एशिया के बाजारों में यूपीआई का विस्तार करने पर विशेष जोर

आज भारत में करीब 50 फीसदी डिजिटल लेनदेन हो रहा है

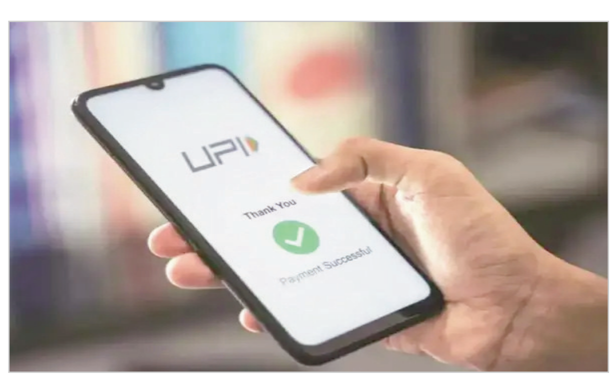

नई दिल्ली, ।

वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू ने कहा है कि सरकार स्वदेशी डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) की अंतरराष्ट्रीय मौजूदगी बढ़ाने की दिशा में कदम उठाया है। पूर्वी एशिया के बाजारों में इसका विस्तार करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यूपीआई के कारण आज भारत में करीब 50 फीसदी डिजिटल लेनदेन हो रहा है। हमने कुछ देशों में विस्तार किया है और अब इसे कई अन्य देशों, खासकर पूर्वी एशिया में ले जाने की कोशिश कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्टें के मुताबिक नागराजू ने कहा कि यूपीआई पहले ही भूटान, सिंगापुर, कतर, मॉरिशस, नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), श्रीलंका और फ्रांस समेत आठ देशों में चल रहा है। इससे भारत के यात्रियों को इस प्लेटफॉर्म के जरिए भुगतान करने की सुविधा मिल रही है। नागराजू ने छोटी और सूक्ष्म इकाइयों को मध्यम उद्यमों में बदलने की जरुरत पर जोर दिया। देश में कई करोड़ इकाइयों की उपस्थिति के बावजूद सूक्ष्म इकाइयों का मध्यम और बड़े उद्यमों में रूपांतरण नहीं हो रहा है। दरअसल देश में सूक्ष्म इकाइयां मझोले और बड़े उद्योगों में परिवर्तित नहीं हो रही हैं, जबकि कई करोड़ इकाइयां मौजूद हैं। मुझे लगता है कि ऐसा तभी होगा, जब सूक्ष्म उद्यमों को समर्थन, बाजार तक पहुंच और उत्पादकता का लाभ मिले।

दिसंबर में थोक महंगाई दर में बढ़ोत्तरी, खाने-पीने की चीजों के दाम

नई दिल्ली, ।

दिसंबर 2025 में देश की थोक महंगाई दर (डब्लयूपीआई) बढ़कर 0.83 फीसदी हुई है। यह लगातार दूसरा माह है, जब थोक महंगाई में बढ़त दर्ज हुई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक खाने-पीने की चीजों, गैर-खाद्य वस्तुओं और मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों के दाम बढ़ने से बढ़ोतरी हुई है। बीते दो महीनों में थोक महंगाई ने नकारात्मक रुख दिखाया था। अक्टूबर 2025 में थोक महंगाई -1.21 फीसदी और नवंबर में -0.32 फीसदी रही थी। वहीं दिसंबर 2024 में थोक महंगाई दर 2.57 फीसदी थी।

उद्योग मंत्रालय के मुताबिक, दिसंबर 2025 में थोक महंगाई सकारात्मक होने की मुख्य वजह मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में कीमतों का बढ़ना है। खास तौर पर मशीनरी, उपकरण, खाद्य उत्पाद, कपड़ा, खनिज और अन्य निर्माण से जुड़ी वस्तुओं के दाम बढ़े हैं। आंकड़ों के मुताबिक, दिसंबर में खाद्य पदार्थों में गिरावट (डिफ्लेशन) घटकर 0.43 फीसदी रह गई, जबकि नवंबर में यह 4.16 फीसदी थी। सब्जियों के दामों में भी गिरावट कम हुई। दिसंबर में सब्जियों की कीमतों में 3.50 फीसदी की गिरावट रही, जबकि नवंबर में यह गिरावट 20.23 फीसदी तक थी।

दिसंबर 2025 में मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों की थोक महंगाई बढ़कर 1.82 फीसदी हुई, जो नवंबर में 1.33 फीसदी थी। वहीं गैर-खाद्य वस्तुओं में महंगाई बढ़कर 2.95 फीसदी रही, जो नवंबर में 2.27 फीसदी थी। दूसरी ओर, ईंधन और बिजली सेक्टर में थोक महंगाई नकारात्मक बनी हुई है। दिसंबर में सेक्टर में 2.31 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जो नवंबर के करीब बराबर है। इसके पहले जारी आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर में खुदरा महंगाई (सीपीआई) भी बढ़कर 1.33 फीसदी हो गई थी, जो नवंबर में 0.71 फीसदी थी।

महंगाई दर में नरमी को देखकर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष में अब तक 1.25 फीसदी की ब्याज दर कटौती की है। पिछले महीने आरबीआई ने पॉलिसी रेट में 25 बेसिस पॉइंट की कटौती कर 5.25 फीसदी किया था। आरबीआई ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था इस समय ÷गोल्डीलॉक्स फेज÷ में है, जहां विकास तेज है और महंगाई कम है।

बचत और खर्च का असंतुलनः नये भारत के लिए बड़ी चुनौती

ललित गर्ग

भारतीय परंपरा में बचत को केवल आर्थिक क्रिया नहीं, बल्कि एक सद्गुण माना गया है। 'आज की बचत, कल का संबल' जैसी कहावतें हमारे सामाजिक व्यवहार का हिस्सा रही हैं। गृहस्थ जीवन में संतुलन, संयम और संचय को जीवन-मूल्य के रूप में स्वीकार किया गया। बच्चों की गुल्लक, अनाज के कोठार, गहनों के रूप में सुरक्षित धन, और त्योहारों पर सीमित व सादगीपूर्ण खर्च-ये सब भारतीय जीवनशैली के अभिन्न अंग थे।

महामारी के बाद की दुनिया केवल स्वास्थ्य के स्तर पर ही नहीं, बल्कि आर्थिक सोच और व्यवहार में भी एक बड़े संक्रमण से गुजरी है। वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं की अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव, बढ़ती महंगाई, तकनीक-आधारित बाजार और उपभोक्तावादी संस्कृति के तीव्र प्रसार ने लोगों की खर्च करने की प्रवृत्ति को असाधारण रूप से बढ़ा दिया है। इस बदलाव का सबसे गहरा असर घरेलू बचत पर पड़ा है। भारत सहित अनेक देशों में घरेलू बचत दरें ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर पहुंच चुकी हैं। उपभोग बढ़ रहा है, लेकिन भविष्य की सुरक्षा के लिए आवश्यक बचत निरंतर घटती जा रही है। यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक चिंता का विषय भी बनती जा रही है। भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए घरेलू बचत सदैव विकास की रीढ़ रही है। बुनियादी ढांचे से लेकर औद्योगिक निवेश तक, भारत की विकास गाथा में घरेलू बचत की भूमिका निर्णायक रही है। परंतु आज स्थिति यह है कि विशेषकर युवा पीढ़ी में बचत की दर 10 से 15 प्रतिशत तक सिमट गई है। यह आंकड़ा किसी भी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए संतोषजनक नहीं कहा जा सकता। जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, तब बचत और खर्च के बीच असंतुलन एक गंभीर चेतावनी के रूप में सामने आ रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में युवाओं की भूमिका को हमेशा निर्णायक माना है और वे बार-बार यह संदेश देते रहे हैं कि बचत केवल व्यक्तिगत सुरक्षा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की नींव है। उनके अनुसार उपभोग से पहले बचत की संस्कृति युवाओं में आत्मनिर्भरता, अनुशासन और दीर्घकालिक सोच का विकास करती है। जन-धन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, अटल पेंशन योजना, डिजिटल बचत और निवेश के माध्यमों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने यह स्पष्ट किया है कि छोटे-छोटे नियमित निवेश भविष्य की बड़ी आर्थिक शक्ति बनते हैं। मोदी का विचार है कि जब युवा वर्ग आज अनावश्यक खर्च से बचकर बचत और उत्पादक निवेश की ओर अग्रसर होगा, तभी भारत की अर्थव्यवस्था स्थिर, समावेशी और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकेगी; क्योंकि आत्मनिर्भर युवा ही सशक्त भारत की सबसे बड़ी पूंजी है।

भारतीय परंपरा में बचत को केवल आर्थिक क्रिया नहीं, बल्कि एक सद्गुण माना गया है। 'आज की बचत, कल का संबल' जैसी कहावतें हमारे सामाजिक व्यवहार का हिस्सा रही हैं। गृहस्थ जीवन में संतुलन, संयम और संचय को जीवन-मूल्य के रूप में स्वीकार किया गया। बच्चों की गुल्लक, अनाज के कोठार, गहनों के रूप में सुरक्षित धन, और त्योहारों पर सीमित व सादगीपूर्ण खर्च-ये सब भारतीय जीवनशैली के अभिन्न अंग थे। संकट के समय भारतीय परिवार किसी के सामने हाथ फैलाने की बजाय अपनी जमा पूंजी और संसाधनों पर भरोसा करता था। यह आत्मनिर्भरता भारतीय समाज की शक्ति रही है। लेकिन बदलती जीवनशैली और बाजार-प्रेरित संस्कृति ने इस परंपरा को कमजोर किया है। आज 'जियो अभी' की मानसिकता, आसान कर्ज, ईएमआई संस्कृति, क्रेडिट कार्ड, ऑनलाइन शॉपिंग और सोशल मीडिया पर दिखावे की प्रतिस्पर्धा ने खर्च को एक प्रकार की पहचान बना दिया है। उपभोग अब आवश्यकता से अधिक आकांक्षा से संचालित होने लगा है। अनुभवों, ब्रांड और त्वरित संतुष्टि को प्राथमिकता देने से दीर्घकालीन वित्तीय सुरक्षा पीछे छूटती जा रही है। विशेषकर जेन-जी और युवा मिलेनियल पीढ़ी के लिए बचत एक बोझ या भविष्य की अस्पष्ट चिंता जैसी प्रतीत होने लगी है। यह स्थिति भारतीय दर्शन की मूल भावना के विपरीत है। भारतीय विचार परंपरा न अति भोग की पक्षधर है, न अति त्याग की। संयम, संतुलन और विवेक का मार्ग ही श्रेष्ठ माना गया है। यही सिद्धांत आर्थिक जीवन में भी लागू होता है। उपभोग आवश्यक है, क्योंकि इससे अर्थव्यवस्था गतिशील रहती है, रोजगार सृजन होता है और नवाचार को प्रोत्साहन मिलता है। परंतु जब खर्च अनियंत्रित हो जाए और बचत उपेक्षित हो जाए, तब व्यक्ति ही नहीं, समाज और राष्ट्र भी असुरक्षित हो जाते हैं।

अनुभवों, ब्रांड और त्वरित संतुष्टि को प्राथमिकता देने से दीर्घकालीन वित्तीय सुरक्षा पीछे छूट रही है। भारतीय आर्थिक सोच में बचत को आर्थिक सुरक्षा और विकास का आधार माना जाता है, जहाँ घर-परिवार की आय का एक बड़ा हिस्सा (लगभग 70 प्रतिशत) घरेलू बचत से आता है, जो सोने, स्थायी जमा और पीपीएफ जैसी योजनाओं में होता है, लेकिन नई पीढ़ी में 'खर्च करो' की सोच बढ़ी है, जिससे बचत की दरें घट रही हैं, जबकि वित्तीय साक्षरता और सरकारी योजनाओं (पीपीएफ, एनएससी, सुकन्या समृद्धि) के जरिए इसे फिर से बढ़ाने पर जोर है, क्योंकि बचत से ही निवेश और आर्थिक विकास संभव है। आज की वैश्विक परिस्थितियां इस असुरक्षा को और गहरा कर रही हैं। भू-राजनीतिक तनाव, युद्ध, जलवायु संकट, तकनीकी बदलाव और रोजगार की अनिश्चितता यह संकेत देती है कि भविष्य पहले से अधिक अस्थिर है। ऐसी स्थिति में बचत और निवेश दोनों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि भारतीय समाज अपनी बचत संस्कृति से दूर होता गया, तो दीर्घकाल में आर्थिक आत्मनिर्भरता कमजोर पड़ सकती है। विदेशी पूंजी पर निर्भरता बढ़ेगी और घरेलू संसाधनों की भूमिका सीमित होती जाएगी।

युवाओं को वित्तीय साक्षरता के माध्यम से बचत और निवेश का महत्व समझाना होगा। यह भी ध्यान देने योग्य है कि बचत में गिरावट का सीधा प्रभाव पारिवारिक एवं सामाजिक सुरक्षा पर पड़ता है। भारत में अभी भी व्यापक सामाजिक सुरक्षा तंत्र सीमित है। पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और बेरोजगारी सहायता जैसी व्यवस्थाएं पूरी आबादी को नहीं कवर करतीं। ऐसे में व्यक्तिगत और पारिवारिक बचत ही संकट के समय सहारा बनती है। यदि बचत घटती रही, तो आर्थिक झटकों का असर अधिक विनाशकारी होगा। समस्या केवल युवाओं की मानसिकता तक सीमित नहीं है। वित्तीय साक्षरता की कमी भी इसका एक बड़ा कारण है। आज भी बड़ी संख्या में युवा यह नहीं समझ पाते कि बचत और निवेश में अंतर क्या है, महंगाई का असर कैसे पड़ता है, और छोटी-छोटी नियमित बचत किस प्रकार दीर्घकाल में बड़ा संबल बन सकती है। तकनीक का उपयोग यदि उपभोग बढ़ाने में हो रहा है, तो उसी तकनीक का उपयोग बचत और निवेश को सरल और आकर्षक बनाने में भी किया जा सकता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म, माइक्रो-सेविंग्स, स्वचालित निवेश योजनाएं और वित्तीय शिक्षा ऐप्स इस दिशा में प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं।

परिवार की भूमिका भी यहां अत्यंत महत्वपूर्ण है। बच्चों में विवेकपूर्ण खर्च और बचत की आदत बचपन से ही डाली जानी चाहिए। माता-पिता यदि स्वयं संतुलित व्यवहार अपनाएं, तो उसका प्रभाव स्वाभाविक रूप से अगली पीढ़ी पर पड़ता है। शिक्षा व्यवस्था में भी वित्तीय अनुशासन और आर्थिक साक्षरता को स्थान दिया जाना चाहिए, ताकि युवा पीढ़ी केवल कमाने पर ही नहीं, संभालने और संजोने पर भी ध्यान दे। यह याद रखना आवश्यक है कि भविष्य की चिंता करना भय नहीं, बल्कि बुद्धिमानी है। बचत का अर्थ जीवन का आनंद त्याग देना नहीं, बल्कि भविष्य के आनंद को सुरक्षित करना है। संतुलित खर्च और नियमित बचत से ही एक सुरक्षित, आत्मनिर्भर और स्थिर समाज का निर्माण संभव है। भारत यदि आर्थिक महाशक्ति बनने का सपना देख रहा है, तो उसे केवल उपभोग-आधारित विकास से आगे बढ़कर बचत-संवर्धित विकास मॉडल अपनाना होगा। अंततः, बचत और खर्च के बीच संतुलन केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता है। आर्थिक अनुशासन अपनाकर ही हम भावी पीढ़ी के लिए मजबूत आधार तैयार कर सकते हैं। उभरती अर्थव्यवस्था की यह जिम्मेदारी है कि वह तात्कालिक उपभोग के आकर्षण से ऊपर उठकर दीर्घकालीन स्थिरता को प्राथमिकता दे। तभी भारत का आर्थिक उत्थान टिकाऊ, समावेशी और सुरक्षित बन सकेगा।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

ईरानी नरसंहार के बाद

ईरान में अब बगावत या विद्रोह नहीं, बल्कि नरसंहार जारी है। एक आंकड़ा है कि अभी तक करीब 650 मौतें हो चुकी हैं, जबकि पश्चिमी मीडिया 6000 से अधिक मौतों की खबर दे रहा है। कथित ह्यक्रांतिवीरह्न इरफान को फांसी की सजा सुनाई गई है। ईरानी पुलिस ने 11, 000 से अधिक विद्रोहियों को गिरफ्तार किया है अथवा हिरासत में रखा है। सडकों पर 15-18 लाख विद्रोही आंदोलित हैं। लोग जिंदा जलाए जा रहे हैं। ईरान के रिवोल्यूशनरी गाड्र्स के एक कर्नल की विद्रोहियों ने हत्या कर दी है। मस्जिदें, बैंक, सरकारी इमारतें, पुलिस स्टेशन जलाए गए हैं। गवर्नर आवास भी आगजनी का शिकार हुआ है। ईरानी हुकूमत ने विद्रोहियों को देखते ही गोली मार देने के आदेश जारी किए हैं। विद्रोहियों को ह्यसजा-ए-मौतह्न भी दी जा सकती है। इन ऐलानों के बावजूद लाखों युवाओं के हुजूम सुप्रीम धार्मिक नेता खामेनेई का तख्तापलट करने पर आमादा हैं। सडकों पर खामेनेई समर्थक भी फैल गए हैं। आंदोलन महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक पतन, ढहती मुद्रा रियाल आदि के खिलाफ शुरू हुआ था, लेकिन अब उसने अंतरराष्ट्रीय रूप ले लिया है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार ईरानी हुकूमत को धमका रहे हैं कि कभी भी हमला किया जा सकता है। एक ओर अमरीका है, तो दूसरी ओर ईरान के साथ रूस, चीन सरीखी महाशक्तियां हैं। बीच में खबर आई थी कि खामेनेई अपने परिवार और घोर समर्थक 20 लोगों के साथ मॉस्को भाग सकते हैं, लेकिन वह अब भी ईरान के बेहद सुरक्षित ठिकाने के भीतर हैं और बेहद घातक बल के जवान उनकी सुरक्षा में मोचाबंद हैं। ईरान वेनेजुएला नहीं है, लिहाजा ट्रंप किसी मुगालते में न रहें। ईरान एक ताकतवर और प्रशिक्षित सेना वाला देश है। उसके पास परमाणु सम्मत मिसाइल भी है, जिसका एक चित्र मीडिया में दिखाया गया था। ईरान ने ऐलान किया है कि यदि अमरीका ने हमला किया, तो ईरान अपने आसपास के 19 अमरीकी बेसों पर हमला कर उन्हें तबाह कर देगा। लिहाजा राष्ट्रपति ट्रंप जरा खुद को संयमित रखें और दूसरे देशों को हड़पने की रणनीति फिलहाल शांत कर दें, क्योंकि उनके टैरिफवाद पर सुप्रीम अदालत का फैसला आने वाला है और अमरीका में ही सैकड़ों शहरों में ट्रंप-विरोधी प्रदर्शन जारी हैं। लोकतंत्र में जनता का हुजूम कोई भी करवट ले सकता है। सत्ताएं पलट जाती हैं। बेशक ईरान बहुत तेजी से विपन्नता की ओर बढ़ा है। जनवरी, 2026 में ही वहां की खाद्य मुद्रास्फीति 70-85 फीसदी तक उछल चुकी है। एक डॉलर की कीमत 14.20 लाख ईरानी रियाल हो गई है। गरीबी दर करीब 40 फीसदी है और देश की विकास दर मात्र 0.6 फीसदी है। खाने-पीने की चीजें दुर्लभ हो गई हैं। भारत के संदर्भ में देखें, तो वित्त वर्ष 2024-25 में दोनों देशों का आपसी कारोबार करीब 1.68 अरब डॉलर रहा। भारत को करीब 0.80 अरब डॉलर का व्यावसायिक लाभ हुआ। भारत ईरान को चावल, चीनी, चाय, दवाइयां, इलेक्ट्रोनिक मशीनरी, कृत्रिम फाइबर आदि निर्यात करता है, जबकि ईरान से सूखे मेवे, रसायन, कांच से बने उत्पाद भारत को भेजे जाते हैं। ईरान सबसे अधिक कच्चा तेल आपूर्ति वाला तीसरा सबसे बड़ा देश है।

चिंतन-मनन

चमत्कारों ने किया है अहित

जो कुछ सुना जाता है, उस पर विश्वास न हो तो सुनने का विशेष अर्थ नहीं हो सकता. गहरे विश्वास के साथ सुनी हुई बात ही दिल को छू सकती है. विश्वास के साथ आवश्यक तत्व है आचरण. तत्व को सुन लिया, उस पर विश्वास भी कर लिया, पर आचरण नहीं किया तो कोई परिणाम नहीं आ सकेगा. भोजन सामने पड़ा है. मन में दृढ़ विश्वास है कि भोजन करने से भूख समाप्त हो जाएगी, पर जब तक भोजन नहीं किया जाता है, भूख कैसे मिटेगी. धर्म भी जब तक व्यक्ति के आचरण का विषय नहीं बनता है, उससे जीवन में कोई परिवर्तन नहीं आ सकता। श्रुति, श्रद्धा और आचरण तीनों हों, फिर भी धर्म का असर न हो, यह हो ही नहीं सकता। श्रुति और श्रद्धा के साथ सम्यक आचरण हो जाए तो धर्म के प्रभाव की निश्चित गारंटी दी जा सकती है। स्थिति आज इससे भिन्न है। लोगों का विश्वास धर्म पर नहीं, चमत्कार पर है। संतों के दर्शन करें, उनसे मंगल पाठ सुने, इससे संतति-लाभ हो जाए, व्यापार में लाभ हो जाए, वर्षों से उलझा हुआ काम सुलझ जाए तो संत अच्छे हैं, अन्यथा उनके पास जाने की इच्छा नहीं होती। ऐसे चमत्कारों में मेरा कतई विश्वास नहीं है। इन चमत्कारों ने धर्म और अध्यात्म का जितना अहित किया है, शायद ही किसी ने किया हो। चमत्कारों में ही अपनी साधना की सफलता समझने वाला साधक साधना के योग्य हो ही नहीं सकता। चमत्कार में मेरा विश्वास नहीं है, इसलिए मैं आपको कोई दिव्य विभूति देने का दावा नहीं करता। मैं अति कल्पना भी नहीं करता कि हर मनुष्य में देवत्व जग जाए।

पशु अधिकार बनाम मानव सुरक्षा

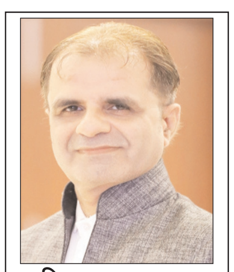

किशन सनमुखदास

आवारा कुत्ते, मानवीय संवेदना और सार्वजनिक सुरक्षाः- सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी और भारत के सामने खड़ा वैश्विक सवाल...

आवारा कुत्तों से बुजुर्गों बच्चों की रक्षा करने अदालती स्पष्ट गाइडलाइंस, मुआवजा ढांचा और डॉग फीडर्स की कानूनी जिम्मेदारी करना समय की मांग.

डॉग बाइटः-20 जनवरी 2026 को होने वाली अगली सुनवाई केवल एक तारीख नहीं,बल्कि नीति निर्धारण, जवाबदेही ढांचे, और भविष्य की दिशा तय करने वाली सुनवाई हो सकती है. भारत में आवारा कुत्तों का मुद्दा कोई नया नहीं है,लेकिन 13 जनवरी 2026 को सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई के बाद यह विषय केवल एक पशु-प्रेम या करुणा का प्रश्न न रहकर एक गंभीर सार्वजनिक सुरक्षा, प्रशासनिक जवाबदेही और संवैधानिक कर्तव्य का मुद्दा बन गया है।अदालत की तीखी टिप्पणियों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब यह बहस भावनाओं के इर्द-गिर्द नहीं घूमेगी, बल्कि जीवन के अधिकार, राज्य की जिम्मेदारी और नागरिक सुरक्षा के केंद्र में होगी।जब सवाल यह उठता है कि नौ साल का बच्चा अगर आवारा कुत्तों के हमले में जान गंवा देता है, तो यह केवल एक हादसा नहीं रह जाता,बल्कि राज्य की विफलता, समाज की प्राथमिकताओं और नीति- निर्माण की कमजोरी का प्रतीक बन जाता है।सुप्रीम कोर्ट ने 13 जनवरी 2026 की सुनवाई में बेहद स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि आवारा कुत्तों के काटने या हमले की घटनाएं जारी रहीं,तो राज्य सरकारों को हर मामले में भारी मुआवजा देना पड़ सकता है। एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह टिप्पणी भारत की न्यायिक व्यवस्था में एक निर्णायक मोड़ को दशार्ती है।कोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि केवल सरकार ही नहीं, बल्कि वे लोग और संगठन भी जवाबदेह हो सकते हैं, जो सार्वजनिक स्थानों पर कुत्तों को भोजन कराते हैं और फिर किसी भी परिणाम की जिम्मेदारी लेने से इनकार कर देते हैं।यह दृष्टिकोण न्यायपालिका की उस सोच को उजागर करता है, जिसमें कर्तव्य और अधिकार को एक-दूसरे से अलग नहीं देखा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट की सबसे महत्वपूर्ण टिप्पणी यह रही कि आवारा कुत्ते किसी भी व्यक्ति या संगठन की निजी संपत्ति नहीं हैं। यदि वे वास्तव में किसी के हैं, तो उन्हें सार्वजनिक सड़कों पर छोड़ने का नैतिक या कानूनी अधिकार नहीं हो सकता।कोर्ट ने पूछा,जब कुत्ता प्रेमी संगठन या व्यक्ति उन्हें खाना खिलाते हैं,जब वे उनका बचाव करते हैं,तो फिर डॉग बाइट या मौत की स्थिति में जिम्मेदारी से पीछे क्यों हट जाते हैं?यह सवाल केवल भारत के लिए नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में पशु अधिकार बनाम मानव सुरक्षा की बहस को नया आयाम देता है। साथियों बात अगर हम बच्चे और बुजुर्गः सबसे असुरक्षित वर्ग सबसे उपेक्षित यह चिंता का विषय इसको समझने की करें तो सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। अदालत ने कहा कि ये वर्ग न तो अपनी रक्षा कर सकते हैं और न ही हमले की स्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया दे सकते हैं।जब एक बच्चा स्कूल जाते समय, एक बुजुर्ग सुबह टहलते समय, या कोई मरीज अस्पताल के बाहर आवारा कुत्तों का शिकार बनता है,तो यह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है।कोर्ट का यह कहना कि क्या इस अदालत को अपनी आंखें बंद कर लेनी चाहिए?यह दशार्ता है कि न्यायपालिका अब इस विषय पर तटस्थ दर्शक नहीं बने रहना चाहती।सुप्रीम कोर्ट की एक अत्यंत तीखी टिप्पणी यह थी कि क्या भावनाएं केवल कुत्तों के लिए ही दिखाई देती हैं?, इंसानों के लिए नहीं?यह सवालभारतीय समाज के उस दोहरे मापदंड को उजागर करता है,जहां कुत्तों के अधिकारों पर तुरंत विरोध प्रदर्शन होते हैं,लेकिन बच्चों की मौत पर वही तीव्रता नहीं दिखती।अदालत ने यह स्पष्ट किया कि मानव जीवन का मूल्य किसी भी पशु से कम नहीं हो सकता, चाहे वह संवेदनशील मुद्दा ही क्यों न हो। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि कोई व्यक्ति या समूह कुत्तों को खाना खिलाना या उनकी देखभाल करना चाहता है, तो उसे यह अपने घर, अपने परिसर या अपने कंपाउंड में करना चाहिए। सार्वजनिक सड़कों पर उन्हें छोड़करडर पैदा करना, हमले का खतरा बढ़ाना,और फिर जिम्मेदारी से बचना,अब स्वीकार्य नहीं होगा।यह टिप्पणी वैश्विक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है क्योंकि विकसित देशों में पेट ओनरशिप के साथ कानूनी जिम्मेदारी अनिवार्य होती है। साथियों बात अगर हम प्रशासनिक निष्क्रियता बनाम कानून -व्यवस्था का मुद्दा इसको समझने की करें तो,कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह मामला केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि प्रशासनिक निष्क्रियता का है।नगरपालिकाएं, स्थानीय निकाय और राज्य सरकारें वर्षों से इस समस्या को टालती रही हैं।नियमित सर्वेक्षण न होना,डॉग शेल्टर की कमी,स्टरलाइजेशन कार्यक्रमों का आधा-अधूरा क्रियान्वयन,इन सभी को कोर्ट ने सिस्टमिक फेल्योर करार दिया। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट स्कूलों, अस्पतालों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और खेल परिसरों से आवारा कुत्तों को हटाने का स्पष्ट आदेश दे चुका है।अदालत ने कहा था कि इन जगहों पर कुत्तों की मौजूदगी प्रशासन की असफलता का प्रमाण है।अब कोर्ट ने दोहराया है कि इन निदेर्शों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए, अन्यथा नगरपालिकाओं की जवाबदेही तय होगी। साथियों बात अगर हम डॉग बाइट एक रोकथाम योग्य खतरा, इसको समझने की करें तो,सुप्रीम कोर्ट ने डॉग बाइट को प्रवेंटेबल रिस्क यानी रोकथाम योग्य खतरा बताया, इसका अर्थ है कि यदि प्रशासन और समाज मिलकर काम करें, तो ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है।जब किसी इलाके में बार-बार डॉग बाइट की घटनाएं होती हैं, तो यह स्पष्ट संकेत है कि वहां प्रशासनिक उदासीनता है। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में दुनियाँ क्या करती है? इसको समझने की करें तो अमेरिका,यूरोप जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में आवारा कुत्तों की समस्या लगभग नहीं के बराबर है।पेट ओनरशिप लाइसेंस,भारी जुमार्ना और शेल्टर सिस्टम बेहद सख्त हैं।भारत में भावनात्मक दृष्टिकोण ने लंबे समय तक व्यावहारिक समाधान को रोक रखा।संविधान और जीवन का अधिकार, भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी देता है।जब राज्य बच्चों और नागरिकों को सड़कों पर सुरक्षित नहीं रख पाता,तो यह संवैधानिक विफलता बन जाती है।सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियां इस दिशा में संकेत हैं कि अब अदालत इस मुद्दे को मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के रूप में देख रही है।

अनुशासन, त्याग और पराक्रम का उत्सव-भारतीय थल सेना दिवस

सुनील कुमार महला

हर वर्ष 15 जनवरी को भारतीय थल सेना दिवस (इंडियन आर्मी डे) मनाया जाता है। वास्तव में, यह दिन भारतीय सेना के गौरव, शौर्य, अनुशासन और उन वीर जवानों के सर्वोच्च बलिदान को समर्पित है, जो देश की सीमाओं पर खड़े होकर राष्ट्र की रक्षा करते हैं। यह केवल एक उत्सव मात्र नहीं है, बल्कि यह भारतीय सैन्य इतिहास के एक निर्णायक क्षण की स्मृति भी है। दरअसल, 15 जनवरी 1949 को लेफ्टिनेंट जनरल के.एम.करिअप्पा ने भारत के पहले भारतीय सेनाध्यक्ष (प्रथम भारतीय कमांडर-इन-चीफ) के रूप में कार्यभार संभाला था। उस समय ब्रिटिश जनरल फ्रांसिस बुचर ने उन्हें औपचारिक रूप से यह पद सौंपा था। यह क्षण भारत की सैन्य संप्रभुता, आत्मनिर्भरता और औपनिवेशिक विरासत से मुक्ति का प्रतीक माना जाता है। बाद में, वर्ष 1986 में के. एम. करिअप्पा को उनके अतुलनीय योगदान के लिए फील्ड मार्शल की मानद उपाधि प्रदान की गई।स्वतंत्रता के बाद प्रारंभ में सेना दिवस 1 अप्रैल को मनाने का विचार किया गया था, किंतु ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए 15 जनवरी की तिथि को स्थायी रूप से निर्धारित किया गया। शुरूआती वर्षों में सेना दिवस के कार्यक्रम सीमित रूप से विभिन्न सैन्य छावनियों में आयोजित होते थे, जबकि भव्य सार्वजनिक परेड और औपचारिक समारोहों की परंपरा बाद के वर्षों में विकसित हुई।आज सेना दिवस के अवसर पर दिल्ली या चयनित शहरों के परेड ग्राउंड में शानदार सैन्य परेड आयोजित की जाती है तथा इसमें सेना अपने आधुनिक हथियारों, टैंकों, मिसाइलों, राडार प्रणालियों और युद्ध कौशल का प्रदर्शन करती है। इसके साथ ही वीरता पुरस्कार, जैसे सेना मेडल, भी प्रदान किए जाते हैं। यह दिन नई सैन्य तकनीकों, युद्ध अभ्यासों और रेजिमेंटल परंपराओं की औपचारिक शुरूआत का भी साक्षी बनता है।

पाठकों को बताता चलूं कि भारतीय थल सेना विश्व की सबसे बड़ी स्वैच्छिक (वॉलंटरी) सेना मानी जाती है, जहाँ सैनिकों की भर्ती पूरी तरह स्वेच्छा से होती है और किसी भी प्रकार की जबरन भर्ती की व्यवस्था नहीं है। सैनिकों की संख्या के लिहाज से यह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी सक्रिय थल सेना है, जिसमें लगभग 14.5 लाख (1.45 मिलियन) से अधिक सक्रिय सैनिक कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 11-12 लाख रिजर्व सैनिक तथा लगभग 25 लाख अर्धसैनिक बल भी भारत की सुरक्षा व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा हैं। नवम्बर 2025 में ऑस्ट्रेलिया के प्रतिष्ठित लोवी इंस्टीट्यूट ने एशिया पॉवर इंडेक्स जारी किया जिसमें भारत को अमेरिका और चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी सैन्य शक्ति घोषित किया है।भारतीय सेना का मुख्य दायित्व देश की स्थल सीमाओं की रक्षा, आंतरिक सुरक्षा बनाए रखना, आतंकवाद व उग्रवाद से मुकाबला करना तथा आपदा के समय नागरिकों की सहायता करना है। यह सेना दुनिया के सबसे कठिन और ऊँचे युद्धक्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर की रक्षा करती है, जो समुद्र तल से लगभग 5000 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है, जहाँ अत्यंत विषम जलवायु परिस्थितियों में भी सैनिक निरंतर तैनात रहते हैं। इसके अतिरिक्त रेगिस्तान, घने जंगलों और ऊँचे पर्वतीय क्षेत्रों में भी भारतीय सेना प्रभावी रूप से कार्य करती है।

वैश्विक स्तर पर भारतीय थल सेना अपनी रणनीतिक क्षमता, अनुशासन और युद्ध अनुभव के लिए जानी जाती है। संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में भारत का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है और भारत उन देशों में शामिल है, जिन्होंने सबसे अधिक सैनिक यूएन पीसकीपिंग ऑपरेशंस में भेजे हैं। ग्लोबल फायरपावर इंडेक्स के अनुसार भारत दुनिया की चौथी सबसे शक्तिशाली सैन्य शक्ति है, जिसमें केवल अमेरिका, रूस और चीन भारत से आगे हैं। गौरतलब है कि भारतीय सेना की सर्वोच्च कमान देश के राष्ट्रपति के पास होती है, जो संविधान के अनुसार इसके सर्वोच्च कमांडर होते हैं। सेना की इंजीनियरिंग दक्षता का उत्कृष्ट उदाहरण लद्दाख के द्रास और सुरु नदियों के बीच निर्मित बेली ब्रिज है, जिसे अगस्त 1982 में सेना ने बनाया था और जिसे विश्व के सबसे ऊँचे पुलों में गिना जाता है।

भारतीय थल सेना का आदर्श वाक्य 'सेवा परमो धर्मः' है, जिसका अर्थ है-सेवा ही सर्वोच्च धर्म है। यही वाक्य सेना के कर्तव्यबोध, निस्वार्थ सेवा, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति पूर्ण समर्पण का मूल आधार है। 'सर्विस बिफोर सेल्फ' सेना की कार्यसंस्कृति का अभिन्न हिस्सा है, जिसे हर सैनिक प्रशिक्षण और व्यवहार में आत्मसात करता है। हाल के वर्षों में सेना दिवस समारोहों में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व को भी विशेष रूप से रेखांकित किया जाने लगा है। गौरतलब है इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में भारत अपना 78वाँ सेना दिवस मना रहा है, जिसकी मुख्य परेड जयपुर (राजस्थान) में आयोजित की जा रही है। अब परंपरा यह बन चुकी है कि परेड दिल्ली से बाहर विभिन्न शहरों में आयोजित की जाए, ताकि सेना और जनता के बीच जुड़ाव और अधिक सशक्त हो। उल्लेखनीय है कि हर वर्ष सेना दिवस की एक विशेष थीम भी निर्धारित की जाती है। वर्ष 2025 की थीम थी-'समर्थ भारत, सक्षम सेना', और उसी वर्ष भारत सरकार ने 'रक्षा सुधारों का वर्ष' घोषित किया था, जिसका उद्देश्य थिएटर कमांडों का एकीकरण, तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल तथा स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को बढ़ावा देना था। वर्ष 2026 के लिए सेना का मुख्य फोकस 'नेटवर्किंग और डेटा-केंद्रितता का वर्ष' रखा गया है, जो आधुनिक तकनीक और डिजिटल एकीकरण पर आधारित है। इस बार परेड में सेना की पशु टुकड़ी (एनिमल कंटीजेंट)-जैसे जांस्कर घोड़े(लद्दाख के जांस्कर क्षेत्र में पाए जाने वाले एक विशेष स्थानीय पर्वतीय घोड़े की नस्ल), ऊँट और खोजी कुत्ते-को भी विशेष महत्व दिया जा रहा है।

निष्कर्षतः, हम यहां पर यह बात कह सकते हैं कि भारतीय थल सेना शौर्य, समर्पण और राष्ट्रभक्ति का जीवंत प्रतीक है। सेना दिवस केवल एक तिथि नहीं, बल्कि भारतीय शौर्य की उस अखंड परंपरा का उत्सव है, जो 'सेवा परमो धर्मः' के संकल्प पर टिकी है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हमारी सुरक्षित और शांतिपूर्ण नींद उन जवानों के बलिदानों की ऋणी है, जो सरहद की चौखट पर हर पल प्रहरी बनकर खड़े रहते हैं। चाहे सियाचिन की हाड़ कंपा देने वाली ठंड हो या थार के रेगिस्तान की झुलसाती गर्मी-भारतीय सेना का हर जवान देश की अखंडता के लिए अभेद्य दीवार बनकर खड़ा रहता है। वास्तव में, भारतीय थल सेना भारत के आत्मविश्वास का वह स्तंभ है, जिसके साये में पूरा देश सुरक्षित, सशक्त और प्रगतिशील महसूस करता है। भारतीय सेना को नमन।

(सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार, पिथौरागढ़, उत्तराखंड)

संक्षिप्त समाचार

ईरान में हिंसा पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ी प्रतिक्रिया

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों के दौरान कथित राज्य हिंसा को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। यूरोपीय संसद की अध्यक्ष मेटसोला ने ईरानी महिलाओं और पुरुषों के खिलाफ की जा रही हिंसा की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि अपने अधिकारों के सम्मान की मांग कर रहे नागरिकों को निशाना बनाना अस्वीकार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मौलिक स्वतंत्रताओं का सम्मान कोई क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक मांग है। साथ ही उन्होंने कहा कि यूरोप उन सभी महिलाओं और पुरुषों के साथ खड़ा है, जो साहस के साथ अपने अधिकारों और आजादी की रक्षा के लिए आवाज उठा रहे हैं।

चीन से तनाव के बीच द.कोरिया से रिश्ते सुधारने में जुटा जापान

टोक्यो, एजेंसी। जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची मंगलवार को अपने गृहनगर नारा में दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग की मेजबानी करेंगी। इस बैठक का उद्देश्य चीन के साथ क्षेत्रीय तनाव के बीच दोनों देशों के संबंधों को स्थिर करना है। हाल ही में ताइवान मुद्दे पर जापान और चीन के बीच कड़वाहट बढ़ी है। ली का यह जापान दौरा उनके चीन दौरे के ठीक एक सप्ताह बाद हो रहा है। पिछले सप्ताह ली के चीन दौरे में शी जिनपिंग ने दक्षिण कोरिया से नजदीकी बढ़ाने की कोशिश की थी।

फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष को ट्रंप ने दी आपराधिक मामले की धमकी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल और ट्रंप सरकार से बीच टकराव बढ़ता जा रहा है। जेरोम ने खुलासा किया है कि अमेरिका के न्याय विभाग ने केंद्रीय बैंक को समन जारी कर आपराधिक अभियोग की धमकी दी है। यह विवाद बैंक की इमारतों के नवीनीकरण में खर्च हुए 2.5 अरब डॉलर को लेकर पॉवेल की गवाही से जुड़ा है। पॉवेल का आरोप है कि ये धमकियां फेडरल रिजर्व की स्वतंत्रता को खत्म करने के लिए राजनीतिक दबाव बनाने का एक जरिया हैं।

गाजा में ड्रोन हमला, तीन की मौत

गाजा , एजेंसी। मध्य गाजा में ड्रोन हमले में तीन फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब हमास गाजा की सत्ता एक नई समिति को सौंपने की तैयारी कर रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, युद्धविराम के बाद से अब तक 440 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। हमास ने कहा है कि नई समिति के गठन के बाद वह अपनी मौजूदा सरकार भंग कर देगा। दूसरी ओर, प्रदर्शनकारियों ने फलस्तीनी कैदियों की रिहाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं।

सीरिया में हालात सामान्य, झड़पों के बाद घर लौटने लगे विस्थापित लोग

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया के अलेप्पो शहर में भीषण झड़पों के बाद हालात धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं। सरकारी बलों और कुर्द लड़ाकों के बीच संघर्ष थमने के बाद सैकड़ों विस्थापित लोग अपने घर लौटने लगे हैं। पिछले पांच दिनों की लड़ाई में कम से कम 23 लोगों की मौत हुई और हजारों लोग विस्थापित हुए थे। अब सुरक्षा बलों की तैनाती के बीच दुकानें खुल रही हैं और यातायात सामान्य हो रहा है, हालांकि तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।

बांग्लादेश बोला- गाजा में अपने देश के सैनिक भेजने की चाह

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने गाजा में तैनात अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल में शामिल होने की इच्छा जताई है। वाशिंगटन में बांग्लादेश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार खलीलुर रहमान ने अमेरिकी राजनयिकों के साथ बैठक में यह प्रस्ताव रखा। बांग्लादेशी सरकार के बयान के अनुसार, देश सैद्धांतिक रूप से इस शांति बल का हिस्सा बनने के लिए तैयार है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने नवंबर के मध्य में एक प्रस्ताव पारित कर गाजा में इस अस्थायी बल की स्थापना को मंजूरी दी थी। अक्टूबर में संघर्ष विराम के बावजूद गाजा में मानवीय संकट बरकरार है और हिंसा जारी है।

इंडोनेशिया में गैस स्टेशन पर लगी आग का वीडियो वायरल

पनाबो, एजेंसी। इंडोनेशिया के पनाबो शहर में गैस स्टेशन पर भीषण आग लगने की खबर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक रविवार को पनाबो शहर के बरांगे मनाय में एक गैस स्टेशन में भीषण आग लगी। आसमान में घने धुएं का गुबार देखा गया। इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम को राहत और बचाव कार्य के लिए मौके पर भेजा गया। अधिकारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने में सफलता पाई। आग लगने के कारणों की जांच जारी है।

ट्रम्प बोले- ईरान से व्यापार किया तो 25% टैरिफ लगाएंगे : नियम तत्काल लागू

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के साथ कारोबार करने वाले देशों पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। ट्रम्प ने सोमवार रात ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर बताया कि यह फैसला तत्काल प्रभाव से लागू होगा। हालांकि व्हाइट हाउस की तरफ से इस टैरिफ को लेकर आधिकारिक दस्तावेज जारी नहीं किया गया है। यह फैसला ऐसे वक्त में लिया गया है जब ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शन जारी हैं। इन प्रदर्शनों में 600 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। दूसरी तरफ ईरान की करेंसी रियाल की वैल्यू अब लगभग जीरो के बराबर पहुंच चुकी है। भारतीय मुद्रा में 1 रियाल की कीमत सिर्फ 0.000079 रुपए रह गई है। ईरान पर अमेरिका पहले ही कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगा चुका है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान से व्यापार करने वालों में प्रमुख देशों में चीन, संयुक्त अरब अमीरात और भारत शामिल हैं।

भारत पर पहले ही 50% टैरिफ लगा चुका अमेरिका : अमेरिका पहले ही भारत पर 50% टैरिफ लग चुका है। इसमें 25% रेसिप्रोकल और 25% रूस से तेल आयात को लेकर टैरिफ शामिल है। ईरान से व्यापार को लेकर अगर भारत पर टैरिफ लगाया जाता है तो कुल टैरिफ 75% हो जाएगा। टैरिफ के चलते भारत को अमेरिका में अपना सामान बेचने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा रहा है, जिसका असर भारत के निर्यात पर पड़ रहा है। दोनों देशों के बीच टैरिफ विवाद को निपटाने के लिए आज ट्रेड डील पर बातचीत होनी है। भारत चाहता है कि उस पर लगाए गए कुल 50% टैरिफ को घटाकर 15% किया जाए और रूस से कच्चा तेल खरीदने पर जो एक्स्ट्रा 25% पेनल्टी लगाई गई है, उसे पूरी तरह खत्म किया जाए।

ट्रम्प के टैरिफ पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला कल : ट्रम्प के टैरिफ लगाने के अधिकार को लेकर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट कल यानी बुधवार को फैसला सुना सकता है। इसे लेकर ट्रम्प ने चिंता जताई है। ट्रम्प ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अगर कोर्ट ने उनके टैरिफ लगाने के अधिकार को सीमित किया, तो अमेरिका को भारी आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है और पहले वसूले गए टैरिफ लौटाना लगभग असंभव होगा। उन्होंने लिखा कि इतनी बड़ी रकम चुकाने में सालों लग जाएंगे और यह तय करना भी मुश्किल होगा कि किसे, कब और कितना भुगतान किया जाए।

चीन, यूएई और भारत ईरान के प्रमुख साझेदार : वर्ल्ड बैंक के 2022 के उपलब्ध डेटा के मुताबिक ईरान ने सबसे ज्यादा चीन, यूएई और भारत से व्यापार किया। इन देशों को ईरान मुख्य रूप से तेल, पेट्रोकेमिकल्स और औद्योगिक उत्पाद निर्यात करता है। अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद ईरान एशिया और खाड़ी देशों के जरिए अपना व्यापार जारी रखे हुए है। 2022 में ईरान का कुल व्यापार करीब 140 अरब डॉलर रहा। इसमें ईरान का निर्यात 80.9 अरब डॉलर और आयात लगभग 58.7 अरब डॉलर रहा। ईरान के निर्यात का सबसे बड़ा हिस्सा कच्चा तेल, पेट्रोलियम उत्पाद और प्राकृतिक गैस हैं। इसके अलावा पेट्रोकेमिकल्स, स्टील, तांबा, कृषि उत्पाद और खनिज भी निर्यात किए जाते हैं। ईरान मुख्य रूप से मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, औद्योगिक कच्चा माल और दवाएं आयात करता है।

तुरंत छोड़ दें ईरान :अमेरिकी दूतावास ने जारी की सलाह : ईरान में अमेरिकी वर्चुअल दूतावास की ओर से जारी सलाह में अमेरिकी नागरिकों को तुरंत ईरान छोड़ने को कहा गया है। इसमें कहा गया है, 'ईरान में विरोध प्रदर्शन बढ़ रहे हैं और हिंसक रूप ले सकते हैं, जिसकी वजह से गिरफ्तारियां हो सकती हैं और चोटें लग सकती हैं। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है, सड़कें बंद कर दी गई हैं, सार्वजनिक परिवहन बाधित है और इंटरनेट पर प्रतिबंध है। एयरलाइंस ईरान से आने-जाने वाली उड़ानों को सीमित या रद्द कर रही हैं। अमेरिकी नागरिकों को इंटरनेट की लगातार रुकावटों के लिए तैयार रहना चाहिए, संचार के वैकल्पिक साधनों की योजना बनानी चाहिए। अगर ऐसा करना सुरक्षित हो, तो आर्मेनिया या तुर्किये के लिए सड़क मार्ग से ईरान छोड़ने पर विचार करना चाहिए। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर कैरोलिन लेविट ने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप हमेशा सभी विकल्प खुले रखते हैं। कूटनीति उनकी पहली पसंद है, लेकिन जरूरत पड़ने पर सैन्य कार्रवाई, यहां तक कि हवाई हमले भी विकल्पों में शामिल हैं।' लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप हालात को बेहद करीब से देख रहे हैं। उन्होंने बताया कि ईरानी शासन सार्वजनिक मंचों पर जो बयान दे रहा है, वह उन निजी संदेशों से अलग है, जो अमेरिकी प्रशासन को अंदरूनी चैनलों से मिल रहे हैं।

बांग्लादेश में एक और हिंदू की हत्या

फेनी , एजेंसी। बांग्लादेश के दक्षिणी हिस्से चटगांव डिवीजन के फेनी जिला स्थित दागनभुइयां में रविवार रात अज्ञात बदमाशों ने 28 साल के हिंदू युवक समीर कुमार दास की पीट-पीटकर और चाकू मारकर हत्या कर दी। उसका ऑटोरिक्शा भी लूट लिया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, समीर रविवार शाम करीब 7 बजे ऑटोरिक्शा लेकर घर से निकला था। देर रात तक जब वह नहीं लौटा तो परिजन ने उसकी तलाश शुरू की। रात करीब 2 बजे जगतपुर गांव के एक खेत में स्थानीय लोगों को उसका शव मिला।

दागनभुइयां थाने के एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, समीर की हत्या में देसी हथियारों का इस्तेमाल किया गया था। प्राथमिक जांच में लग रहा है कि हत्या पहले से प्लानिंग के तहत की गई थी। जांच जारी है और अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। बांग्लादेश में 23 दिनों के दौरान हिंदू की हत्या की ये 7वीं घटना है। इससे पहले 5 जनवरी को बांग्लादेश के नरसिंदी जिले में एक हिंदू दुकानदार की धारदार हथियारों से हत्या कर दी गई थी। मृतक 40 साल का शरत चक्रवर्ती मणि था।

साजिश के तहत की वारदात : पुलिस ने बताया कि हत्या को साजिशन अंजाम दिया गया। थाना प्रभारी फैयाजुल अजीम नोमान ने बताया, परिजनों की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की पहचान की कोशिश की जा रही है।

11 जनवरी की शाम को हुई हत्या : पुलिस और स्थानीय सूत्रों के मुताबिक दागनभुआ इलाके में समीर कुमार दास की हत्या की घटना 11 जनवरी की शाम की है। समीर कुमार दास, कार्तिक कुमार दास और रीना रानी दास के सबसे बड़े बेटे थे। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए फेनी जनरल अस्पताल भेजा।

हिंदू समुदाय के खिलाफ बढ़ रहे हिंसा के मामले : पुलिस का कहना है कि ऑटोरिक्शा गायब होने से लूटपाट के इरादे से हत्या की आशंका जताई जा रही है। हालांकि अन्य कारणों से भी इनकार नहीं किया गया है। यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा, धमकी और असुरक्षा की घटनाएं लगातार रिपोर्ट हो रही हैं। मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि कमजोर कार्रवाई और देरी से न्याय न मिलने के कारण अल्पसंख्यक समुदाय में भय का माहौल बना हुआ है।

ईरान का भविष्य ईरान के लोग ही खुद बनाएं : मलाला यूसुफजई

काबुल, एजेंसी। नोबेल पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई ने ईरान में चल रहे विरोध प्रदर्शनों का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि ये विरोध अचानक नहीं हुए। ईरान में सरकार ने बहुत पहले से ही लड़कियों और महिलाओं की आजादी पर सख्त पाबंदियां लगा रखी हैं। खासकर शिक्षा में उन्हें बहुत कम अधिकार मिलते हैं। उन्होंने कहा, 'दुनिया की बाकी लड़कियों की तरह ईरानी लड़कियां भी सम्मान और गरिमा के साथ जीना चाहती हैं। वे सिर्फ पढ़ाई नहीं, बल्कि पूरी जिंदगी में अपनी मर्जी से फैसले लेना चाहती हैं।'

मलाला यूसुफजई ने कहा, 'ईरान के लोग कई सालों से इस अन्याय के खिलाफ बोलते आ रहे हैं। लेकिन अपनी जान जोखिम में डालकर भी उनकी आवाज दबा दी जाती रही है। ये नियम सिर्फ स्कूल तक सीमित नहीं हैं। पूरे समाज में महिलाओं पर अलग तरह के नियंत्रण हैं - जैसे अलग-अलग बैठना, हर समय निगरानी रखना और गलती करने पर सजा मिलना।' उन्होंने कहा कि इन सबकी वजह से महिलाओं को अपनी पसंद की जिंदगी जीने, फैसले लेने और सुरक्षित महसूस करने का हक नहीं मिल पाता। ईरानी महिलाएं और लड़कियां अब अपनी आवाज सुनाई देने और अपना भविष्य खुद तय करने की मांग कर रही हैं।

ईरानी महिलाओं के समर्थन में क्या कहा : मलाला यूसुफजई ने साफ कहा कि वे ईरान की जनता और खासकर लड़कियों के साथ खड़ी हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान का भविष्य ईरान के लोग ही खुद बनाएं और इसमें महिलाओं व लड़कियों की अहम भूमिका हो। कोई बाहर का देश या दमनकारी सरकार इसमें दखल न दे। मालूम हो कि अभी ईरान में महंगाई, बेरोजगारी और महिलाओं के अधिकारों पर रोक के खिलाफ बड़े प्रदर्शन हो रहे हैं। मलाला की यह बात दुनिया भर में ईरानी महिलाओं के संघर्ष को मजबूत समर्थन दे रही है।

ईरान पर कभी भी हो सकता है अमेरिकी हमला, एक और जंग की तैयारी में जुट गया इजरायल

वाशिंगटन , एजेंसी। ईरान में बीते कुछ सप्ताह से जारी हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हस्तक्षेप करने की धमकी देकर पूरी दुनिया में खलबली मचा दी है। वहीं अमेरिका के किसी भी हमले को लेकर ईरान ने करारा जवाब देने की कसम खाई है। ऐसे में वैश्विक स्तर पर एक और जंग की आहट साफ सुनाई देने लगी है। इस बीच इजरायल ने ईरान के साथ किसी भी जंग को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसे लेकर इजरायल के उच्च अधिकारियों के बीच बैठकों का दौर शुरू हो गया है।

इजरायली सेना ने सोमवार को इस मामले की जानकारी देते हुए कहा कि सेना संभावित रूप से किसी भी स्थिति के लिए अलर्ट पर है। आईडीएफ के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल एफी डेफ्रिन ने सोमवार को पर एक बयान में कहा, 'ईरान में विरोध प्रदर्शन एक आंतरिक मामला है लेकिन आईडीएफ रक्षात्मक रूप से तैयार है और नियमित रूप से स्थिति का आकलन कर रहा है।'

बेंजामिन नेतन्याहू ने बुलाई बैठक : इस बीच कान पब्लिक ब्रॉडकास्टर के मुताबिक, इजरायली अधिकारियों का मानना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड हमले की अपनी धमकियों को पूरा जरूर करेंगे और इससे इजरायल और ईरान के बीच एक और युद्ध होने वाले वाला है। इसे लेकर इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को पूर्व रणनीतिक मामलों के मंत्री रॉन डर्मर को वरिष्ठ मंत्रियों और सुरक्षा अधिकारियों के साथ एक बैठक के लिए भी बुलाया था।

डोनाल्ड ट्रंप की धमकी : इससे पहले ट्रंप अब तक कई बार ईरान में हस्तक्षेप की धमकी दे चुके हैं। वाइट हाउस से जुड़े सूत्रों ने बताया है कि राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम ईरान के खिलाफ संभावित कदम पर विचार कर रही है, जिनमें साइबर हमले और अमेरिका या इजरायल द्वारा सीधा सैन्य हमला शामिल है। ट्रंप ने सोमवार को कहा है कि ईरान पर हमले की उनकी चेतावनी के बाद अब ईरानी सरकार उनके साथ बातचीत करना चाहता है। वहीं ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने तेहरान में विदेशी राजनयिकों से बातचीत के दौरान कहा है कि स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। हालांकि, अराघची ने अपने आरोप के समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया। उन्होंने यह भी कहा है कि विरोध-प्रदर्शन के दौरान हिंसा और खूनखराबा इसलिए हुआ, ताकि अमेरिकी राष्ट्रपति को हस्तक्षेप करने का बहाना मिल सके। हालांकि अराघची ने यह भी कहा कि ईरान कूटनीति का स्वागत करता है। इस बीच ईरान में सोमवार को सरकार के खिलाफ प्रदर्शन में लाखों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे। मानवाधिकार समूहों के मुताबिक हिंसा के अब तक करीब 600 लोगों की मौत हो गई है।

भारत की मदद से श्रीलंका की पटरी पर वापसी? चक्रवात के बाद 50 लाख डॉलर से रेलवे मरम्मत शुरू

कोलंबो, एजेंसी। चक्रवात से बुरी तरह प्रभावित श्रीलंका में राहत और पुनर्निर्माण की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। भारत की 50 लाख डॉलर की वित्तीय सहायता से उत्तरी श्रीलंका में क्षतिग्रस्त रेलवे ट्रैक की मरम्मत का काम शुरू हो गया है। यह परियोजना न केवल परिवहन बहाली की दिशा में अहम मानी जा रही है, बल्कि दोनों देशों के बीच सहयोग और भरोसे को भी मजबूती देती है।

महावा जंक्शन से ओमानथाई तक फैली उत्तरी रेलवे लाइन चक्रवात के कारण बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी। भारत ने इस पूरे हिस्से के पूर्ण पुनर्निर्माण में हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है। इस काम की शुरुआत भारत द्वारा घोषित 45 करोड़ डॉलर के व्यापक पुनर्निर्माण पैकेज के तहत की गई है, जिसका मकसद श्रीलंका में संपर्क, यातायात और जनजीवन को सामान्य करना है। परिवहन मंत्रालय के अनुसार, मरम्मत कार्य की औपचारिक शुरुआत के मौके पर संतोष झा, कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायुक्त, और श्रीलंका के परिवहन मंत्री बिमल रत्नायका मौजूद रहे। मंत्रालय ने बताया कि भारत की ओर से दिए गए 50 लाख डॉलर के अनुदान से उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के महावा जंक्शन पर पुनर्निर्माण कार्य शुरू हुआ है। भारत की मदद क्यों अहम मानी जा रही है? रेलवे मरम्मत से उत्तरी श्रीलंका में आवागमन तेज होगा। व्यापार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को सहारा मिलेगा। आपदा के बाद रोजगार और निर्माण गतिविधियां बढ़ेंगी। भारत-श्रीलंका संबंधों को रणनीतिक मजबूती मिलेगी। यह परियोजना दिखाती है कि भारत क्षेत्रीय संकट के समय पड़ोसी देशों के साथ खड़ा रहता है।

जिमी लाई: पत्रकार से डरा चीन, लगा दिया देशद्रोह का आरोप, सजा तय करने के लिए कोर्ट में बहस

हांगकांग, एजेंसी। हांगकांग की कोर्ट में पत्रकार जिमी लाई और उनके सह-आरोपियों पर सजा तय करने के लिए बहस हुई। वह कभी मीडिया टाइकून और लोकतंत्र का समर्थन करने के लिए जाने जाते थे। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत दोषी पाए जाने पर उन्हें उम्रकैद हो सकती है। 78 साल के लाई एप्पल डेली अखबार के संस्थापक थे। यह कंपनी अब बंद हो चुकी है। वह चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के मुखर आलोचक हैं। उन्हें 2020 में बीजिंग द्वारा लागू किए गए कानून के तहत गिरफ्तार किया गया था। उन्हें बाहरी लोगों के साथ देश के खिलाफ साजिश रचने और लेख प्रकाशित करने का दोषी पाया गया है।

अमेरिका और ब्रिटेन ने गिरफ्तारी की आलोचना की : उनका मामला बीजिंग के राजनयिक संबंधों पर भी काफी असर डाल सकता है। इसका कारण यह है कि अमेरिका और ब्रिटेन सहित विदेशी सरकारों ने उनकी गिरफ्तारी की आलोचना की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि लाई को दोषी ठहराए जाने पर उन्हें बुरा लगा। लाई को कोर्ट लाए जाने से पहले दर्जनों लोग पब्लिक गैलरी में जगह पाने के लिए कोर्ट के बाहर कतार में लग गए थे।

जजों ने लाई को मास्टरमाइंड बताया : लाई को विदेशी ताकतों के साथ मिलकर साजिश रचने के दो मामलों में और देशद्रोह किताबें बांटने की साजिश के एक मामले में दोषी ठहराया गया। लाई ने सभी आरोपों में खुद को निर्दोष बताया। सुरक्षा कानून के तहत मिलीभगत के आरोप में दोषी पाए जाने पर तीन साल से लेकर उम्रकैद तक की सजा हो सकती है, जो अपराध की प्रकृति और उसमें उसकी भूमिका पर निर्भर करता है। सरकार द्वारा चुने गए तीन जजों ने दिसंबर में अपने फैसले में लिखा कि लाई ने ही इन साजिशों का नेतृत्व किया था। लाई के वकीलों ने ट्रायल के दौरान माना कि राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू होने से पहले उन्होंने विदेशी प्रतिबंधों की मांग की थी, लेकिन उन्होंने कानून का पालन करने के लिए इन मांगों को छोड़ दिया था। उन्होंने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के आधार पर भी तर्क दिया।

लाई को छोड़कर बाकि सबने जुर्म कबूल किया : एप्पल डेली के छह पूर्व वरिष्ठ प्रबंधक और लाई के मामले में शामिल दो कार्याकर्ताओं ने अपना जुर्म कबूल कर लिया था। उन्होंने यह माना था कि लाई और दूसरों के साथ मिलकर विदेशी ताकतों से प्रतिबंध लगाने, नाकेबंदी करने या दूसरी दुश्मन वाली गतिविधियों में शामिल होने का अनुरोध करने की साजिश रची थी। जुर्म कबूल करने से आमतौर पर सजा कम हो सकती है। सुरक्षा कानून के तहत, दूसरों द्वारा किए गए अपराध की शिकायत करने वालों को कम सजा दी जा सकती है। लाई पांच वर्षों से हिरासत में हैं और वह काफी पतले हो गए हैं। अगस्त में, उनके वकीलों ने कोर्ट को बताया कि उन्हें दिल की धड़कन की समस्या है। हांगकांग सरकार ने कहा कि शिकायक के बाद लाई के स्वास्थ्य की जांच की गई।

कनाडा में 180 करोड़ की गोल्ड चोरी में एक गिरफ्तार

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा में सबसे बड़ी गोल्ड चोरी के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पील रीजनल पुलिस ने बताया कि 2023 में टोरंटो एयरपोर्ट से 180 करोड़ रुपए से ज्यादा कीमत का सोना चोरी हुआ था। इस मामले में एक अन्य आरोपी के भारत में होने का भी दावा किया गया है। पुलिस के मुताबिक, 'प्रोजेक्ट 24क्य' नाम से चल रही जांच के तहत 43 वर्षीय अरसलान चौधरी को टोरंटो पियर्सन इंटरनेशनल एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया। वह दुबई से कनाडा लौट रहा था। पुलिस का कहना है कि चौधरी का कोई स्थायी पता नहीं है। पील रीजनल पुलिस के मुताबिक, अरसलान चौधरी पर 5 हजार डॉलर से अधिक की चोरी, अपराध से हासिल संपत्ति रखने और आपराधिक साजिश के आरोप लगाए गए हैं। जांच एजेंसियों का कहना है कि यह गिरफ्तारी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रही जांच का अहम हिस्सा है। कैसे हुई कनाडा की सबसे बड़ी गोल्ड चोरी 17 अप्रैल 2023 को कनाडा में दोपहर 3 बजकर 56 मिनट पर स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख शहर से आ रही एक फ्लाइट कनाडा के टोरंटो शहर के पियर्सन इंटरनेशनल एयरपोर्ट लैंड हुई। इस फ्लाइट से शुद्ध सोने की 6,600 ईंटें और लगभग 2.5 मिलियन डॉलर (21 करोड़ रुपए से ज्यादा) की फॉरेन करेंसी लाई गई। सोने का कुल वजन करीब 400 किलो था, जिसकी कीमत 173 करोड़ रुपए थी।

कैश को वेंकुवर के 'बुलियन एंड करेंसी एक्सचेंज' और सोने को टोरंटो के ब्रष्ठ बैंक में जमा किया जाना था। सोने और कैश को एयरपोर्ट के कार्गो कंपाउंड में रखा गया। कनाडा पुलिस के मुताबिक, वारदात के दिन 5 बजकर 50 मिनट तक सोने वाला कंटेनर कार्गो फैसिलिटी में ही था। शाम 6 बजकर 23 मिनट पर एक 5 टन का बड़ा ट्रक फैसिलिटी के बाहर पार्क किया गया। इस ट्रक से एक फर्जी एयरवे बिल के साथ एक शख्स वेयरहाउस में दाखिल हुआ। सीसीटीवी में कैद हुए इस शख्स के हाथ में ये बिल देखा जा सकता है। ये बिल असल में सीफूड यानी समुद्री मछलियों की डिलीवरी के लिए था। जिन्हें एक दिन पहले ही कार्गो वेयरहाउस से ले जाया जा चुका था। कनाडा पुलिस के मुताबिक, असल में एयरपोर्ट के अंदर के एक आदमी ने प्रिंटर से पुराना बिल निकालकर इसे दूसरे बिल से बदल दिया था। सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक, शाम 7 बजकर 4 मिनट पर ट्रक का ड्राइवर वेयरहाउस में उस सोने वाले कार्गो के पास पहुंचा। 7 बजकर 27 मिनट पर कार्गो को उठाकर ट्रक में लोड किया गया और अगले 3 मिनट में ट्रक वेयरहाउस से चला गया। करीब साढ़े 9 बजे जब एक सिक्योरिटी कंपनी का असली ट्रक सोने वाला कार्गो लेने एयरपोर्ट पहुंचा, तो पता चला कि सोना तो पहले ही गायब हो चुका है। सुबह 2 बजकर 23 मिनट पर एयर कनाडा ने कनाडा पुलिस को फोन करके वारदात की सूचना दी।

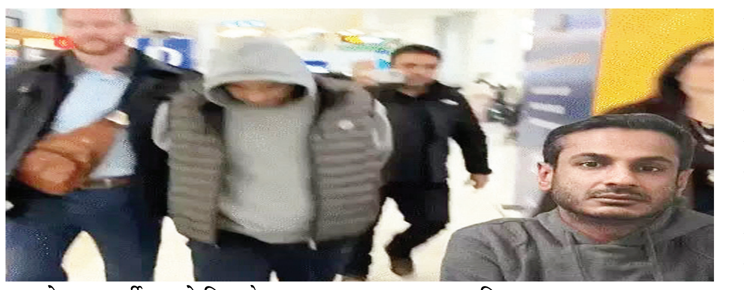

क्लेटेन कास्टलिनो टोरंटो में कस्टम्स क्लियरेंस बिजनेस के प्रेसिडेंट हैं। उन्होंने सीबीसी न्यूज से बातचीत में बताया कि कार्गो फैसिलिटी से कोई कार्गो ले जाने के लिए सिर्फ 2 चीजों की जरूरत होती है- कार्गो भेजने वाले की तरफ से एक लेटर और एक एयरवे बिल। इस बिल पर सही बिल नंबर होना चाहिए। चोरों के पास दोनों दस्तावेज थे। क्लेटेन के मुताबिक इनकी ठीक से जांच नहीं की गई।

चोरी में शामिल सिमरनप्रीत के भारत में होने का दावा : जांच में सामने आया कि ब्रैम्पटन निवासी 33 वर्षीय सिमरनप्रीत पनेसर ने इस चोरी में अहम भूमिका निभाई। पनेसर एयर कनाडा का पूर्व कर्मचारी है और उस पर एयरलाइन सिस्टम से छेड़छाड़ कर कार्गो को डायवर्ट करने का आरोप है। पुलिस का कहना है कि वह फिलहाल भारत में हो सकता है और उसके खिलाफ कनाडा में गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है।

साल्ट का डिफाल्ट

रोज अपने खाने में ऊपर से नमक डालने की आदत अधिकांश लोगों की है। कई लोग सब्जी बनाते समय ही ज्यादा नमक डालते हैं तो कई ऊपर से डालकर खाना पसंद करते हैं। लेकिन, ये सही नहीं है लोगों को सबसे पहले प्रोसेस फूड या अचार-पापड़ से दूर जाना पड़ेगा। क्योंकि, इनमें नमक की मात्रा अधिक होती है। आहार विशेषज्ञों का मानना है कि 25 साल तक तो नमक की ज्यादा मात्रा हजम की जा सकती है। लेकिन, इसके बाद इस पर कंट्रोल जरूरी है। ज्यादा नमक जिंदगीभर की बीमारी दे सकता है। क्षणभर के स्वाद के लिए यह कीमत ठीक नहीं। बच्चे भी भूख लगने पर चिप्स या पिज्जा पसंद करते हैं। कुछ लोग टाइम पास करने के लिए नमकीन मूंगफली के दाने भी खाते हैं। आपको यह जानकर हैरत होगी कि इस तरह के भोजन से शरीर को जरूरत से तीन गुना ज्यादा नमक मिलता है।

बढ़ जाता है सोडियम

25 साल की उम्र तक सामान्य लोगों को 2 से 3 ग्राम नमक खाना चाहिए और हाई ब्लड प्रेशर वालों को 1 ग्राम तक। फिर धीरे-धीरे नमक की मात्रा को कम कर देना चाहिए। नमक ज्यादा खाने से ब्लड और प्लाज्मा में सोडियम की मात्रा बढ़ जाती है। सामान्य व्यक्ति का ब्लड प्रेशर 120 बाय 80 होता है। ज्यादा नमक खाने से नसें छोटी हो जाती हैं। इससे उनमें ब्लड का प्रेशर बढ़ जाता है। इसके कारण अधिकतर लोग बीपी से परेशान हो जाते हैं। उनके पास छोटी उम्र के ब्लड प्रेशर मरीज भी बड़ी संख्या में आते हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि 10 साल की उम्र के लोग भी बीपी के शिकार होते हैं। इसका एकमात्र कारण टीवी के सामने बैठकर चिप्स या कुरकुरे जैसी चीजें खाना है। कोल्ड ड्रिंक्स, पापड़, मीठे सोडे से बनी चीजें, पॉपकॉर्न, रोस्टेड नट्स खाने से भी ऐसी परेशानी होती हैं। इसे खाने से बचना चाहिए। आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. नीना ओझा के अनुसार हर व्यक्ति को रोजाना सिर्फ 6 ग्राम नमक की जरूरत होती है। 18 से 40 साल तक के व्यक्तियों को इस मात्रा के अनुसार ही नमक खाना चाहिए। उम्र बढ़ने पर इसमें और भी कमी की जरूरत होती है।

इस मामले में बच्चों का खास ख्याल रखने की जरूरत है। उन्हें ज्यादा नमक खाने से रोकना चाहिए। आयुर्वेद विज्ञान के मुताबिक नमक पांच तरह के होते हैं। इसमें सेंधा नमक या रॉक सॉल्ट सबसे कम हानिकारक होता है। नमक बोले तो विज्ञान की भाषा में नमक को सोडियम क्लोराइड कहते हैं। इसमें पाया जाने वाला सोडियम शरीर के लिए फायदेमंद है। यह पोषक तत्वों को ब्लड सेल तक ले जाता है। क्लोराइड बैक्टीरिया खत्म करता है। इसके विपरीत इसकी ज्यादा मात्रा हाई ब्लड प्रेशर, स्ट्रोक और हार्ट अटैक जैसी समस्याओं को जन्म देती है।

ऐसे करें कम

- ब्रेड, प्रोसेस फूड, चीज, प्रोसेस मीट, कोल्ड वेजीटेबल, टिप्स, पापड़, अचार, सोया सॉस, पास्ता सॉसेस को नजरअंदाज करें।
- स्लिमिंग सूप और पास्ता को भी अनदेखा करें। निकी शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए नमक का प्रयोग होता है।
- ताजे फल और सब्जियों को भोजन में शामिल करें।
- नमक की जगह ऑरेंज, लेमन ज्यूस और लहसुन से रिप्लेस करें।
- अजीनोमोटो यानी मोनो सोडियम ग्लूकोजमेट का प्रयोग न करें।
- सॉल्टेड दाने, नट और पिज्जा न खाएं।
- फ्राइड राइस और हक्का नूडल्स जैसी डिशेस में बहुत ज्यादा नमक होता है।
- खाने से पहले अदरक की स्लाइस में सेंधा नमक लगाकर खाने से डाइजेशन सुधरता है।

हेल्थ प्लस

अनार करे कई रोगों को छूमंतर

फलों के संसार में सबसे सुंदर फल है अनार। यह देखने में जैसा सुंदर है, वैसा उत्तम गुणकारी है। अनेक रोगों की दवा है अनार । इसलिए, कहावत बन गई है, 'एक अनार सौ बीमार' अनार में छोटे-छोटे दाने होते हैं, मूंगे जैसे लाल रंग के लेकिन कुछ सफेद दाने वाले भी अनार होते हैं। यह तीन स्वादों में होता है। मीठा, खट्टा-मीठा और खट्टा ।

अनार कई रोगों में गुणकारी है। मीठे अनार तृषा, पित्तशामक, कृमि का नाश करने वाला, पेट रोगों के लिए हितकारी तथा घबराहट को दूर करने वाला होता है। अनार स्वरतंत्र, फेफड़े, हृदय, यकृत, आमाशय तथा आंतों के रोगों पर काफी लाभकारी है । अनार खाने से शरीर में शक्ति और विशेष प्रकार की चेतना उत्पन्न होती है। अनार के सभी अंगों का उपयोग औषधि के रूप में किया जाता है। आइए आज हम आपको बताते हैं बरसों से अपनाई जाने वाली दादी मां के कुछ असरदार नुस्खे -

आंखों की बीमारियों मे :

अनार के दानों को पीसकर उसका रस छान लें । इस रस को आंखों में डालने से आंखों की लाली और गर्मी दूर होती है।

पित्त की गर्मी :

मीठे पके हुए अनार का 400 ग्राम रस निकालें फिर इसमें 600 ग्राम चीनी मिलाकर आग पर पकाकर चाशनी बनाएं फिर इसमें 5 ग्राम केसर व 10 ग्राम इलायची का बारीक चूर्ण मिलाकर शीशे की बोतल में रख लें। 20 ग्राम की मात्रा में इस शर्बत को लेकर उतनी ही मात्रा में पानी मिलाकर पीएं। इससे पित्त वृद्धि के कारण उत्पन्न शारीरिक गर्मी और बेचैनी से राहत मिलती है। यह पित्त को खत्म करने वाला बेहतरीन शर्बत है। सेहत और स्वाद का तो जवाब नहीं ।

पित्त ज्वर :

100 ग्राम अनार का रस चीनी मिलाकर सुबह-शाम पीने से पित्त ज्वर शांत होता है। इससे लू विकार , घबराहट , उल्टी ,तृषा आदि का भी खात्मा होता है। अनार आपको वैसे भी कई रोगों से बचाता है।

अरूचि :

भूख न लगती हो, खाने के प्रति अरूचि हो तो 100 ग्राम अनार में एक चम्मच शहद व थोड़ा-सा सेंधा नमक मिलाकर पीने से लाभ होता है।

हृदय दर्द :

अनार के दानों का रस 10 ग्राम और मिश्री 10 ग्राम मिलाकर दिन में तीन बार पीने से हृदय का दर्द दूर होता है।

दांत का दर्द :

अनार के फूल को छाया में सुखाकर बारीक पीस लें। इसे मंजन की तरह दांतों पर मलने से दांत मजबूत होते हैं। दांतों से निकलने वाला खून भी बंद होता है।

बवासीर में :

बवासीर से निजात पाने के लिए अनार के छिलके का चूर्ण 5 ग्राम की मात्रा में लेकर उसमें नागकेसर मिलाकर सेवन करना चाहिए। इसे दिन में तीन बार कम से कम 10 दिनों तक लेते रहने से बवासीर से बचाव होता है।

बचें पानी की कमी से

ज्यादा मितली तथा उल्टी के कारण शरीर में निर्जलीकरण या पानी की कमी हो जाता है। इससे कुपोषण का खतरा हो जाता है। गर्भावस्था के पहले तीन मास में मितली होना तथा वमन (उल्टी) बहुत आम समस्या है।

- यह अधिकतर सुबह के समय होता है।
- गर्भावस्था के पहले 4 से 8 सप्ताह से प्रारंभ होकर 16 से 20 सप्ताह तक रहता है।
- कभी-कभी अत्यधिक मितली तथा उल्टी के कारण शरीर में निर्जलीकरण या पानी की कमी तथा कुपोषण होने का भय रहता है। इसे हाइपरएमैसिस ग्रैविडेरम या अतिवमन के नाम से जाना जाता है, जिसमें तुरंत चिकित्सा की आवश्यकता होती है।

संभावित कारण

- शरीर में हॉर्मोन के स्राव में परिवर्तन।
- रक्त में शकर की कमी।
- मानसिक तनाव, यात्रा तथा कुछ खाद्य पदार्थ समस्या में वृद्धि कर सकते हैं।

आराम पाने के सरल उपाय

- सुबह बिस्तर से उठने से पहले ठोस आहार जैसे बिस्किट अथवा सिका हुआ टोस्ट खाएं।
- जागने के तुरंत बाद बिस्तर से न उठें। धीरे-धीरे थोड़ा समय लगा कर उठें।
- एक साथ भोजन लेने की अपेक्षा, थोड़े समय के अंतर पर थोड़ी-थोड़ी मात्रा में कुछ खाते रहें। खाना न छोड़ें।
- जिन खाद्य पदार्थों की गंध से लक्षणों में वृद्धि हो, उन्हें न खाएं।
- पानी तथा अन्य तरल पदार्थ पर्याप्त लें।
- जब भी अवसर मिले, पर्याप्त आराम और नींद अवश्य लें।
- अदरक तथा खाद्य पदार्थ जिनमें विटामिन बी-12 की मात्रा अधिक हो जैसे अन्न, मेवे तथा फलियां आदि के सेवन से लक्षणों में सुधार आ सकता है।

चिकित्सक की सलाह लें

- उपरोक्त उपायों से लक्षणों में कमी न आए।
- यदि दिन में तीन बार से अधिक उल्टी हो।
- यदि कोई भी खाद्य या तरल पदार्थ लेने से उल्टी हो।

यहां कुछ होम्योपैथिक औषधियां दी जा रही हैं, जिन्हें मितली तथा उल्टी के प्राथमिक उपचार में प्रयोग किया जा सकता है। किसी भी औषधि के प्रयोग से पहले किसी योग्य होम्योपैथिक चिकित्सक की सलाह लेना उचित रहेगा।

लक्षण और दवाइयां

सिम्फोरिकारपस रेसिमोसा 30

- बार-बार उल्टी होना।
- मितली में यदि चलने-फिरने से वृद्धि हो तथा पीठ के बल लेटने से आराम मिले।
- खाद्य पदार्थों के प्रति अरूचि होना।
- मुंह का स्वाद कड़वा होना तथा खट्टा अम्लीय द्रव (एसिड) मुंह में आना।

इपिकाकुआन्हा 30

- लगातार मितली या उल्टी होना।
- साफ जीभ के साथ, मुंह में अधिक लार बनना।
- पानी पीने की इच्छा न होना।

लोबीलिया इन्फ्लाटा 30

- अत्यधिक मितली तथा उल्टी होना।
- उदर (पेट) के ऊपरी क्षेत्र में कमजोरी तथा खालीपन का आभास होना।
- मुंह में अत्यधिक लार बनना तथा अत्यधिक भूख लगना।

नक्स वॉमिका 30

- मितली तथा उल्टी के साथ अत्यधिक उबकाई आना।
- उल्टी की प्रवृत्ति होते हुए भी उल्टी न होना।

सीपिया 30

- खाद्य पदार्थों की गंध तथा उन पर दृष्टि पड़ने पर भी मितली होना।
- करवट में लेटने से तथा सुबह कुछ खाने से पहले लक्षणों में वृद्धि होना।
- खाने के बाद उल्टी हो जाना।

उम्र बढानी है तो चर्बी कम करें

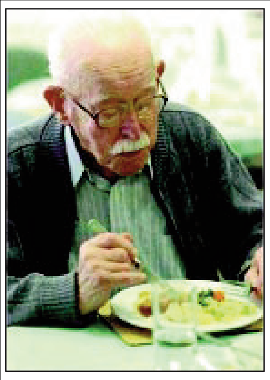

पिछले दिनों नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट के अध्ययन की जो रिपोर्ट सामने आई उससे ज्ञात हुआ कि अधिक वजन वाले व्यक्तियों को मृत्यु का खतरा 20 से 40 प्रतिशत तक अधिक हो सकता है। वैसे भी शोध बताते हैं कि मोटापे का अर्थ है, उच्च रक्तचाप, डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल, कैंसर, दिल की बीमारी और स्ट्रोक। अनेक ऐसी बीमारियां हैं जो केवल मोटापे की देन हैं।

अभी तक अनेक अनुसंधान इस विषय पर हो रहे हैं और नतीजे आने बाकी हैं। लेकिन इसमें संदेह नहीं कि मोटापा जिंदगी के कुछ साल कम कर देता है। बॉडी मास इंडेक्स 18.5 से 24.9 तक सामान्य, 25 से 29.9 तक ज्यादा और 30 या उससे ज्यादा वजन को मोटापे की श्रेणी में रखा जाता है। यदि आप बहुत मेहनत का काम नहीं करते तो जितना वजन है उसी पर टिके रहें। इसमें आप 30 कैलरी प्रतिकिलो के हिसाब से एक दिन में ले सकते हैं। मेहनत-मशक्कत करने वाले हैं तो प्रतिदिन 35 कैलरी ले सकते हैं। ध्यान रखें कियदि वजन कम करना चाहते हैं तो प्रतिदिन की कुल कैलरी में 500 कैलरी कम कर दें। वजन बढाने के लिए ठीक इसका उल्टा कर दें यानी 500 कैलरी ज्यादा लें।

कैंसर के मरीज ठंड से बचें

बीमार आदमी को यूं भी ठंड में परेशानी ज्यादा होती है। लेकिन आम आदमी शायद यह नहीं जानता होगा कि कैंसर के रोगियों की परेशानी ठंड में 15 से 20 गुना बढ जाती है। विशेषकर जिन मरीजों की कीमोथेरेपी या रेडियो थेरेपी हो रही हो, उन्हें सर्दी बहुत तंग करती है। ऑल इंडिया मेडिकल इंस्टीट्यूट के डॉक्टर हर्ष का कहना है कि कैंसर के रोगी को विशेष देखभाल की जरूरत होती है। इन्हें सर्दी-जुकाम से बचना चाहिए। सर्दी में उनकी बीमारी से लड़ने की क्षमता कमजोर हो जाती है। सर्दी के मौसम में कैंसर के कारण होने वाले रोगों में हाइपोथर्मिया भी है। जब शरीर जरूरत के हिसाब से गर्मी न पैदा कर पाए तो समझ लेना चाहिए कि हाइपोथर्मिया हावी हो गया। सर्दी में शीत लहर से ग्रस्त होने पर त्वचा और नीचे के ऊतक फ्रीज हो जाते हैं। इसमें त्वचा पीली हो सुन्न हो जाती है। इसका ज्यादा असर उंगलियों, नाक और कान पर होता है।

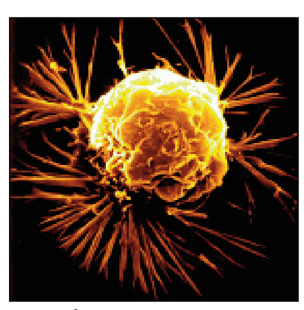

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-5-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली - 1957

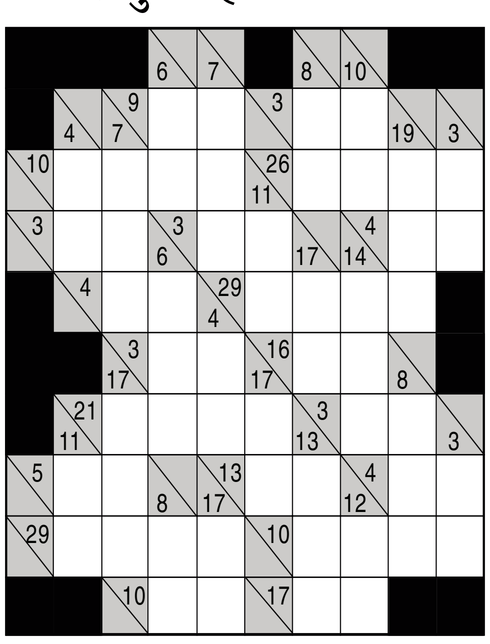

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

■	24\15	1	2	3	4	5
	7					
	8					
	9					

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 1956 का हल

■	■	23\	17\	■	■	24\	3\	■	■
■	24\16	7	9	■	11\11	9	2	22\	■
\23	9	6	8	24\19	2	7	1	9	17\
\8	7	1	23\21	9	4	8	20\16	7	9
\35	8	9	6	7	5	12\23	9	6	8
■	4\	12\17	9	8	11\17	9	8	24\	7\
\15	3	4	8	21\15	1	2	3	5	4
\3	1	2	17\9	5	3	1	16\11	9	2
■	\30	6	8	9	7	\10	7	2	1
■	■	\16	9	7	■	\17	9	8	■

लॉफिंग ज़ोक्स

चिंकी (सोनू से)– तुम्हें पता है, मेरा भतीजा इतना खराब है कि दिन में कम से कम सात-आठ बार कपड़े बदल ही लेता है।

सोनू परेशान होकर– ऐसा क्यों? क्या उसे कपड़े बदलने की बीमारी हो है?

चिंकी– नहीं नहीं....! अरे पगली! अभी तो वह छः माह का ही है।

□ □ □

शादी की पच्चीसवीं सालगिरह पर पार्टी में आए मेहमानों ने जब नरेश से पूछा कि- बताओ नरेश! आपके हिसाब से सफल वैवाहिक जीवन का राज क्या है?

नरेश बोला– यह वैवाहिक जीवन तभी सफल साबित हो सकता है जब पत्नी बहरी और पति पूरी तरह अंधा बनकर जीवन बिताएँ।

□ □ □

पेशी के दौरान वकील महिला से बोला– जब तुम उस अपराधी से मिलने गई थी और उसने तुमसे जो कहा था, वो अदालत में जज साहब से कह दो।

महिला– नहीं...! मैं वो बात किसी भले आदमी के सामने नहीं कह सकती।

वकील बोला– तो ठीक है! जाकर जज साहब के कान में तो कह ही सकती हो।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 1957

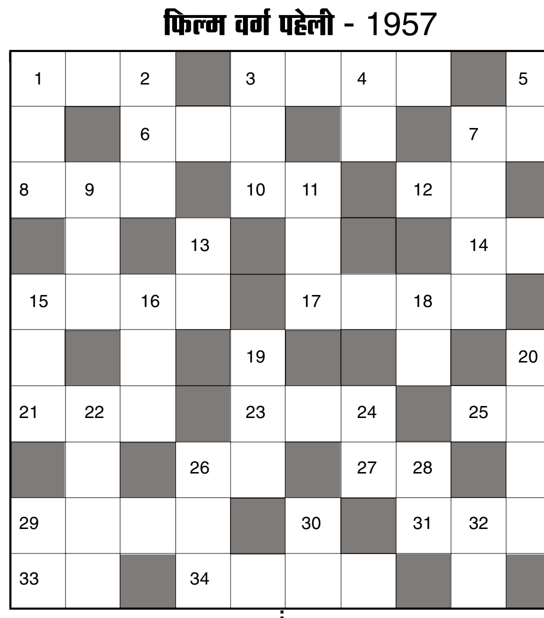

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, करीना की 'जिसे तू ना मिला उसे कुछ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कितनी खूबसूरत ये' गीत वाली अमिताभ, विनोद, राखी की फिल्म-४
६. 'दिल विल प्यार व्यार' में आर. माधवन के साथ नायिका-३
७. सनी, प्रीति जिंटा की 'देखें भी तो क्या देखें' गीत वाली फिल्म-२
८. 'कैसी है दिल की लगी' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१०. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार की नायिका कौन थी?-२
१२. 'दिल में जागी धड़कन' गीतवाली लक्कीअली, गौरी की फिल्म-२
१४. 'माया मेमसाब' में शाहरूख के साथ नायिका कौन थी-२
१५. अजय देवगन, रवीना की 'एक से लेकर दस तक' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'लिखे जो खत तुझे' गीत वाली शशिकपूर, आशापारेख की फिल्म-४
२१. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज मदहोश हुआ जाए रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
२५. मनोज वाजपेयी, तब्बू की 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. फिल्म 'इंडियन' में शिल्पा शेट्टी के साथ नायक कौन था?-२
२७. फिल्म 'बँबई से आया मेरा दोस्त' की नायिका कौन थी?-२
२९. 'आज फिर तुम पे प्यार आया है' गीत वाली फिल्म-४
३१. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
३३. नसीर, अतुल, पूजाभट्ट की 'आज हमने दिल का' गीत वाली फिल्म-२
३४. 'गम का फसाना बन' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'शरारत' में अभिषेक की नायिका?-३
२. 'अजनबी' में राजेश की नायिका?-३
३. अरशद, मयूरी कांगो की 'गुनगुनाती हुई इक नदी' गीत वाली फिल्म-३
४. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
५. सनी, सुनील, शिल्पा की 'शाम भी खूब है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
९. संजय कपूर, जूही चावला की 'प्यार में दिल का' गीत वाली फिल्म-३
११. 'दूल्हा-दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-३
१३. 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'तू ही तू सतरंगी' गीतवाली फिल्म-२,१
१६. राज कुमार, हेमा, शत्रुघ्न, विजयेंद्र, मिथुन की १९८४ की एक फिल्म-३
१८. चंद्रचूड़सिंह, महिमा की फिल्म-२
१९. मिलिंद, विक्रम सलूजा, किरण की 'चंदा की चांदनी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'जैसे इक चाँद का टुकड़ा' गीत वाली सनी, अनिल, किमी की फिल्म-४
२२. 'बॉक्सर भाई' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'चंपई धूप के साये' गीतवाली फिल्म-२
२६. 'आँखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-३
२८. संजय कपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'ये कैसा है शहर' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'कसूर' में आफताब शिवदासानी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 1956

अं	जा	म	■	जै	■	बा	द	शा	ह
गा	■	न	म	की	न	■	म	■	म
रे	खा	■	हा	■	गी	त	■	ही	रा
■	मो	ह	रा	■	ना	रा	ज	■	ज
■	शी	■	जा	नू	■	जू	■	फ	■
स	■	गो	■	त	ब्बू	■	दो	रा	स्ते
ती	स	रा	कौ	न	■	बा	■	र	■
श	■	■	न	■	जं	जी	र	■	घा
शा	र	दा	■	जं	ग	■	क्ष	त्रि	य
ह	■	सी	मा	■	ल	■	क	■	ल

सूडोकु -1957

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 1956 का हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

शब्द पहेली - 1957

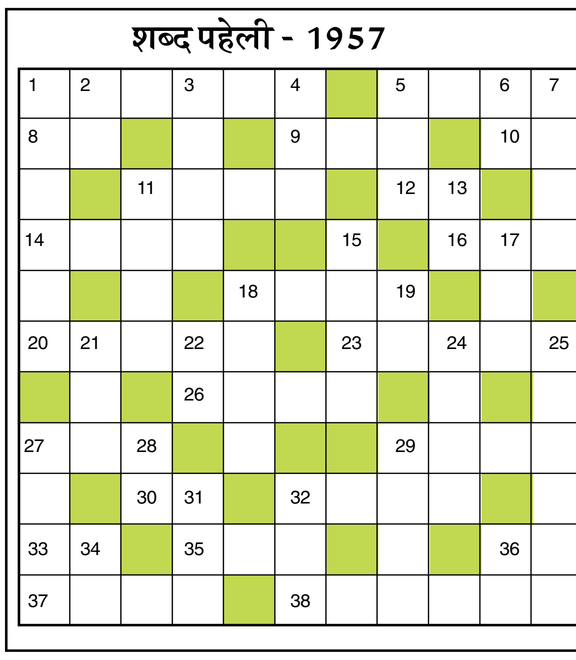

बाएँ से दाएँ

1.हलचल,कोलाहल-3,3
5.मानवीयता-4
8.शरीर, बदन-2
9.ऊंचाई-3
10.तीर, बाण-2
11.मनमोहक-4
12.रग, नाड़ी-2
14.दुत्कारना-4
16.चतुर, फुर्तीला-3
18.साझेदार-4
20.रमण लायक-3,2
23.भारी, वजन वाला-5
26.असावधानी-4
27.दाल पीसना-3
29.निश्चित-4
30.कविता-2
32.शरीर व इच्छा-2,2
33.भारत के झंडे का एक एक रंग-2
35.सलाम करना-3
36.रास्ता-2
37.राह पर चलनेवाले-4
38.जहाज चलाने की प्रक्रिया-3,3

ऊपर से नीचे

1.पैतृक संपत्ति का वारिस-6
2.गाय के स्तन-2
3.प्रसन्न होने का भाव-4
4.लगन, जिज्ञासा-3
5.खदान,खान (अंग्रेजी में-3)
6.अधीन, काबू-2
7.डामर, टार-4
11.पूर्वरक्षण, रिजर्वेशन-4
13.सच्चाई-2
15.दुश्मनी,शत्रुता-4
17.घूंघट, बुरखा-3
18.भाग्य का लेखा-जोखा-4
19.धूल, रेत-2
21.भवन, प्रसाद-3
22.जोड़, कुल-2
24.लावण्ययुक्त-4
25.जीवन निर्वाह का ढंग,-3,3
27.विजयादशमी-4
28.मोड़, छोर-2
29.मृत्यु का देवता, यम-4
31.बुरी आदत-3
32.सभ्य व्यवहार-3
34.मार्ग-2
36.गोंद, वार्निश-2

शब्द पहेली - 1956 का हल

ह	ल	च	ल	■	टा	■	द	वा	खा	ना
■	क्ष्य	■	व	■	ल	क	वा	■	र	ज
ज	■	■	कु	सु	म	■	त	■	■	नी
ब	द	मा	श	■	टो	ना	■	सौ	त	न
र	■	हि	■	फा	ल	■	प्रा	■	न	■
न	ग	र	वा	सी	■	ग	ण	ना	य	क
■	र	■	द	■	मा	ली	■	पा	■	ल
अ	ल	ग	■	म	न	■	चौ	की	दा	र
प	■	■	चि	■	सि	स	की	■	■	व
रा	ज	■	क	न	क	■	दा	■	मे	■
ध	ड़	क	न	■	ता	■	री	मा	ला	गू

'फूलों की घाटी' की ऊंची चोटियों पर चार दिन से आग का तांडव, सेना की मदद के लिए सरकार को लिखा पत्र

एजेंसरी

देहरादून। उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित विश्वप्रसिद्ध 'फूलों की घाटी' के बफर जोन क्षेत्र में स्थित ऊंची चोटियों के जंगलों में पिछले चार दिन से आग लगी हुई है। वन विभाग की टीम ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन क्षेत्र की विषम भौगोलिक परिस्थितियों और हाड़ कंपा देने वाली ठंड के कारण टीम को पीछे हटना पड़ा। जिला प्रशासन ने आग पर काबू पाने के सेना से मदद के लिए सरकार को पत्र लिखा है। जिले में समुद्र तल से लगभग 3500 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पुलना और भ्यूंडार गांव के ठीक सामने की पहाड़ियों पर 9 जनवरी से आग धधक रही है। आग की गंभीरता को देखते हुए वन क्षेत्राधिकारी चेतना कांडपाल के नेतृत्व में 10 सदस्यीय टीम घटनास्थल के लिए रवाना हुई थी। विभाग ने सर्वप्रथम स्थानीय ग्राम पुलना के महिला मंगल दल और अन्य ग्रामीणों से सहयोग की अपील की, ताकि सामूहिक प्रयासों से आग को बुझाया जा सके। हालांकि, आग वाले स्थान के अत्यधिक दुर्गम और जोखिम भरा होने के कारण ग्रामीणों ने वहां जाने में असमर्थता व्यक्त की। ग्रामीणों का कहना था कि ऐसी खड़ी और खतरनाक पहाड़ियों पर जाना जीवन को सीधे तौर पर संकट में डालना है। विभागीय टीम ने प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद आगे बढ़ने का निर्णय लिया और दांडीसाल के रास्ते लक्ष्मण गंगा को पार किया,लेकिन जैसे-जैसे टीम ऊपर की ओर बढ़ी, प्रकृति की चुनौतियों ने रास्ता रोक दिया।

नीलगिरि में पोंगल उत्सव में शामिल हुए राहुल गांधी, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सौहार्द पर दिया जोर

नीलगिरि। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तमिलनाडु दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने नीलगिरि जिले के गुडलूर (कूडलोर क्षेत्र) स्थित एक निजी विद्यालय में आयोजित धर्मनिरपेक्ष समानता पोंगल उत्सव में भाग लिया और छात्रों को संबोधित किया। अपने संबोधन की शुरुआत में राहुल गांधी ने बारिश में बच्चों को बैठने की असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया। इसके बाद उन्होंने कहा कि आज का दौर सूचना का युग है, जहां जानकारियां आसानी से उपलब्ध हैं, लेकिन उन जानकारियों को ज्ञान में बदलने की क्षमता विकसित करना ही शिक्षा का मुख्य उद्देश्य होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बिना सोचे-समझे सूचनाओं को स्वीकार किया गया, तो समाज गलत दिशा में चला जाएगा। राहुल गांधी ने अपने छात्र जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि वे स्कूल के दिनों में काफी शरारती थे और शिक्षकों के लिए एक कठिन छात्र माने जाते थे। उन्होंने बताया कि छात्रावास में रहते हुए भी वे खुश रहते थे और अपनी दादी, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से उन्होंने जीवन के महत्वपूर्ण मूल्य सीखे। उन्होंने यह भी कहा कि माता-पिता से मिलने की चाह में वे कभी-कभी यह कह देते थे कि वे खुश नहीं हैं।

मप्र में मराठी साहित्य अकादमी के कविवर्य भास्कर रामचंद्र तांबे पुरस्कारों की घोषणा

भोपाल। मध्य प्रदेश में मराठी साहित्य अकादमी, भोपाल द्वारा स्थापित 'कविवर्य भास्कर रामचंद्र तांबे कृति पुरस्कारों' की घोषणा कर दी गई है। कैलेंडर वर्ष 2021 के लिए यह पुरस्कार कविता-नाटक और कहानी-उपन्यास की श्रेणियों में प्रदान किए जाएंगे। मराठी गौरव दिवस के मौके पर आगामी 27 फरवरी को भोपाल में आयोजित भव्य समारोह में वर्ष 2021 की कृतियों के तीन साहित्यकारों को सम्मानित किया जाएगा। प्रदेश के संस्कृति एवं पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने उक्त जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जलगांव के रचनाकार बालकृष्ण सोनवणे को कविता-नाट्य लेखन श्रेणी में उनकी कृति समजूतदार जाणिवांचे कवाडसे को पुरस्कार के लिए चुना गया है। कहानी (कथा)/कादम्बरी (उपन्यास) श्रेणी में दो रचनाकारों को संयुक्त रूप से पुरस्कृत किया जाएगा। इसमें मुंबई के जयंत पवार की कृति मोरी नींद नसानी होय और सोलापुर की गीता जोशी की कृति डोकं शाबूत आहे का चयन किया गया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के जयपुर आगमन की तैयारियों की समीक्षा, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में बैठक

जयपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के 16 जनवरी को प्रस्तावित जयपुर आगमन के संबंध में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में सचिवालय में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रपति के कार्यक्रमों से संबंधित प्रशासनिक, सुरक्षा एवं प्रोटोकॉल तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, आवास, चिकित्सा सुविधाओं, साफ-सफाई तथा प्रोटोकॉल संबंधी सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति का आगमन प्रदेश के लिए गौरव का विषय है, ऐसे में सभी अधिकारी अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ करें।

भ्रष्टाचार कानून की धारा 17ए को सुप्रीम कोर्ट के एक जज ने बताया असंवैधानिक, दूसरे ने दी सशर्त मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट के दो जजों की बेंच ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए की संवैधानिकता पर खंडित फैसला सुनाया है। यह प्रावधान 2018 के संशोधन द्वारा जोड़ा गया था, जिसमें यह अनिवार्य है कि अधिनियम के तहत किसी लोक सेवक के खिलाफ जांच शुरू करने से पहले सरकार से पूर्व मंजूरी लेनी होगी। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस केवी विश्वनाथ की बेंच ने अलग-अलग फैसला सुनाया है। भ्रष्टाचार विरोधी कानून पर दोनों जज एक-दूसरे से असहमत दिखे हैं। जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि धारा 17ए असंवैधानिक है, वहीं जस्टिस केवी विश्वनाथन ने ऐसा करने से इनकार किया। इसके बजाय उन्होंने इसे इस तरह से पढ़ा कि मंजूरी का सवाल

लोकपाल या लोकायुक्त द्वारा तय किया जाना चाहिए। जस्टिस नागरत्ना ने कहा, 'धारा 17ए असंवैधानिक है और इसे खत्म कर देना चाहिए। कोई पूर्व मंजूरी लेने की जरूरत नहीं है।' उनके अनुसार यह प्रावधान विनीत नारायण और सुब्रमण्यम स्वामी मामलों में जिन व्यवस्थाओं को पहले ही खत्म किया जा चुका है, उन्हें दोबारा लागू करने की कोशिश है। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि पूर्व मंजूरी की शर्त कानून के मूल उद्देश्य के ही खिलाफ है। यह जांच प्रक्रिया में बाधा पैदा करती है और ईमानदार एवं सत्यनिष्ठ अधिकारियों की रक्षा करने के बजाय उन भ्रष्ट लोगों को बचाने का काम करती है, जिन्हें वास्तव में किसी संरक्षण की आवश्यकता नहीं है।

जबकि जस्टिस विश्वनाथन ने कहा कि एक स्वतंत्र एजेंसी, जो कार्यपालिका से मुक्त हो, उसे मंजूरी का सवाल तय करना चाहिए। इसलिए उन्होंने निर्देश दिया कि मंजूरी लोकपाल/लोकायुक्त द्वारा तय की जानी चाहिए। धारा 17ए संवैधानिक रूप से वैध है, इस शर्त के साथ कि मंजूरी राज्य के लोकपाल या लोकायुक्त द्वारा तय की जानी चाहिए। 'उन्होंने आगे कहा कि इस प्रावधान को खत्म करने का मतलब 'बच्चे को नहाने के पानी के साथ बाहर फेंक देना' होगा और जब तक ईमानदार और लोक सेवकों को बेवजह की जांच से नहीं बचाया जाता, तब तक 'नीतिगत लकवा' आ जाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लोक सेवक को दुर्भावनापूर्ण मामलों से बचाने की जरूरत और सार्वजनिक कार्यालयों में ईमानदारी बनाए रखने के महत्व के बीच एक अच्छा संतुलन बनाए रखना होगा।

संजय राउत का बड़ा बयान, कहा- मराठी मानुष को भाजपा से सबसे बड़ा खतरा

एजेंसी

मुंबई । महाराष्ट्र में नगर निगम चुनावों से पहले राजनीतिक माहौल लगातार गर्म होता जा रहा है। 15 जनवरी को राज्य के 29 नगर निगमों में होने वाले मतदान से पहले सभी राजनीतिक दल पूरी ताकत से मैदान में उतर चुके हैं। इसी बीच शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत के एक बयान ने सियासी हलकों में हलचल मचा दी है। मुंबई में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में संजय राउत ने फर्जी और डुप्लीकेट मतदाताओं का मुद्दा उठाते हुए तीखा बयान दिया। उन्होंने दावा किया कि शिवसेना (यूबीटी) ने ऐसे मतदाताओं पर नजर रखने के लिए करीब 5,000 लोगों की एक टीम तैयार की है। संजय राउत ने कहा कि जहां भी फर्जी मतदाता दिखाई देंगे, वहां से उन्हें सूचना मिलेगी और पार्टी कार्यकर्ता मौके पर पहुंचेंगे। शिवसेना और मनसे की टीमें हर जगह मौजूद हैं और वे फर्जी मतदान को बर्दाश्त नहीं करेंगे। संजय राउत ने आरोप लगाया कि फर्जी मतदान गैरकानूनी है और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने की साजिश का हिस्सा है। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा और एकनाथ शिंदे गुट पर पैसे बांटने का आरोप भी लगाया।

राउत ने कहा कि जहां शिंदे गुट के लोग पैसे बांट रहे हैं, वहां भाजपा के लोग उनसे निपट रहे हैं, और जहां भाजपा के लोग पैसे बांट रहे हैं, वहां शिंदे गुट के लोग कार्रवाई कर रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि इस समस्या से निपटने की जिम्मेदारी उन्होंने उन्हीं पर छोड़ दी है और मानो यह काम 'आउटसोर्स' कर दिया गया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान संजय राउत भाजपा नेता के. अन्नामलाई के एक बयान पर भी नाराज नजर आए।

कांग्रेस नेता बोम्मा महेश के सनातन पर दिया उनका बयान अज्ञानता का परिणाम : गिरिराज सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस एमएलसी बोम्मा महेश के सनातन धर्म पर दिए बयान की आलोचना की। इसे भारतीय संस्कृति को लेकर उनकी 'अज्ञानता' का परिणाम बताया। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि गीता में कहा गया है कि 'यदा यदा धर्मस्य ग्लानि भवति भारत' अर्थात जब-जब भारत में ऐसे असुर पैदा होंगे, तो राम और कृष्ण पैदा होंगे। इसी को देखते हुए मौजूदा समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं, जो भारत में अनवरत विकास के पथ पर अग्रसर कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में भारत दोहरी गति से विकास कर रहा है और विकास से संबंधित कामों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि आज की तारीख में कांग्रेस और मणिशंकर अय्यर पाकिस्तान के एंबेसडर बन चुके हैं, जो पाकिस्तान की आवाज हैं। ये लोग लगातार पाकिस्तान के हित में अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं। इससे यह साफ जाहिर हो रहा है कि इन्हें भारत के हितों से कोई लेना-देना नहीं है। ये लोग सिर्फ पाकिस्तान के बारे में सोचते हैं और उसके हित को लेकर ही अपनी आवाज को बुलंद करते हैं। केंद्रीय मंत्री ने

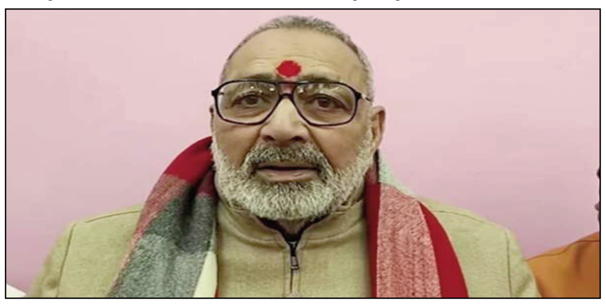

आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में आतंकवादियों को पालने पोषणे का काम किया है। इन लोगों ने आतंकवाद को समृद्ध किया। इन लोगों ने ऐसा करके देश की शांति में खलल पैदा करने की कोशिश की, जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पहले देश के विभिन्न हिस्सों में आतंकी घटनाएं सुनने को मिली थी। लेकिन, आज की तारीख में ऐसा कहीं पर देखने को नहीं मिलता है। यह हमारे लिए सुखद संकेत है कि आज सभी आतंकवादियों चूहे की तरह किसी बिल में घुस चुके हैं। ये लोग आज की तारीख में सिर उठाने की जहमत नहीं उठा पा रहे हैं, नहीं तो अगर दौर था, जब इन लोगों ने आम लोगों का जीना दूभर कर दिया था।उन्होंने कहा कि आज इस देश में आतंकियों के जेहन में कानून-व्यवस्था को लेकर खौफ का अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि अगर इन लोगों ने किसी भी प्रकार के नापाक इरादों को धरातल पर उतारने के बारे में सोचा, तो इन लोगों के लिए नर्क के द्वार खुल जाते हैं।

राजद और कांग्रेस के विधायकों में अपनी पार्टी और गठबंधन को लेकर नाराजगी : चिराग पासवान

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने कांग्रेस और महागठबंधन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने विपक्ष की आंतरिक कमजोरियों को उजागर करते हुए कहा कि कांग्रेस और राजद में असंतोष साफ दिख रहा है। चिराग पासवान ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'जो बात साफ है, उसके लिए सबूत की क्या जरूरत है? जब आपका अपना विधायक आपकी पार्टी के कार्यक्रम में नहीं आता, तो यह साफ दिखाता है कि वहां कुछ ठीक नहीं है। मैंने पहले भी कहा है कि राजद और कांग्रेस के विधायकों में अपनी पार्टियों और गठबंधन को लेकर जो नाराजगी थी, वह अब सामने आ रही है। उनकी पार्टी और विधायक एकजुट रहेंगे या नहीं, इस पर मैं कोई कमेंट नहीं करूंगा।' उन्होंने राजद नेता तेजस्वी यादव के हालिया बयान पर भी कटाक्ष किया। तेजस्वी ने लोकतंत्र पर सवाल उठाते हुए कहा था कि 'लोक की हार हुई, तंत्र जीता'। चिराग ने पलटवार करते हुए कहा, 'यह कैसा लोकतंत्र है जिसका विपक्ष बार-बार जिक्र करता है? यह कैसी डेमोक्रेसी है जहां विपक्ष

खुद ही चुप रहेगा? क्या इसी वजह से आपको विपक्ष की भूमिका दी गई थी? अगर आपको चुप ही रहना था, तो आपको विपक्ष के नेता का पद किसी और को दे देना चाहिए था। '

इसके अलावा, महाराष्ट्र में चल रहे भाषा विवाद पर चिराग पासवान ने कहा, 'यह ऐसी सोच है जो देश को बांटती है। हम सब भारतीय हैं, और हर भारतीय को सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान करना चाहिए। भाषाएं एक-दूसरे के लिए दोस्त, साथी और पार्टनर की तरह होती हैं। उन्हें साथ मिलकर आगे बढ़ना चाहिए। ' उन्होंने कहा, 'मैं बिल्कुल भी ऐसी सोच का समर्थन नहीं करता, जहां आप एक विदेशी भाषा को अपनाते हैं, आपको इंग्लिश से कोई आपत्ति नहीं है, आप अपने बच्चों को इंग्लिश-मीडियम स्कूलों में भेजते हैं, आप अपने बच्चों को विदेश पढ़ने भेजते हैं, लेकिन आपको एक भारतीय भाषा को अपनाने पर आपत्ति होती है। '

कांग्रेस ने चीनी प्रतिनिधिमंडल से भाजपा नेताओं की मुलाकात पर उठाए सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के प्रतिनिधिमंडल की यहां भाजपा नेताओं से मुलाकात और चीन के जम्मू-कश्मीर की शक्सगाम घाटी इलाके को अपना बताने पर सवाल उठाया।कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने यहां पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा, भाजपा ने अपने मुख्यालय में सीपीसी के नेताओं के साथ बैठक की। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या इस बैठक में उन मुद्दों पर चर्चा हुई, जिनमें चीन ने भारत के हितों पर कुठाराघात किया है। खेड़ा ने पूछा कि क्या इस दौरान गलवान, लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश पर बात हुई, क्या शक्सगाम घाटी पर चीन के दावे पर चर्चा हुई और क्या इस बैठक में सेना के अधिकारियों द्वारा बताए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन-पाकिस्तान सहयोग का मुद्दा उठा। उन्होंने कहा कि चीन ने पाकिस्तान को

एचक्यू-9 एयर डिफेंस सिस्टम और पीएल-15 मिसाइलें दीं, जो ऑपरेशन सिंदूर में भारत को निशाना बना रही थीं, फिर भी सरकार ने चीन की शर्तों को स्वीकार करते हुए मानसरोवर यात्रा शुरू की। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार की विदेश नीति डांवाडोल है। कांग्रेस प्रवक्ता कहा कि चीन हमारे देश के नक्शे को बदलने की कोशिश करता है, सरकार उनके ऐप प्रतिबंधित कर देती है। चीन हमारे फर्टिलाइजर और रेयर अर्थ मेटल रोक देता है, जिससे देश को नुकसान होता है। गलवान घाटी में हमारे 20 जवान बलिदान हुए, लेकिन सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ता। खेड़ा ने आरोप लगाया कि चीन पैंगोंग झील के रास्ते मिलिट्री पुल बना रहा है और ब्रह्मपुत्र नदी पर डैम बना रहा है, लेकिन सरकार खामोश है।उल्लेखनीय है कि सोमवार को भाजपा और सीपीसी के बीच नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में बैठक हुई थी। सीपीसी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सुन हेयान ने किया, जो सीपीसी के इंटरनेशनल डिपार्टमेंट के उप मंत्री हैं। भाजपा प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने किया। भाजपा के विदेश मामलों के विभाग के प्रभारी विजय चौथाईवाला ने एक्स पोस्ट में लिखा था कि दोनों पार्टियों के बीच इंटर-पार्टी कम्युनिकेशन को बढ़ाने पर चर्चा हुई।

जनता के सुझावों का परीक्षण कर जनभावना के अनुरूप बनाया जाएगा बजट : राज्यवर्धन

एजेंसरी

दौसा। दौसा जिला प्रभारी मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने सिकराय की पांचोली ग्राम पंचायत में आयोजित रात्रि चौपाल में ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों, हितधारकों एवं आमजन के साथ संवाद कर राज्य बजट के संबंध में सुझाव लिए। उन्होंने कहा कि आमजन के प्रति संवेदनशील राज्य सरकार जनता के सुझाव प्राप्त कर जनभावना के अनुरूप बजट बना रही है। जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आमजन के हित और पसंद का बजट पेश करने की पहल की, जिसके तहत सांसद फील्ड में जाकर विभिन्न हितबद्ध समूहों, विशेषज्ञों एवं आम लोगों से सुझाव लेते हैं और फिर उनका बजट में समावेश होता है। इसी से प्रेरित होकर राज्य सरकार ने भी गत दो बजट लोक भावना के अनुरूप प्रस्तुत किए। इसी मंशा को ध्यान में रखते हुए आगामी बजट के लिए सरकार लोगों से सुझाव ले रही है, उनकी समस्याएं सुन रही है और समाधान कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश एवं स्थानीय जरूरतों के अनुसार आज यहां बहुत महत्वपूर्ण सुझाव आए हैं, जिन्हें मुख्यमंत्री एवं संबंधित विभाग के स्तर तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सिकराय में स्टोन पार्क के लिए जमीन आवंटन की प्रक्रिया शीघ्र पूरी हो जाएगी और अन्य सभी सुझावों को भी यथासंभव बजट में शामिल किया जाएगा।प्रभारी मंत्री ने कहा कि रात्रि चौपाल में लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया और प्राप्त परिवादों के निस्तारण के निर्देश दिए गए हैं। इन सभी परिवादों को ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड कर जिला कलक्टर के स्तर पर साप्ताहिक समीक्षा की जाएगी।

आईआईटी खड़गपुर के प्रो. अभिजीत मुखर्जी को अंतरराष्ट्रीय 'एप्लाइड हाइड्रोजियोलॉजी पुरस्कार'

एजेंसी

खड़गपुर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर के भूविज्ञान एवं भूभौतिकी विभाग के वरिष्ठ और प्रख्यात प्रोफेसर अभिजीत मुखर्जी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का मान बढ़ाया है। उन्हें प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संस्था इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ हाइड्रोजियोलॉजिस्ट्स (आईएएच) द्वारा वर्ष 2025 के 'एप्लाइड हाइड्रोजियोलॉजी अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया है। इस सम्मान को प्राप्त करने वाले वे पहले भारतीय वैज्ञानिक बन गए हैं। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में आयोजित एक भव्य अंतरराष्ट्रीय समारोह के दौरान प्रदान किया गया। यूनाइटेड किंगडम स्थित इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ हाइड्रोजियोलॉजिस्ट्स विश्व की सबसे बड़ी भूजल विशेषज्ञ संस्था मानी जाती है, जिसका नेटवर्क 135 से अधिक देशों में फैला हुआ है। यह संस्था हर वर्ष उस वैज्ञानिक को यह सम्मान प्रदान करती है, जिसने भूजल प्रबंधन, जल संसाधनों के सतत उपयोग और वैश्विक जल संकट से निपटने के लिए उल्लेखनीय एवं व्यावहारिक योगदान दिया हो। संस्था की ओर से जारी

प्रशस्ति-पत्र में प्रो. अभिजीत मुखर्जी को एक उत्कृष्ट शिक्षाविद्, शोधकर्ता और वैश्विक दृष्टि रखने वाला वैज्ञानिक बताते हुए उनके कार्यों की विशेष सराहना की गई है। आईएएच के अनुसार, प्रो. मुखर्जी का शोध विशेष रूप से निम्न और मध्यम आय वाले देशों में मौजूद गंभीर हाइड्रोजियोलॉजिकल (भूजल संबंधी) समस्याओं पर केंद्रित रहा है, जिनके समाधान से करोड़ों लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। उनके शोध कार्यों का प्रभाव न केवल शैक्षणिक जगत तक सीमित है, बल्कि नीति निर्माण और जल प्रबंधन योजनाओं में भी व्यापक रूप से देखा गया है। प्रो. मुखर्जी भूजल प्रदूषण, आर्सेनिक जैसी विषैली धातुओं की समस्या तथा हाइड्रोजियोकेमिकल प्रक्रियाओं पर किए गए अपने अनुसंधान के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्यात हैं। उनका कार्य सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। उल्लेखनीय है कि प्रो. अभिजीत मुखर्जी को इससे पूर्व भी कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से नवाजा जा चुका है। वर्ष 2014 में उन्हें भारत सरकार द्वारा राष्ट्रपति के हाथों राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार प्रदान किया गया था। इसके बाद वर्ष 2020 में उन्हें विज्ञान के क्षेत्र का सर्वोच्च सम्मान माने जाने वाले शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कृषकों का एक दल जैविक खेती प्रशिक्षण के लिए पंतनगर रवाना

श्रीगंगानगर। मुख्यमंत्री की बजट घोषणा वर्ष 2025-26 संख्या 115 के अनुसार किसानों की क्षमता वृद्धि कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों में आधुनिक तकनीकों के उपयोग हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से Knowledge Enhancement Programme के अन्तर्गत एक प्रशिक्षण दल (40 कृषक) को 13 से 19 जनवरी 2026 तक (सात दिवस यात्रा अवधि सहित) कृषक प्रशिक्षण हेतु गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रोद्यौगिक विश्वविद्यालय, पन्तनगर-263145, उद्यमसिंह नगर (उत्तराखण्ड) के प्रशिक्षण हेतु कार्यालय उप निदेशक कृषि एवं पदेन परियोजना निदेशक (आत्मा), श्रीगंगानगर से प्रस्थान किया। उक्त कृषक प्रशिक्षण दल को उप निदेशक कृषि एवं पदेन परियोजना निदेशक (आत्मा) डॉ. विनोद सिंह गौतम, सहायक निदेशक उद्यान प्रदीप शर्मा, उप परियोजना निदेशक आत्मा सुदेश कुमार, कृषि अधिकारी उद्यान अभिमन्यु गोदारा ने हरी झण्डी दिखाकर बस को रवाना किया।

महिला सशक्तिकरण राज्य सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों का केन्द्रबिंदु - भजनलाल शर्मा

एजेंसरी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शिक्षित और सशक्त महिलाएं समाज में सकारात्मक बदलाव की वाहक हैं। महिलाओं के आगे बढ़ने से ही प्रदेश प्रगति के पथ पर अग्रसर होता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की प्रत्येक महिला को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है, जिससे इस आधी आबादी की सक्रिय भागीदारी से विकसित तथा उत्कृष्ट राजस्थान का निर्माण किया जा सकेगा। शर्मा मुख्यमंत्री कार्यालय में महिला प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्त होने से ही आत्मनिर्भर परिवार, समाज और आत्मनिर्भर राजस्थान का निर्माण होगा। इसीलिए राज्य सरकार ने महिला सशक्तिकरण को अपनी नीतियों और कार्यक्रमों का प्रमुख केन्द्रबिंदु बनाया है। शर्मा ने आश्वस्त किया कि महिला प्रतिनिधियों के सुझावों को बजट 2026-27 में यथासंभव शामिल करने के प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री के अनुसार देश में महिला, युवा, किसान और गरीब चार जातियां हैं तथा जिनके समग्र

विकास से ही राष्ट्र का उत्थान संभव है। हमारी सरकार हर वर्ग से संवाद कर रही है। जिससे इनके सुझावों को नीतियों में समाहित किया जाए तथा प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को साकार किया जा सके। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत देय राशि 1 लाख रुपये से बढ़ाकर डेढ़ लाख रुपये की गई है जिससे 4 लाख 60 हजार बालिकाओं को लाभान्वित हुई है। वहीं, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत राशि को बढ़ाकर 6 हजार 500 रुपये किया गया है। इस योजना से लगभग 10 लाख गर्भवती महिलाओं को लाभ मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मा वाउचर योजना से गर्भवती महिलाओं को प्रदेशभर में निशुल्क सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। अब तक 2 लाख 26 हजार महिलाओं को इस सुविधा का लाभ मिल चुका है। इसी प्रकार, आंगनबाड़ी केंद्रों में अति कुपोषित बच्चों को दिए जाने वाले पोषण में दूध की मात्रा 15 ग्राम से बढ़ाकर 25 ग्राम प्रति पैकेट उपलब्ध कराने की योजना प्रारंभ की गई है। साथ ही, ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक संबल देते हुए दुग्ध उत्पादकों को 5 रुपये प्रति लीटर अनुदान दिया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि प्रदेश में 19 लाख से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर 12 लाख से अधिक लखपति दीदी बनाई गई तथा अब लखपति दीदी मिलेनियर दीदी बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के आखिरी दो वर्षों (फरवरी 2022 से दिसंबर 2023 तक) की तुलना में वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अपराधों में 12 प्रतिशत तक की कमी आई है। इस दौरान महिला प्रतिनिधियों ने राज्य सरकार द्वारा संचालित महिला सशक्तिकरण कार्यक्रमों एवं योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री के निर्णयों एवं प्रयासों की सराहना की। महिलाओं ने स्वरोजगार, कौशल प्रशिक्षण, महिला सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित विभिन्न विषयों पर अपने सुझाव दिए।

बैठक में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया, सहित वरिष्ठ अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रही।

पंजाब सीएम भगवंत मान 15 जनवरी को होंगे श्री अकाल तख्त साहिब के सामने हाजिर

एजेंसी

चंडीगढ़ । पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बयान दिया है कि वह 15 जनवरी को श्री अकाल तख्त साहिब के सामने हाजिर होंगे। श्री अकाल तख्त साहिब ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को औपचारिक समन जारी किया था, जिसमें उन्हें 15 जनवरी को व्यक्तिगत रूप से पेश होकर अपना पक्ष स्पष्ट करने के लिए कहा गया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी दी कि वे 15 जनवरी को सुबह 10 बजे हाजिर होने के लिए तैयार हैं। जत्थेदार श्री अकाल तख्त साहिब को संबोधित करते हुए भगवंत मान ने लिखा, '15 जनवरी को मेरा कोई और काम नहीं है। मैंने राष्ट्रपति के ऑफिस को भी बता दिया है। आपके आदेश के अनुसार, 15 जनवरी का दिन पूरी तरह से श्री अकाल तख्त साहिब को समर्पित है। समय बदलने के बारे में मेरी या ऑफिस की तरफ से कोई आधिकारिक पत्र या बयान जारी नहीं किया गया है। मैं 15 जनवरी को सुबह 10 बजे हाजिर होने के लिए तैयार हूं। ' हालांकि, श्री अकाल तख्त साहिब ने भगवंत मान को 15 जनवरी को शाम 4.30 बजे पेश होने का समय दिया है। एक आधिकारिक पत्र में कहा गया, '5 जनवरी के एक पत्र के तहत आपको 15 जनवरी को सुबह 10 बजे श्री अकाल तख्त साहिब, श्री अमृतसर में अपनी सफाई देने के लिए बुलाया गया था, लेकिन इस बारे में आपके जारी किए गए बयान में आपकी व्यस्तता का जिक्र किया गया है। इसलिए, सिंह साहिब जत्थेदार श्री अकाल तख्त साहिब के जारी आदेश के अनुसार, यह लिखा है कि अब आपको अपनी सफाई देने के लिए 15 जनवरी को शाम 04.30 बजे श्री अकाल तख्त साहिब पहुंचना है। 'वहीं, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यमंत्री भगवंत मान के एक तथाकथित वीडियो की जांच की मांग कर रही है। भाजपा की पंजाब इकाई के प्रमुख सुनील जाखड़ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'पंजाब पुलिस, जिसने दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी के वीडियो की फॉरेंसिक जांच एक दिन में पूरी कर ली थी, दिल्ली विधानसभा स्पीकर के 48 घंटे में जवाब मांगने के अनुरोध पर जवाब देने के लिए 10 दिन मांग रही है। दूसरी तरफ, हम लगातार मुख्यमंत्री के चेहरे से मिलते-जुलते वीडियो की जांच की मांग कर रहे हैं, उस पर पुलिस चुप क्यों है? '

विराट कोहली की बादशाहत फिर कायम, आईसीसी रैंकिंग में एक बार फिर बने नंबर 1

राजकोट (एजेंसी)। वनडे क्रिकेट में विराट कोहली की शानदार फॉर्म ने उन्हें जुलाई 2021 के बाद पहली बार आईसीसी बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंचा दिया है। कोहली ने रविवार को वडोदरा में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में भारत की जीत की नींव रखते हुए 91 गेंदों पर 93 रनों की तूफानी पारी खेली और अपने साथी खिलाड़ी रोहित शर्मा को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान पर पुन: कब्जा जमा लिया।

जुलाई 2021 के बाद यह पहली बार है जब दिग्गज क्रिकेटर ने वनडे रैंकिंग में नंबर 1 स्थान हासिल किया है। कोहली पहली बार अक्टूबर 2013 में शीर्ष पर पहुंचे थे और आईसीसी की वेबसाइट के अनुसार, अब यह उनका 11वां कार्यकाल है। अब तक, उन्होंने शीर्ष पर कुल 825 दिन बिताए हैं - जो किसी भी खिलाड़ी द्वारा कुल मिलाकर 10वां सबसे अधिक और किसी भारतीय द्वारा सबसे अधिक है। विराट कोहली पिछले साल अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत वनडे श्रृंखला के आखिरी मैच के बाद से शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने अपने पिछले सभी सात 50 ओवर के मैचों में पचास से अधिक का स्कोर बनाया है। उनकी पिछली सात पारियों के स्कोर इस प्रकार हैं-93, 77 (विजय हजारे ट्रॉफी), 131 (विजय हजारे ट्रॉफी), 65, 102, 135 और 74।

2025 में, कोहली ने 13 वनडे मैचों में 65.10 के शानदार औसत से 651 रन बनाए और कैलेंडर वर्ष में भारत के सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में उभरे। अपने शानदार करियर में कोहली ने 11वीं बार आईसीसी पुरुष वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है। इस प्रारूप में उनका प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा है। पिछले साल अक्टूबर में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद अपने पहले अंतरराष्ट्रीय मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो मैचों में शून्य पर आउट होने के बाद, कोहली ने सिडनी में 74 रनों की शानदार पारी खेलकर भारत को वनडे सीरीज में सांत्वनापूर्ण जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। घरेलू मैदान पर वापसी करते हुए, उन्होंने नवंबर-दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में 135, 102 और नाबाद 65 रन बनाए।

इंडिया ओपन 2026: पीवी सिंधु पहले दौर में बाहर, वियतनाम की एनगुएन से मिली शिकस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु को इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में घरेलू दर्शकों के सामने निराशा हाथ लगी। महिला एकल के पहले दौर में सिंधु ने दमदार शुरुआत करते हुए पहला गेम जरूर जीता, लेकिन इसके बाद लय बरकरार नहीं रख सकीं और वियतनाम की थुई लिन एनगुएन के खिलाफ कड़े मुकाबले में हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

दुनिया की 12वें नंबर की खिलाड़ी और 2017 की इंडिया ओपन चैंपियन सिंधु को 1 घंटे 8 मिनट तक चले इस मुकाबले में 22-20, 12-21, 15-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। मुकाबले के पहले गेम में सिंधू ने अनुभव का फायदा उठाया, लेकिन दूसरे और तीसरे गेम में एनगुएन ने बेहतर फिटनेस और आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया।

यह हार सिंधु के लिए इसलिए भी चौंकाने वाली रही, क्योंकि वह पिछले सप्ताह मलेशिया ओपन सुपर 1000 में सेमीफाइनल तक का सफर तय कर शानदार फॉर्म में नजर आ रही थीं। घरेलू कोर्ट पर उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन दबाव के क्षणों में वह बढ़त को भुना नहीं सकीं।

वहीं, विश्व रैंकिंग में 23वें स्थान पर काबिज थुई लिन एनगुएन ने इस जीत के साथ टूर्नामेंट में मजबूत दावेदारी पेश की और अगले दौर में अपनी जगह पक्की कर ली। सिंधु की जल्दी विदाई से भारतीय प्रशंसकों को बड़ा झटका लगा है।

डब्ल्यूपीएल में हरमनप्रीत के अर्धशतक से मुम्बई ने गुजरात जायंट्स को हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कप्तान हरमनप्रीत कौर के शानदार अर्धशतक से मुंबई इंडियंस ने यहां महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट (डब्ल्यूपीएल) के मैच में गुजरात जायंट्स को सात विकेट से हरा दिया। इस मैच में हरमनप्रीत ने 71 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी और वह अंत तक आउट नहीं। भारती फुलमाली 36 और जॉर्जिया वेयरहैम के 43 रनों की सहायता से गुजरात जाइंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 192 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य की शुरुआत करते हुए मुम्बई इंडियंस की ओर से हरमनप्रीत ने तेजी से खेलते हुए 33 गेंद में ही अपने 50 रन पूरे कर लिए। हरमनप्रीत ने इसी के साथ ही डब्लयूपीएल में अपना 10 वां शतक लगाया। वहीं हरमनप्रीत के इस लीग में एक हजार रन भी पूरे हो गये हैं। उन्होंने 43 गेंद में सात चौकों और दो छक्के लगाकर 71 रन भी बनाये। वहीं मुंबई के दो विकेट पावरप्ले में ही 37 रन पर गिर गए।

दोनों के बीच 43 गेंद में 84 रन की साझेदारी भी हुई। मुंबई ने इस मैच में चार गेंद शेष रहते जीत दर्ज की। मुंबई के दो विकेट पावरप्ले के अंदर ही 37 रन पर गिर गए थे। इसके बाद हरमनप्रीत ने अमनजोत कौर के साथ 44 गेंद में 72 रन की साझेदारी कर टीम को आगे बढ़ाया। अमनजोत 40 रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद निकोल कैरी ने तेजी से छह चौके लगाकर 22 गेंद में नाबाद 37 रन बनाकर टीम को लक्ष्य की ओर बढ़ाया। निकोल और हरमनप्रीत के बीच 43 गेंद में 84 रन की साझेदारी हुई जिससे टीम ने आसानी से जीत हासिल कर ली।

डेथ ओवरों में केएल राहुल साबित कर रहे हैं अपना दबदबा

मुंबई (एजेंसी)। राजकोट -वनडे इंटरनेशनल में केएल राहुल की असली वैल्यू अब पारी के आखिरी फेज में महसूस की जा रही है, और बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ उनका नाबाद शतक इस बात का एक और सबूत था कि जब प्रेशर सबसे ज़्यादा होता है, तो वह कितने निर्णायक बन जाते हैं।

राहुल ने यहां निरंजन शाह स्टेडियम में बिना किसी जल्दबाजी के 112 रन बनाकर अपना आठवां वनडे शतक पूरा किया, और एक बार फिर सबसे मुश्किल समय में टीम को संभाला। यह मील का पत्थर शानदार तरीके से हासिल हुआ, जब काइल जैमीसन ने राहुल के पैड्स पर फुल टॉस फेंकी, जिसे दाएं हाथ के बल्लेबाज ने शांति से आगे बढ़कर लॉन्ग-ऑन के ऊपर से छक्के के लिए भेज दिया। हेलमेट उतारकर और बल्ला उठाकर, राहुल ने शांत आत्मविश्वास के साथ इस पल का जश्न मनाया।

भारत 118 रन पर 4 विकेट गंवाकर कुछ मुश्किल में था, लेकिन राहुल की मौजूदगी से तुरंत स्थिरता आई। उन्होंने शुरुआत में तेजी लाने की जल्दबाजी नहीं की, गैप्स का फायदा उठाया और तेजी लाने के लिए सही पलों का इंतजार किया, पारी को आगे बढ़ाया और आखिरी ओवरों में कमान संभाली। उनका हालिया प्रदर्शन इस फिनिशिंग रोल को दिखाता है। राहुल के पिछले चार वनडे स्कोर अब 60, 66 नाबाद, 29 नाबाद और 112 नाबाद हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ उनके आंकड़े और भी प्रभावशाली हैं। उन्होंने 10 पारियों में 93.8 की औसत और 111.13 के स्ट्राइक रेट से 469 रन बनाए जिसमें दो शतक और एक अर्धशतक शामिल है, बुधवार का नाबाद 112 उनका सर्वोच्च स्कोर है। इसका असर डेथ ओवरों में सबसे साफ दिखता है। 2025 से राहुल ने फुल मेंबर टीमों में ओवर 41 से 50 के बीच सबसे ज़्यादा वनडे रन बनाए हैं, 140.09 के स्ट्राइक रेट से 283 रन बनाए हैं।

वह एक ऐसी लिस्ट में सबसे ऊपर हैं जिसमें ग्लेन फिलिप्स (244 रन), जनिथ लियानागे (201), जस्टिन ग्रीव्स (194) और कॉर्बिन बॉश (162) शामिल हैं, जो पारी के आखिर में उनकी बढ़ती अथॉरिटी को दिखाता है। जैसे-जैसे मैच आखिरी 10 ओवरों में तय हो रहे हैं, राहुल की शांति और फिनिशिंग क्षमता उन्हें चुपचाप भारत के सबसे वैल्यूएबल वनडे बल्लेबाजों में से एक बना रही है।

ग्रीजमैन के गोल से कोपा डेल रे के क्वार्टर फाइनल में पहुंचा एटलेटिको मैड्रिड

मैड्रिड ।एंटोनी ग्रिजमैन ने फ्री किक पर दर्शनीय गोल किया जिससे एटलेटिको मैड्रिड ने डेपोर्टिवो ला कोरुना को 1-0 से पराजित करके कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की।ग्रीजमैन ने 61वें मिनट में बाएं पैर से करारा शॉट लगाकर यह गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ।इस तरह से 34 वर्षीय ग्रीजमैन ने पिछले छह मैचों में पांचवां गोल दागा।एटलेटिको मैड्रिड की टीम सऊदी अरब में खेले गए स्पेनिश सुपर कप के सेमीफाइनल में रियाल मैड्रिड से 1-2 से हार गई थी। कोपा डेल रे के अन्य मैचों में रियाल सोसिदाद ने ओसासुना को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।मैच नियमित समय और अतिरिक्त समय में 2-2 से बराबर रहा था।एथलेटिक बिलबाओ ने दूसरी डिवीजन की टीम कल्चरल लियोनेसा को 4-3 से हराया।

रोहित ने एकदिवसीय में अपने 7,000 रन पूर किये

राजकोट ।भारतीय क्रिकेट के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में अपनी 24 रनों की पारी के दौरान ही एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम किया।रोहित ने इस मैच में अपने 7000 रन पूरे कर लिए।रोहित ने इस मैच के साथ ही एशिया में 7,000 एकदिवसीय रन पूरे कर लिए।इसके साथ ही वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले सातवें बल्लेबाज़ बन गए।इस खास क्लब में पहले से सचिन तेंदुलकर, महेन्द्र सिंह धोनी, विराट कोहली और श्रीलंका के कुछ दिग्गज बल्लेबाज़ शामिल हैं। रोहित ने साल 2007 में आयरलैंड दौरे पर भारत के लिए अपना एकदिवसीय डेब्यू किया था।तब से लेकर अब तक वह 281 एकदिवसीय मैचों में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।इस दौरान उन्होंने अलग-अलग भूमिकाओं में अपने को साबित किया।रोहित ने अब तक एशिया में 165 एकदिवसीयमुकाबले खेले हैं। इनमें भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश, यूएई और पाकिस्तान में खेले गए मैच शामिल हैं।खास बात यह है कि इनमें से 99 मैच उन्होंने घरेलू मैदान पर खेले हैं, जहां उनका औसत 56.85 का रहा है और उन्होंने 5,000 से अधिक रन बनाए हैं।

विराट जब तक खेल का आनंद लेते हुए रन बना रहे हैं तब तक खेलेंगे : रमन

नई दिल्ली ।पूर्व क्रिकेटर डब्ल्यूवी रमन ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज विराट तब तक खेलते रहेंगे जब वह खेल का आनंद लेते हुए अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे।रमन ने कहा कि विराट में खेल के प्रति जुनून होने के साथ ही उसके प्रति प्रतिबद्धता भी अटूट है।36 साल की उम्र में भी वह फिट है और लगातार रन बना रहे हैं।उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में 93 रनों की पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।विराट अब केवल एकदिवसीय क्रिकेट ही खेलते हैं। रमन ने कहा, ऐसे क्रिकेटर आमतौर पर खेलने का फैसला इस आधार पर फैसले लेते हैं कि सुबह उठने पर उन्हें कैसा महसूस होता है।ऐस में वह तब तक खेलते रहेंगे जब तक खेल का मजा लेते हुए रन बनाते रहेंगे।वहीं जब तक वह अपने नाम के अनुसार खेल नहीं पायेंगे तो संन्यास में देर नहीं करेंगे। विराट ने अब तक 557 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 52.66 के औसत से 84 शतक और 146 अर्धशतक लगाये हैं। रमन ने कहा कि अपनी प्रदर्शन से वह आलोचकों को चुप कराते रहते हैं और संदेश देते हैं कि खेल से केवल अपनी शर्तों पर ही हटेंगे। उन्होंने साथ ही कहा, कोहली अपने आलोचकों को संदेश दे रहे हैं कि वह आने वाले समय में टिके रहेंगे और जब उन्हें ठीक नहीं लगेगा, तभी स्टेज छोड़ेंगे।और यह बिल्कुल सही भी है।

पाक मूल के चार अमेरिकी खिलाड़ियों को अब तक नहीं मिला टी20 विश्वकप के लिए वीजा

मुम्बई (एजेंसी)। अमेरिकी क्रिकेट टीम में शामिल पाकिस्तानी मूल के चार खिलाड़ियों को अभी तक वीजा नहीं मिला है। ऐसे में इनके अगले माह भारत और श्रीलंका में संयुक्त रुप से होने वाले टी20 विश्वकप में खेलने पर संशय बना हुआ है। पाक मूल के अमेरिकी तेज गेंदबाज अली खान ने सोशल मीडिया में कहा है कि भारत ने उनका वीजा आवेदन खारिज कर दिया गया है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका के चार खिलाड़ियों के वीजा आवेदन अभी भी पूरे नहीं हुए हैं। इससे टूर्नामेंट की तैयारियों को लेकर अनिश्चितता और बढ़ गई है। इससे पहले भी टीमों की यात्रा और मेजबानी को लेकर परेशानियां आयीं थीं।

अमेरिका की टीम के चार खिलाड़ी अली खान, शयान जहांगीर, मोहम्मद मोहसिन और एहसान आदिल अभी तक वीजा मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। ये सभी खिलाड़ी पाक मूल के हैं। ये खिलाड़ी अभी विश्वकप की तैयारी के लिए अमेरिका टीम के साथ श्रीलंका दौर पर हैं। इन खिलाड़ियों ने कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग में वीजा के लिए आवेदन किया पर अभी तक इन्हें वीजा नहीं मिला है। कहा जा रहा है कि इस आवेदन की अभी समीक्षा हो रही है।।

वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के एक अधिकारी के अनुसार, खिलाड़ियों से पहले सभी जरूरी दस्तावेज जमा कर दिए थे। इस मामले में कुछ जरूरी सूचनाएं मिल चुकी हैं, जबकि कुछ जानकारी अभी भारत के विदेश मंत्रालय से आनी बाकी है। प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही खिलाड़ियों से आगे संपर्क किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ियों के वीजा आवेदन भारतीय सरकार के नियमों के तहत 'विशेष श्रेणी' में आते हैं। उन्होंने साफ किया कि यह अतिरिक्त जांच किसी खिलाड़ी, टीम या टूर्नामेंट के खिलाफ नहीं होती, बल्कि यह तय नियमों के अनुसार की जाती है।

गौरतलब है कि पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ियों को भारत आने में वीजा देरी का सामना करना पड़ा है, चाहे वे किसी भी देश की टीम से खेलते हों।

एशियन गेम्स 2026 मुकाबले 19 सितंबर से शुरु होंगे

नई दिल्ली ।जापान में होने वाले आइची-नागोया एशियन गेम्स क्रिकेट 2026 मुकाबलों का कार्यक्रम घोषित कर दिया है।ये मुकाबले 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक चलेंगे हालांकि क्रिकेट सहित कई अन्य मुकाबले 17 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच खेले जाएंगे।इसमें क्रिकेट के मुकाबले टी20 प्रारुप में खेले जाएंगे।इसमें पुरुष और महिला दोनों ही टीमों के बीच मुकाबले होंगे।ये सभी मुकाबले आइची प्रीफेक्चर के कोरोजी एथलेटिक पार्क में आयोजित किये जाएंगे।इसमें महिला वर्ग के मुकाबले 17 सितंबर से शुरू हो जाएंगे। इसके पदक मुकाबले 22 सितंबर से शुरू होंगे।इसमें क्वार्टर फाइनल से ही आठ टीमें सीधे ही नॉकआउट प्रारुप में उतरेंगी।इसमें भारतीय टीम मौजूदा चैंपियन होने के कारण अपने खिताब को बचाने उतरेगी।पुरुष टीम का क्रिकेट मुकाबला 24 सितंबर जबकि पदक मुकाबले 3 अक्टूबर से होंगे।इस टूर्नामेंट में कुल 10 टीमें शामिल होंगी।शीर्ष चार टीमें सीधे क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी जबकि शेष छह टीमें बाकी चार जगहों के लिए मुकाबले खेलेंगी।इस दौरान सभी मैच डबल-हेडर (एक ही दिन में दो मैच होंगे।ये मैच भारतीय समय के मुताबिक सुबह 5:30 बजे और सुबह 10:30 बजे शुरू होंगे। महिला क्रिकेट टूर्नामेंट 17 सितंबर से शुरू होगा।इसमें 8 टीमें हिस्सा लेंगी और मुकाबले नॉकआउट प्रारुप में खेले जाएंगे।भारत इस प्रतियोगिता में मौजूदा चैम्पियन के तौर पर उतरेगा, उसने 2023 के फाइनल में श्रीलंका को हराकर स्वर्ण पदक जीता था।

ब्रैंडन किंग की कप्तानी में अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में उतरेगी वेस्टइंडीज

जमैका (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए वाले ब्रैंडन किंग की कप्तानी में अपनी टीम घोषित कर दी है। इस टीम में युवा क्वेंटिन सैम्पसन को पहली बार शामिल किया गया है। ये सीरीज 9 से 22 जनवरी तक दुबई में खेली जाएगी। नियमित कप्तान शाई होप के नहीं होने से ब्रैंडन को कप्तानी मिली है। होप अभी एस20 में व्यसत हैं। होप के अलावा रोस्टन चेज, अकील हुसैन और शेरफेन रदरफोर्ड भी टीम में नहीं हैं। 25 वर्षीय गयाना अमेजन वॉरियर्स के बल्लेबाज सैम्पसन कैरेबियन प्रीमियर लीग 2025 के बेहतरीन खिलाडियों में से एक थे, उन्होंने नौ मैचों में 151.57 के स्ट्राइक रेट से 241 रन बनाए थे। शमर जोसेफ और एविन लुईस भी टीम में वापस आ गए हैं, पिछली सीरीज में लगी चोटों से उबरने के बाद उन्हें खेलने की मंजूरी मिल गई है।

अल्जारी जोसेफ, जो पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण भारत में टेस्ट सीरीज से बाहर थे, उन्हें रिहैबिलिटेशन में प्रगति के बावजूद टीम में शामिल नहीं किया गया है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कहा कि यह फैसला मेडिकल जांच के बाद लिया गया है, तेज गेंदबाज को टी20 विश्व कप के लिए संभावित चयन से पहले निगरानी में रखा जाएगा। वहीं काम का बोझ कम करने के लिए वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत रोवमैन पॉवेल को जेसन होल्डर और रोमारियो शेफर्ड के साथ सीरीज से आराम दिया गया है। मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा कि अफगानिस्तान सीरीज भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

टी20 सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम

ब्रैंडन किंग (कप्तान), एलिक अथानाज़े, केसी कार्टर, जॉनसन चार्ल्स, मैथ्यू फोर्डे, जस्टिन ग्रीव्स, शिमरोन हेटमायर, आमिर जांगू, शमर जोसेफ, एविन लुईस, गुडाकेश मोती, खैरी पियरे, क्वेंटिन सैम्पसन, जेडन सील्स, रेमन सिमंड्स, शमर स्प्रिंगर।

पूर्व पाक क्रिकेटर अजमल ने आईसीसी पर निशाना साधा : बीसीसीआई के दबाव में फैसले लेने का आरोप लगाया

कराची ।पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर सईद अजमल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पर जमकर निशाना साधा है।अजमल ने कहा है कि अगर आईसीसी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के दबाव में फैसले लेती है तो उसका रहने का कोई मतलब नहीं है।अजमल ने कहा, 'अगर आईसीसी विश्व क्रिकेट के हित में निष्पक्ष तरीके से फैसला नहीं कर सकती है तो उसे अपना कामकाज बंद कर देना चाहिए। अजमल ने कहा कि आज अधिकतर टेस्ट खेलने वाले देशों का मानना है कि विश्व क्रिकेट में भारतीय बोर्ड का दबदबा है और आईसीसी भी उसकी बात नहीं टाल पाता पर कोई भी खुलकर ये बात नहीं कहता है।उन्होंने कहा कि भारत का आईसीसी प्रतियोगिताओं में भी पाकिस्तान में खेलने से इनकार करना साबित करता है कि उसपर विश्व संस्था का कोई दबाव नहीं चल पाता है। आईसीसी एक प्रकार से बीसीसीसीआई के आधीन नजर आता है।अजमल के अनुसा भारतीय टीम बिता किसी ठोस कारण के पाकिस्तान में खेलने से इंकार कर देती है और आईसीसी इसे मान लेती है। इसका एक कारण ये भी है कि अब इसमें आईसीसी चेयरमैन सहित अधिकतर भारतीय शामिल हैं। गौरतलब है कि भारतीय टीम सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान की यात्रा नहीं करती है।भारत सरकार का मानना है कि जब तक पाक आतंक वाद को समर्थन देता रहेगा उससे खेला नहीं जा सकता है। केवल आईसीसी टूर्नामेंटों में ही भारतीय टीम पाक से खेलती है। इससे पहले भी पाक के कई क्रिकेटरों ने भारतीय टीम के पाकिस्तान दौरे पर नहीं आने की आलोचना करते हुए कहा है कि खेल को राजनीति से अलग रखा जाना चाहिये।

किदांबी श्रीकांत ने किया इंडिया ओपन का बचाव, हर देश में कोई ना कोई कमी होती है

नई दिल्ली(एजेंसी)। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने बुधवार को कहा कि उन्हें इंडिया ओपन की मेजबानी कर रहे इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खेलने की स्थितियों में कुछ भी गलत नहीं लगा और हर मेजबान देश में कोई ना कोई कमी होती ही है। भारत के दिग्गज खिलाड़ी श्रीकांत ने साथ की कहा कि ऐसी चुनौतियां खेल का हिस्सा हैं और यह किसी एक मेजबान देश तक सीमित नहीं हैं और प्रत्येक मेजबान स्थल पर कमियां नजर आती हैं।

डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट ने मंगलवार को इंदिरा गांधी स्टेडियम परिसर की सुविधाओं और आसपास के माहौल की आलोचना करते हुए उन्हें गंदा और स्वास्थ्य के लिए खराब बताया था। उन्होंने साथ ही विश्व बैडमिंटन महासंघ से इस साल अगस्त में इसी स्थल पर होने वाली विश्व चैंपियनशिप से पहले दखल देने का आग्रह किया था। हमवतन थारुन मन्नेपल्ली को पहले दौर के कड़े मुकाबले में हराने के बाद 2021 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता श्रीकांत ने कहा कि उन्हें यह बात समझ ही नहीं आ रही कि मेजबान स्थल की आलोचना क्यों हो रही है। श्रीकांत ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि ऐसा क्यों हो रहा है क्योंकि हर देश की अपनी परिस्थितियां होती हैं। सिंगापुर में बहुत अधिक ड्रिफ्ट होता है और मलेशिया में शायद इसकी तुलना में थोड़ा कम। इंडोनेशिया में नवीनीकरण से पहले शटल काफी तेज जाती थी। हर देश की अपनी चुनौती होती है।'

ब्लिचफेल्ट की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर श्रीकांत ने कहा कि उन्होंने उनका बयान विस्तार से नहीं पढ़ा है लेकिन उन्हें लगता है कि हालात अस्वीकार्य नहीं थे। श्रीकांत ने कहा, 'सच कहूं तो मुझे नहीं पता कि उन्होंने क्या कहा है। लेकिन मुझे लगता है कि परिस्थितियां ठीक हैं। मैंने कोई बुरी चीज होते हुए नहीं देखी। उन्होंने कहा, '2016 या 2017 में मुझे डेनमार्क में अपने मैच के बीच में लगभग एक घंटे तक इंतजार करना पड़ा था क्योंकि बत्ती गुल हो गई थी।' श्रीकांत ने एचएस प्रणय से जुड़े एक मामले का भी जिक्र किया जिन्हें दो दिन में एक मैच पूरा करना पड़ा था। उन्होंने कहा, 'एक बार प्रणय मुझे बता रहे थे कि उन्हें अपना मैच अगले दिन खेलना पड़ा। उन्होंने पहले दिन एक गेम खेला और फिर अगले दिन दूसरा गेम।'

श्रीकांत ने कहा, 'ये चीजें हो जाती हैं, कोई जानबूझकर ऐसा नहीं करता। हर देश इसे बहुत अच्छे से करना चाहता है। ऐसी चीजें बहुत कम होती हैं और मुझे नहीं पता कि हर कोई इसके बारे में शिकायत क्यों कर रहा है।' ब्लिचफेल्ट ने कहा था कि मुकाबले का आयोजन कर रहे कोर्ट पर परिस्थितियां संतोषजनक थी लेकिन कुल मिलाकर हालात चिंताजनक हैं।

इंडस्ट्री में सफलता की कोई समय सीमा नहीं, रिजेक्शन आम बात है

द केरल स्टोरी जैसी सफल फिल्म का हिस्सा रहीं अभिनेत्री अदा शर्मा ने एक्टिंग करियर में लंबा सफर तय किया है। उनकी कुछ फिल्में सुपरहिट रहीं, जबकि कुछ बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाईं। अदा का कहना है कि फिल्म इंडस्ट्री उतार-चढ़ाव से भरी है। उन्होंने न्यूकमर्स को भी सफलता के टिप्स दिए। अदा ने नए कलाकारों को बताया कि करियर के मुश्किल दौर में घबराने की जरूरत नहीं है। बस फोकस बनाए रखें और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ते रहें। मेहनत, धैर्य और सकारात्मकता के साथ चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। अदा शर्मा ने बातचीत में नए कलाकारों को सफलता के मंत्र दिए। अदा ने इंडस्ट्री की कठिनाइयों पर खुलकर बात की और सलाह दी कि यहां आने से पहले पूरी तरह आश्वस्त होना चाहिए।

अदा शर्मा ने कहा, न्यूकमर्स को मेरी सलाह है कि अगर वे इंडस्ट्री जॉइन करना चाहते हैं, तो उन्हें आश्वस्त होना चाहिए कि मुश्किलों के दौर में भी उनका डटकर मुकाबला करना सफलता दिलाएगा। इंडस्ट्री में बहुत सारे उतार-चढ़ाव हैं। आप सिर्फ फाइनल मूवी देखते हैं, लेकिन उस मूवी या रोल तक पहुंचने के लिए कितने ऑडिशंस देने पड़ते हैं, कितने रिजेक्शन झेलने पड़ते हैं, कितने दिन बिना काम के गुजरते हैं और कितने सालों तक रुक-रुककर इंतजार करना पड़ता है। उन्होंने बताया, इन तमाम मुश्किलों के बाद शायद एक ब्रेक मिलता है, लेकिन वह कब मिलेगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है। एक ब्रेक सुपरहिट होने के बाद भी अगली फिल्म कब मिलेगी, यह भी पता नहीं होता। ऐसे में मन को मजबूत रखना बहुत जरूरी है। जब चीजें ठीक नहीं चल रही होंगी, तो बहुत से लोग सलाह देंगे कि यह नहीं करना चाहिए था, तुम इस सेक्टर में गलत आ गए। ऐसे समय में डिप्रेशन में न जाएं, इसके लिए अपना मन मजबूत रखें। इंडस्ट्री में सफलता की कोई निश्चित समय सीमा नहीं होती और रिजेक्शन आम बात है। अदा शर्मा ने सुझाव दिया कि बाकी कई शौक जरूर रखें, जो मन को शांत रखने में मदद करते हैं। खासकर जब काम नहीं चल रहा हो या जीवन में मुश्किलें हों, तब ये हॉबीज बहुत काम आती हैं। अदा खुद का उदाहरण देते हुए बोलीं, जैसे मैं म्यूजिक करती हूं, पियानो बजाती हूं, फ्लूट बजाती हूं या डांस करती हूं। कोई भी ऐसी हॉबी रखें, जिससे आप अपना दिमाग शांत रख सकें।

'मिर्जापुर द फिल्म' में हुई इस दिव्येंदु शर्मा की वापसी, श्रिया पिलगांवकर ने दिया सरप्राइज

प्राइम वीडियो की सुपरहिट वेब सीरीज 'मिर्जापुर' अब फिल्म के रूप में सामने आएगी। 'मिर्जापुर द फिल्म' की शूटिंग इन दिनों चल रही है। शूटिंग से कई तस्वीरें और वीडियोज भी सामने आ चुके हैं। अब सीरीज का हिस्सा रहीं अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर ने शूटिंग से कुछ तस्वीरें साझा की हैं। साथ ही उन्होंने फिल्म में सीरीज के अहम किरदार की वापसी के बारे में भी जानकारी दी है। जानिए कौन कर रहा है फिल्म में आठ साल बाद वापसी

श्रिया पिलगांवकर ने अपने इंस्टाग्राम पर मिर्जापुर द फिल्म की शूटिंग से जुड़ी दो तस्वीरें साझा की हैं। इनमें पहली तस्वीर में क्लैप बोर्ड नजर आ रहा है, जिस पर फिल्म का नाम 'मिर्जापुर द फिल्म' लिखा हुआ है। साथ ही स्क्रिप्ट रखी हुई है, जिस पर स्वास्तिक बना हुआ है और क्लैप बोर्ड व स्क्रिप्ट पर फूल चढ़े हुए हैं। इससे पता चलता है कि यह मुहूर्त शॉट की तस्वीर हो सकती है। इसके साथ ही श्रिया ने एक और तस्वीर भी साझा की है। इसमें पूजन हो रहा है और फिल्म की पूरी कास्ट व क्रू मौजूद है। इसके साथ ही श्रिया ने कैप्शन में लिखा है, 'आठ साल बाद अंदाजा लगाइए कौन मौत के मुंह से वापस लौट आया है? मिर्जापुर द फिल्म की शूटिंग हो रही है। जल्द ही मिलते हैं।'

वापस आ गए मुन्ना भैया

श्रिया के कैप्शन के बाद अब ये साफ हो गया है कि मिर्जापुर के दूसरे सीजन में मर चुके मुन्ना भैया यानी दिव्येंदु शर्मा, 'मिर्जापुर द फिल्म' में वापसी कर रहे हैं। श्रिया ने जो फिल्म की कास्ट की तस्वीर साझा की है, उसमें दिव्येंदु शर्मा भी नजर आ रहे हैं। अब श्रिया के कैप्शन और इस तस्वीर से फैंस को ये कंफर्मेशन मिल गई है कि मुन्ना भैया का किरदार 'मिर्जापुर द फिल्म' में वापस आ रहा है। जाहिर है कि मुन्ना भैया शो का सबसे लोकप्रिय किरदार है। सीरीज के तीसरे सीजन में मुन्ना भैया का न होना हर किसी को काफी खला था और लोगों ने इस किरदार के वापस आने की मांग भी की थी। लोगों को उम्मीद थी कि तीसरे सीजन में मुन्ना भैया का किरदार वापस आएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। लेकिन अब 'मिर्जापुर द फिल्म' में मुन्ना भैया के किरदार की वापसी तय है।

रवि किशन भी आएंगे नजर

इसके अलावा 'मिर्जापुर द फिल्म' में रवि किशन और जितेंद्र कुमार की नई एंट्री हुई है। हालांकि, ये दोनों ही अभिनेता वेब सीरीज का हिस्सा नहीं थे। ऐसे में रवि किशन का किरदार क्या होगा, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। वहीं जितेंद्र कुमार संभवत- फिल्म में बबलू पंडित का किरदार निभा सकते हैं। जो सीरीज में विक्रांत मैसी ने निभाया था, लेकिन विक्रांत फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। हालांकि, सीरीज में भी पहले ही सीजन के अंत में बबलू पंडित के किरदार की मौत हो जाती है। श्रिया ने जो तस्वीर साझा की है उसमें फिल्म की बाकी कास्ट नजर आ रही हैं। इसमें पंकज त्रिपाठी, अली फजल, श्रिया पिलगांवकर, कृतिका कामरा, श्वेता त्रिपाठी, रवि किशन, राजेश तैलंग, रसिका दुग्गल और बाकी कलाकार नजर आ रहे हैं। अभी फिल्म की शूटिंग चल रही है। रिलीज की तारीख अभी तय नहीं है।

'बॉर्डर 2' से बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे अहान शेट्टी, चार साल तक क्यों रहे फिल्मों से दूर?

अभिनेता अहान शेट्टी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'बॉर्डर 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। अहान अपने पिता सुनील शेट्टी की विरासत को आगे बढ़ाते हुए 'बॉर्डर 2' में सनी देओल, वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म के जरिए अहान शेट्टी लगभग चार साल से भी अधिक समय के बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। 'बॉर्डर 2' अहान की डेब्यू फिल्म 'तड़प' के बाद उनकी दूसरी फिल्म है। जानिए आखिर क्यों चार साल बड़े पर्दे से दूर रहे अहान शेट्टी?

बॉर्डर 2 में लेफ्टिनेंट कमांडर एमएस रावत की भूमिका में दिखेंगे अहान

'बॉर्डर 2' से जबसे अहान का लुक और फिल्म का टीजर सामने आया है, तबसे ही उनके फैंस काफी उत्साहित हैं। 'बॉर्डर 2' में अहान भारतीय नौसेना के ऑफिसर लेफ्टिनेंट कमांडर एमएस रावत की भूमिका निभा रहे हैं। इस किरदार में फैंस उन्हें काफी पसंद कर रहे हैं और फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म में उनके साथ आन्या सिंह नजर आएंगी।

इस वजह से चार साल कोई फिल्म नहीं कर पाए अहान

अहान शेट्टी फिल्मों से भले ही चार साल से दूर हों, लेकिन वो चर्चाओं में रहे हैं। अक्सर कम पब्लिक अपीयरेंस और सोशल मीडिया एक्टिविटी के बावजूद फैंस अहान की चर्चा करते रहते हैं और उनके काम का बेसब्री से इंतजार करते हैं। हालांकि, हाल ही में अहान ने चार साल बड़े पर्दे से दूर रहने के कारण के बारे में भी बताया था। 'बॉर्डर 2' के टीजर लॉन्च के दौरान अहान शेट्टी ने यह बताया था कि वो एक कॉन्ट्रैक्ट के चलते चार साल तक किसी फिल्म में काम नहीं कर पाए। इसके चलते वो डेब्यू फिल्म के बाद बड़े पर्दे से दूर रहे। इंडस्ट्री में कॉन्ट्रैक्ट के चलते एक्टर-एक्टर्स किसी और फिल्म का हिस्सा नहीं बन सकते हैं। अहान भी इसी के चलते चार साल फिल्मों से दूर रहे। हालांकि, अब वो 'बॉर्डर 2' से वापसी को तैयार हैं।

साल 2021 में 'तड़प' फिल्म से किया था डेब्यू

अहान शेट्टी ने साल 2021 में आई रोमांटिक फिल्म 'तड़प' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की थी। मिलन लुथ्रिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अहान के साथ तारा सुतारिया प्रमुख भूमिका में नजर आई थीं। फिल्म में अहान के अभिनय की काफी तारीफ हुई थी और क्रिटिक्स ने उन्हें लंबी रेस का खिलाड़ी बताया था। हालांकि, उसके बाद जब चार साल तक अहान की कोई फिल्म नहीं आई तो हर कोई हैरान था। लेकिन अब अहान ने इसके पीछे की वजह बताई है, जो एक कॉन्ट्रैक्ट साइन करना था।

फातिमा सना शेख ने संघर्ष के साथ तय किया फिल्मी सफर

बॉलीवुड एक्ट्रेस फातिमा सना शेख छोटी उम्र से ही इंडस्ट्री का हिस्सा रही हैं और इसलिए उन्होंने सब कुछ देखा है। कुछ ऐसी चीजें भी जो एक बच्चे को नहीं देखनी चाहिए। उनके अनुभवों ने उन्हें जल्दी परिपक्व बना दिया, लेकिन उनके अंदर की मासूमियत आज भी जिंदा है। फातिमा सना शेख ने 4 साल की उम्र से करियर की शुरुआत की और टीवी की जर्नी से होते हुए बॉलीवुड में एंट्री ली। हालांकि बचपन में उन्हें शूटिंग सेट पर काफी कुछ झेलना पड़ता था। 11 जनवरी को फातिमा सना शेख अपना 34वां जन्मदिन मनाएंगी। दंगल से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली सना शेख बचपन में ही बड़े स्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर कर चुकी हैं। उन्होंने कमल हासन और तब्बू अभिनीत 1997 की हिट फिल्म चाची 420 में कमल हासन की बेटी का रोल प्ले किया था। सना ने खुद खुलासा किया था कि उस वक्त बच्चों को क्या ही पता होता है और जो बोला जाता है, बच्चे अपने मूड के हिसाब से करते हैं। ऐसा ही कुछ चाची 420 के सेट पर हुआ और उन्हें रोने के लिए कहा गया। अभिनेत्री ने बताया था कि उस वक्त उन्होंने नकली रोना शुरू किया और थोड़ा सा मुंह बना लिया, लेकिन सीन को परफेक्ट बनाना था और तभी किसी ने मुझे जोरदार डांट लगाई और मैं सच में रोने लगी। फिर उन्होंने कहा कि ऐसे ही रोना चाहिए था। सना को ऐसी भी परिस्थितियों का सामना करना पड़ा जिनसे किसी बच्चे को नहीं गुजरना चाहिए। बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट सेट पर 15 घंटे प्रतिदिन काम करना पड़ता था और उस वक्त बाल कलाकारों के लिए नियम और सुरक्षा जैसी कोई चीज नहीं थी। वे सेट पर बड़ों लोगों की ऐसी बातें सुनती थी, जो बच्चों को नहीं सुननी चाहिए। फातिमा ने आज जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने हर क्षेत्र में हाथ आजमाया। फिल्मों में सहायक भूमिकाओं के अलावा, उन्होंने कुछ टेलीविजन शो भी किए। वे फिल्मों में आने से पहले सीरियल अगले जनम मोहे बिटिया ही कीजो में नजर आईं, जहां उन्होंने सुमन का किरदार निभाया। इसके अलावा वे लेडीज स्पेशल शो में भी दिखाई दीं। बहुत कम लोग ये बात जानते हैं कि साल 2016 में दंगल से डेब्यू करने से पहले कई फिल्मों में साइड रोल कर चुकी थी। उन्हें साल 2008 में आई तहान, 2013 में आई आकाश वाणी और 2012 बिट्टू बॉस में छोटे-मोटे रोल में देखा गया था, लेकिन फिल्म दंगल से उनके करियर को बड़ा ब्रेक मिला। इसके बाद उन्हें बतौर लीड एक्ट्रेस लूडो, ठग्स ऑफ हिंदुस्तान, आप जैसा कोई और मेट्रो इन दिनों में देखा गया और अब वे रोमांटिक ड्रामा फिल्म गुस्ताख इश्क में दिख रही हैं।

वर्किंग मदर होना मुश्किल है, बेटी के जन्म के 43वें दिन ही मैं सेट पर थी

एक्टिंग, होस्टिंग, चैट शो, जैसी विभिन्न विधाओं में सफलतापूर्वक हाथ आजमाने वाली नेहा धूपिया असल मायने में एक मल्टीटास्कर हैं। काम के साथ-साथ निजी जिंदगी में एक मां और पत्नी की भूमिका भी वह उसी खूबी से निभाती हैं। हाल ही में सिंगल पापा और परफेक्ट फैमिली जैसी सीरीज में नजर आईं नेहा से हमने इन्हीं विषयों पर अपने निजी जिंदगी के अनुभव शेयर किए। उन्होंने बताया कि कैसे वह बेटी मेहर के जन्म के 43 दिन बाद ही काम के मोर्चे पर लौट आई थीं। वह मानती हैं कि आज में भी समाज में कामकाजी मांओं को लेकर सेंसिटिविटी की कमी है।

आप एक वर्किंग मॉम हैं और आज की औरतें बेशक घर, बच्चे, काम सब हैंडल करती हैं, मगर यह आसान नहीं होता। आप कैसे सारी चीजों के बीच तालमेल बिठाती हैं?

यह बिल्कुल भी आसान नहीं होता। बहुत ही मुश्किल होता है और आप जितना भी बोले, कोई इसे समझता भी नहीं है। यह मैं बहुत सारी औरतों के लिए कह रही हैं, जैसे मेरे बच्चे छोटे हैं तो उनको स्कूल छोड़ना होता है। बतौर एक्टर आपको एक खास तरह से दिखना भी होता है, तो जिम भी जाना है। कई दिन ऐसे होते हैं कि मैं सवा 5 बजे उठती हूं। फिर जिम जाना, बच्चों को उठाना, स्कूल छोड़ना, फिर आपको सेट पर 9 बजे पहुंचना है, मगर आप सवा नौ बजे वहां पहुंचो तो कोई घड़ी देखते हुए कह देगा- आप लेट हो। जबकि हमारे दिमाग में तो ये आता है कि अरे यार, मैं ऑलरेडी साढ़े 4 घंटे से काम ही कर रही हूं, लेकिन यह बात न कोई समझता है, न समझना चाहता है। ऐसे में, जब कोई आपके 15 मिनट लेट होने पर नाखुशी जताता है तो आप हर बार उस इमोशन को कंट्रोल करते हैं कि जवाब देने की जरूरत नहीं है, क्योंकि आपकी प्रॉब्लम कोई नहीं समझेगा, मगर सुबह के 9 बजे ही आप समझ चुके होते हैं कि एक वर्किंग मदर होना कितना मुश्किल होता है।

आपको लगता है कि हमारे फिल्म सेट और समाज दोनों को कामकाजी मांओं के प्रति थोड़ा सेंसिटिव होने की जरूरत है, क्योंकि आज भी आप देखें तो अनुष्का शर्मा से लेकर सोनम कपूर तक मां बनने के बाद से लंबे ब्रेक में रहीं?

सेंसिटिविटी जरूरी है, मगर अनुष्का और सोनम की मां बनने के तुरंत बाद काम पर नहीं लौटने की जो भी वजहें हैं, वो मुझे नहीं पता। वो उनकी चॉइस है। मैं अपनी बात करूं तो मैंने तो आठ महीने की प्रेग्नेंसी में शूटिंग की है। मैं फिल्म ए थर्सडे शूट कर रही थी और सेट पर ही मेरा कॉन्ट्रैक्शन शुरू हुआ तो मैंने तो प्रेग्नेंसी के आखिरी दिन तक काम किया है। फिर, मेरी बेटी मेहर के जन?म के 43 दिन ही, मैं रोडीज के सेट पर वापस लौटी तो मुझे लगता है कि यह हर किसी का निजी फैसला है। कुछ लोग अपनी प्रेग्नेंसी के दौरान भी काम कर सकते हैं, कुछ नहीं कर सकते। कभी मेडिकल कारणों से तो कभी उनकी चॉइस है तो हमें उसका भी सम्मान करना चाहिए। कुछ औरतें जल्द से जल्द काम पर लौटना चाहती हैं, क्योंकि वे अपनी पहले जैसी जिंदगी वापस चाहती हैं। कुछ थोड़ा वक्त लेना चाहती हैं तो मैं किसी और लिए नहीं बोल सकती, लेकिन मैं अपना बैलेंस तब महसूस करती हूं जब मैं जितना समय अपने बच्चों के साथ बिताती हूं, उतना ही काम को भी दे पाऊं।

सिंगल पापा सीरीज में आपकी एक लाइन है कि 90 फीसदी माएं सिंगल मदर ही होती हैं। सही भी है कि बच्चों की परवरिश का दायित्व मां पर ही ज्यादा होता है। आप इससे कितना रिलेट करती हैं?

मैं मानती हूं कि हम उन भाग्यशाली 10 प्रतिशत लोगों में से हैं, जिनके पार्टनर ये समझते हैं कि हमारे लिए भी काम करना उतना ही जरूरी है। मगर ऐसे बहुत से घर हैं जहां औरतें मां बनने के बाद दोबारा काम पर जा ही नहीं पातीं। जहां मर्द और औरत का रोल, उनका काम तय होता है और यह जल्दी नहीं बदलने वाला। मेरा मानना है कि यह बदलाव दोनों तरफ से होना चाहिए। एक मां के तौर पर हमें भी चीजों को छोड़ने, दूसरों को करने देना सीखना होगा। वहीं, पुरुषों और समाज को भी ये समझना होगा कि औरतें भी वे चीजें करेंगी जो वे करना चाहती हैं या उनके लिए जरूरी है। यह लाइन समाज के एक बड़े तबके पर लागू होती है, उम्मीद है कि शायद आने वाले समय में इसमें बदलाव आए।

आपके घर में बच्चों मेहर और गुरिक की पैरंटिंग में पति अंगद बेदी की कितनी भागीदारी रहती है?

अंगद बिल्कुल मेरा बराबर साथ देते हैं। हालांकि, ऐसी कोई बराबर-बराबर वाली भूमिका तय नहीं है, मगर जैसे आज मैं बाहर हूं तो मुझे पता है कि अंगद सारी चीजें हैंडल कर रहे हैं। अगर वो काम पर है तो मैं संभालती हूं। इसके अलावा, सपोर्ट स्टाफ है, ग्रैंड पैरंट्स हैं। मेरा मानना है कि बच्चे को बड़ा करने में सबकी भूमिका होती है, भले ही वो मां होममेकर ही क्यों न हो, क्योंकि उनकी जॉब तो सबसे ज्यादा मुश्किल है। वे दिन भर काम में लगी रहती हैं, जिसका न कोई रिवॉर्ड है, न सैलरी है। मैं खुद जितनी भी चीजें करती हूं, उसमें सबसे मुश्किल होममेकर वाला पार्ट है। खुशकिस्मती से हमारे घर में सब बराबर हैं और मैं उम्मीद करती हूं कि ऐसा और ज्यादा घरों में हो।

ध्यान की अवस्था में शक्ति हम से बात कर सकती है और हम उसे सुन सकते हैं। यदि हम उसके निर्देशों का अनुसरण करें, तो यह और भी स्पष्ट रूप से बात करेगी। ध्यान के बाद आंतरिक शक्ति और जीवन के रूपांतरण में विश्वास ही वह तार जो हमें उससे जोड़ता है। जब हम अपने चेतन मन और उस शक्ति के साथ स्पष्ट संपर्क बना लेते हैं, तो परिणाम और भी अच्छे होते हैं, क्योंकि तब हमारी आत्मा हमें ये संदेश अधिक स्पष्ट व प्रभावी तरीके से भेज सकता है।

प्रार्थना

जो हमें हमारे पिछले जन्मों के ऋण से उबार सके

आंतरिक शक्ति ही वह आधार है, जो मनुष्य से उसके अपने संबंधों को परिभाषित करती है। यह मानव जीवन का एक विस्मयकारी घटक है, जिस पर हमारी सामान्य सफलता सर्वाधिक निर्भर करती है। यह शक्ति हमारे व्यक्तित्व और दैनिक जीवन के लिए निरंतर संदेश भेज कर प्रभावित करती रहती है। ये संदेश हमें अंतर्ज्ञान, प्रेरणा और मौलिक विचारों के रूप में मिलते हैं।

ये बताते हैं कि अपने विवेक में उदात्त-आत्मा हमसे क्या करना चाहती है। यदि हम इन संकेतों को समझें और उनके अनुसार काम करें, तो हमारा जीवन रचनात्मक हो जाएगा। हम देंखेगे कि जीवन की हर दिशा में सब कुछ अच्छा व सफलतादायक हो रहा है। हम अपने मन को शांत और स्थिर करके इन संदेशों को प्रभावी तरीके से ग्रहण कर सकते हैं। नियमित ध्यान इसका एक अच्छा उपाय है। ध्यान की अवस्था में शक्ति हम से बात कर सकती है और हम उसे सुन सकते हैं। यदि हम उसके निर्देशों का अनुसरण करें, तो यह और भी स्पष्ट रूप से बात करेगी। ध्यान के बाद आंतरिक शक्ति और जीवन के रूपांतरण में विश्वास ही वह तार जो हमें उससे जोड़ता है। जब हम अपने चेतन मन और उस शक्ति के साथ स्पष्ट संपर्क बना लेते हैं, तो परिणाम और भी अच्छे होते हैं, क्योंकि तब हमारी आत्मा हमें ये संदेश अधिक स्पष्ट व प्रभावी तरीके से भेज सकता है। इसके प्रति अविश्वास संपर्क को बिगाड़ता है और कुछ मामलों में तो इसे नष्ट ही कर देता है। तब हम प्रायः अंतश्चेतना के निर्देश के बिना आसानी से भटक जाते हैं, तब परिणाम असफलता के रूप में मिलता है। यदि हम आंतरिक शक्ति की बात सुनें और उसके संदेश का पालन करें, तो भय या चिंता दूर हो जाएगी। हम स्थिर संतुलित हो जाएंगे। जो भौतिक सफलता के बड़े कारक हैं। हम जीवन और मृत्यु दोनों के भय से मुक्त हो जाते हैं। हम जानते हैं कि सब कुछ विवेक से प्रेरित है और परिणाम आध्यात्मिक दृष्टि से बहुत अच्छा होगा। हम अपनी आंतरिक शक्ति से प्रार्थना करके, उससे बातचीत करके, चर्चा करके अच्छे-अच्छे परिणामों में वृद्धि कर सकते हैं, क्योंकि यह तो हमारे सांस लेने से भी अधिक निकट हैं। तब यह हमें सुनेगी और विवेकपूर्ण प्रत्युत्तर देगी। कुछ लोग इसे ईश्वर से प्रार्थना करना कहते हैं। एक ही बात है, क्योंकि यह चिरंतन अंतश्चेतना है। प्रार्थना करके हम अपने लिए एक नवीन सार्थक भाग्य का निर्माण करते हैं, जो हमारे पिछले जन्मों के ऋण से हमें उबार सके।

नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है और...

भारतीय संस्कृति और धर्म में शंख का बड़ा महत्व है। शंख को लक्ष्मीप्रिया, लक्ष्मी भ्राता, लक्ष्मी सहोदर आदि नामों से जाना जाता है। श्री विष्णु जी के चार आयुधों में शंख को भी एक स्थान मिला है। मन्दिरों में आरती के समय शंखध्वनि का विधान है। हर पूजा में शंख का महत्व है। शंख भिन्न-भिन्न आकृति व अनेक प्रकार के होते हैं। शंख संहिता के अनुसार सभी प्रकार के शंखों की स्थापना घरों में की जा सकती है। प्रमुखता से शंखों को तीन भागों में विभक्त किया गया है जैसे

वामावर्ती शंख - वामावर्ती बजने वाले शंख होते हैं उनका मुंह बाईं ओर होता है तथा ये बाईं ओर से खुलते हैं।

मध्यावर्ती शंख - मध्यावर्ती का मुख बीच से खुला होता है। मोती शंख मध्यावर्ती होता है।

दक्षिणावर्ती शंख - दक्षिणामुखी एक विशेष प्रकार का दुर्लभ अद्भुत चमत्कारी शंख दाहिने तरफ खुलने की वजह से दक्षिणावर्ती शंख कहलाते हैं। इस तरह के शंख सहज रूप से सुलभ नहीं हो पाते हैं। आकाश में नक्षत्र मंडल में विशेष शुभ नक्षत्र के प्रभाव से दक्षिणावर्ती शंख की उत्पत्ति समुद्र के गर्भ से होती है। यह शंख अपने चमत्कारी प्रभाव के कारण दुर्लभ व मूल्यवान भी होता है।

- इसकी नित्य आराधना करने से धन की कमी नहीं होती।
- इसमें जल भरकर श्री सूक्त का पाठ करके उस जल को दुकान, आफिस में छिड़कने से व्यापार में बढ़ौतरी होती है।
- इससे पितरों को तर्पण करने से पितृ - दोष की शांति होती है।
- इससे घर की नकारात्मक उर्जा समाप्त होती है।
- इसमें जल भरकर निम्न मन्त्र का जाप करके इस जल को पीने से हृदय और श्वाससंबधित रोगों से मुक्ति मिलती है
  ऊँ श्रां श्रीं श्रौं सः चंद्राय नमः
- अगर आपकी जन्मकुंडली में सूर्य नीच का है या सूर्य खराब फल प्रदान कर रहा है तो प्रत्येक रविवार दक्षिणावर्ती शंख में जल भरकर सूर्य को अर्ध्य दें।
- दक्षिणावर्ती शंख हर घर में अवश्य होना चाहिए इसके बिना लक्ष्मी जी की आराधना पूर्ण नहीं होती।

108 मनकों का रहस्य

श्रद्धा, भक्ति और समर्पण की प्रतीक माला के 108 मनके अपने में गूढ़ अर्थ संजोए हैं। भारतीय मुनियों ने एक वर्ष में 27 नक्षत्र बताए हैं। प्रत्येक नक्षत्र के चार चरण हैं, इस प्रकार 108 चरण होते हैं। माला का एक-एक मोती नक्षत्र के एक-एक चरण का प्रतिनिधित्व करता है। इसीलिए ज्योतिर्विज्ञान में यह संख्या शुभ मानी जाती है। ज्योतिष के अनुसार ब्रह्मांड को 12 भागों में विभाजित किया गया है।

इन 12 भागों के नाम मेष, वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ और मीन हैं। इन 12 राशियों में नौ ग्रह सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, राहु और केतु विचरण करते हैं। अतः ग्रहों की संख्या 9 का गुणा किया जाए राशियों की संख्या 12 में तो संख्या 108 प्राप्त हो जाती है। माला के मोतियों की संख्या 108 संपूर्ण ब्रह्मांड का प्रतिनिधित्व करती है।

मन, वचन और कर्म से जो हिंसा आदि पाप होते हैं, वे 36 प्रकार के होते हैं। इन्हें स्वयं करने, दूसरों से कराने तथा करते हुए को सराहने से यह संख्या 36 का तीन गुना यानी 108 हो जाती है। इन 108 पापों (बुरे कामों) से मुक्ति के लिए माला का जप किया जाता है। बौद्ध मत में भी यह संख्या शुभ मानी जाती है। बुद्ध के जन्म के समय 108 ज्योतिषियों के उपस्थित रहने की बात कही जाती है। बौद्ध धर्म में आस्था रखने वाले देश जापान में श्राद्ध के अवसर पर 108 दीपक जलाने की प्रथा है। वस्तुतः माला का उपयोग मन की एकाग्रता के लिए किया जाता है। विद्वानों का मानना है कि जप के माध्यम से मन के मतवाले घोड़े को नियंत्रण में रखा जा सकता है, जिससे अपार भौतिक व आध्यात्मिक उपलब्धियां प्राप्त हो जाती हैं।

माना जाता है कि माला फेरते समय अंगूठे व अंगुलियों के मध्य घर्षण से एक प्रकार की विद्युत उत्पन्न होती है, जो धमनियों द्वारा सीधे हृदय चक्र को प्रभावित करती है। इससे मन स्थिर होता है। यह तभी प्रभावी होता है, जब जप करने वाले के मन का मैल धुला हुआ हो....

पांच पतियों के साथ रहते हुए भी द्रौपदी पतिव्रता कैसे?

पुरूष भले ही कई स्त्रियों से संबंध रखे लेकिन स्त्री का किसी दूसरे पुरूष से संपर्क होने पर उसे गलत नजरों से देखा जाने लगता है। स्त्रियों के लिए नियम बनाया गया है कि वह अपने पति के अलावा किसी अन्य के प्रति अनुराग की भावना मन में नहीं लाए। जो स्त्री ऐसा करती है उसे पतिव्रता कहा जाता है। महाभारत काल में महाराज द्रुपद की पुत्री द्रौपदी का विवाह पांच पुरूषों के साथ हुआ था। पांच पुरूषों के साथ संबंध बनाने के बावजूद द्रौपदी को सीता के समान पतिव्रता कहा गया है।

इसका कारण मात्र एक है कि, द्रौपदी पांचों पुरूषों की व्याहता पत्नी थी। द्रौपदी ने कभी भी अपने पांच पतियों के अलावा किसी और की ओर अनुराग प्रदर्शित नहीं किया। कीचक और जरासंध ने द्रौपदी के मान को भंग करने का प्रयास भी किया लेकिन द्रौपदी ने विषम परिस्थिति में संयम का पालन किया और अपने सतीत्व की रक्षा की।

लेकिन सवाल उठता है कि शक्तिशाली राजा द्रुपद ने पांच पुरूषों के साथ अपनी पुत्री का विवाह करना कैसे स्वीकार किया। इस संदर्भ में कथा है कि महर्षि व्यास ने महाराज द्रुपद को बताया कि दिव्य दृष्टि देकर पांचों पुरूषों यानी पांचों पाण्डवों के पूर्व जन्म का ज्ञान कराया।

द्रुपद ने जाना कि पांचों पाण्डव असल में पांच इन्द्र हैं जो देवताओं के कार्य को पूरा करने के लिए प्रकट हुए हैं। द्रौपदी स्वर्ग की लक्ष्मी हैं जिनका विवाह ब्रह्मा जी ने पांचों पाण्डवों से निश्चित किया है। इस सत्य को जानकर द्रुपद ने पांचों पाण्डवों के साथ द्रौपदी का विवाह कर दिया।

आर्थिक परेशानी के यह कारण हो सकते हैं

धन को आदर दें

संसार का नियम है कि आप जब किसी को आदर देते हैं तभी वह आपके पास ठहरता है। यही बात धन के साथ लागू है। कुछ लोगों की आदत होती है कि वह रूपया गिनते समय खूक लगाकर गिनती करते हैं जो अनुचित तरीका है। ऐसे करने से धन का अपमान होता है।

सोते समय ऐसी गलती नहीं करें

सोना सिर्फ आपके आराम के लिए और शरीर की थकान मिटाने के लिए नहीं है। शास्त्रों में शयन को योग क्रिया कहा गया है जो व्यक्ति के मस्तिष्क और बौद्धिक क्षमता को प्रभावित करता है। इससे आपकी आर्थिक स्थिति भी प्रभावित होती है। जो व्यक्ति धन और देवी लक्ष्मी की कृपा चाहते हैं उन्हें सोने से पहले बिस्तर को अच्छी तरह से साफ कर लेना चाहिए। बेहतर तरीका यह है कि सोने से पहले बिछावन पर साफ चादर बिछा लें। गंदे और अपवित्र स्थान पर शयन करने से नकारात्मक उर्जा का प्रभाव बढ़ जाता है। इससे मन में नकारात्मक विचार आते हैं, शरीर में उर्जा की कमी महसूस होती है।

भोजन का आदर करें

लक्ष्मी का एक स्वरूप अन्न भी है। इस रूप से देवी लक्ष्मी शरीर का पोषण करती है। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में लक्ष्मी के इस स्वरूप की पूजा होती है। इसलिए जब भोजन सामने आए तब उसे आदर पूर्वक प्रसाद समझकर ग्रहण करना चाहिए।

भोजन करते समय पूरा भोजन करने के बाद उठना चाहिए। एक बार उठ जाने के बाद फिर से वही भोजन करना जूठन खाना कहलाता है जिससे लक्ष्मी नाराज होती हैं। भोजन करते समय पैर भोजन की ओर नहीं हो इसका ध्यान रखें। कुछ लोग क्रोध आने पर भोजन की थाली फेंक देते हैं, इस तरह की आदत धन वैभव एवं पारिवारिक सुख के लिए नुकसान दायक होता है।

झाड़ू रखें छुपाकर

झाड़ू का उपयोग भले ही घर की गंदगी साफ करने के लिए किया जाता है लेकिन इसका आपकी समृद्धि में बड़ा ही महत्व है। शास्त्रों में कहा गया है कि झाड़ू को हमेशा छुपाकर रखना चाहिए। ताकि बाहर से आने वाले व्यक्ति की नजर इस पर नहीं जाए। झाड़ू को हमेशा आदर के साथ रखना चाहिए। कभी भी पटकर कर या पैरों मारकर झाड़ू का अपमान नहीं करें। अगर आप किराए के मकान में रहते हैं तो घर बदलते समय झाड़ू को साथ जरूर लेकर जाएं।

ऐसे सिर नहीं खुजाएं

आमतौर पर सिर में खुजाहट होने पर सभी व्यक्ति सिर खुजा लेते हैं। इसमें कुछ बुराई भी नहीं है लेकिन अगर आप अपने दोनों हाथों से सिर में खुजली करना शुरू कर देते हैं तो यही शास्त्रानुसार गलत हो जाता है। दोनों हाथों से सिर खुजाना शुभ नहीं माना जाता है। इससे लक्ष्मी अप्रसन्न होती हैं।

इस समय कंघी नहीं करें

बालों को संवारने के लिए दिन में भले ही आप जितनी बार चाहें कंघी कर लें, लेकिन शाम ढ़लने के बाद कंघी नहीं करें। रात में कंघी करना और सोते समय इत्र लगाना धन के लिए नुकसानदायक माना गया है।

पत्नी और बेटी के साथ ऐसा नहीं करें

पत्नी को शास्त्रों में गृहलक्ष्मी कहा गया है। जबकि बेटी और अविवाहित कन्याओं को देवी का स्वरूप माना गया है। जो व्यक्ति इनका अपमान करते हैं। इन पर हाथ उठाते हैं उनके घर की सुख शांति चली जाती है। धन का क्षय भी लगातार होता रहता है।

ऐसे बढ़ाएं अपना धन

लक्ष्मी की कृपा बनी रहे इसके लिए गैर जरूरी खर्चों पर अंकुश रखें और संचय की आदत डालें। संचय का मतलब सिर्फ बैंक में जमा करना नहीं है। संचय का तात्पर्य है कि अपनी आय से कुछ धन जरूरत मंदों को दान दें। असली संचय इसे कहा गया है। जो व्यक्ति इस प्रकार का संचय करता है उसकी जमा पूंजी में निरंतर वृद्धि होती है।